कांग्रेस का पीएम पर पलटवार-मुम्बई हमले के दौरान आतंकवादी गुजरात के तट से आए थे तब सीएम कौन था?

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर (निस) कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने पीएम मोदी के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी पर हमला बोला जिसमें पीएम मोदी ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद कांग्रेस की कमज़ोरी दिखाने की आलोचना की थी। तिवारी ने कहा कि जब 26/11 हुआ था, तब वे 10 (**शेष पृष्ठ दो पर**)

दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

करनाल

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी संपादक - डा.के.के.संधू प्रबन्ध संपादकः सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227 वर्ष 8 अंक 280 शुक्रवार 10 अक्तूबर, 2025 Friday 10 October, 2025 मूल्य 2/- रूपए, कुल पृष्ठ 12 मोब :9416406615,7404278000,9215537704

हरियाणा में उद्योग लगाने का सबसे अनुकूल माहौल : मनोहर लाल

दुबई में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का हुआ ऐतिहासिक स्वागत, उद्योगपति गुरुप्रसाद सिंह की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित

दुबई के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, जैबेल अली, दुबई में माथा टेका। इस अवसर पर श्री सतीश जी कौशिक, काउंसलेट जनरल, उनके साथ मौजूद थे। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार सरदार सुरिंदर सिंह कंधारी और प्रबंधक सेवक एसपी सिंह ओबेरॉय ने उन्हें सिरोपा और सम्मान चिन्ह भेंट कर विशेष सम्मान दिया।

करनाल, 9 अक्तूबर (संदीप रोहिला): हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल का दुबई में भव्य व ऐतिहासिक स्वागत किया गया। उनकी सादगीपूर्ण जीवनशैली और मिलनसार स्वभाव ने वहां के प्रवासी भारतीयों और सिख संगत का दिल जीत लिया। दुबई के दौरे पर पहुंचे भारत के केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, जैबेल अली, दुबई में माथा टेका। इस अवसर पर श्री सतीश जी कौशिक, काउंसलेट जनरल, उनके साथ मौजूद थे। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार सरदार सुरिंदर सिंह कंधारी और प्रबंधक सेवक एसपी सिंह ओबेरॉय ने उन्हें सिरोपा और सम्मान चिन्ह भेंट कर विशेष सम्मान दिया।दुबई के ऐतिहासिक श्री गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा, जबेल अली में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व एक्जीक्यूटिव मेंबर एवं हरियाणा के प्रसिद्ध उद्योगपति गुरुप्रसाद सिंह की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में सिख संगत और प्रवासी भारतीयों ने केंद्रीय मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान दुबई के उद्योगपतियों ने हरियाणा में निवेश करने और उद्योग लगाने की इच्छा जताई। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को कई निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। गुरुद्वारा के मुख्य,(**शेष पृष्ठ 12 पर**)

पीएम मोदी और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की बीच हुई खास मुलाकात

भारत और ब्रिटेन अच्छे दोस्त,रिश्तों में हुई उल्लेखनीय प्रगति - पीएम मोदी

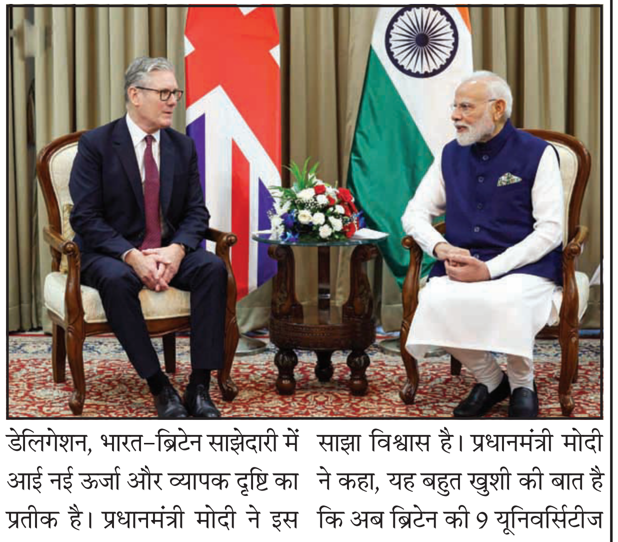

नई दिल्ली 9 अक्तूबर (निस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई स्थित राजभवन में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर का स्वागत किया। इस दौरान, दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रक्रिया के तहत एक बैठक हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पीएम स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में मेरी ब्रिटेन यात्रा के दौरान हम दोनों ने ऐतिहासिक कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक और ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमति बनाई। समझौते के कुछ ही महीनों में आपका (स्टार्मर) यह भारत दौरा और आपके साथ आया अब तक का सबसे बड़ा बिजनेस डेलिगेशन, भारत-ब्रिटेन साझेदारी में आई नई ऊर्जा और व्यापक दृष्टि का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान भारत और ब्रिटेन को नेचुरल पार्टनर बताया। उन्होंने कहा, हमारे संबंधों की नींव में डेमोक्रेसी, फ्रीडम और रूल ऑफ लॉ जैसे मूल्यों में साझा विश्वास है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह बहुत खुशी की बात है कि अब ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटीज भारत में कैंपस खोलने जा रही हैं। साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी के गुरुग्राम कैंपस का हाल ही में उद्घाटन हुआ है और छात्रों का(**शेष पृष्ठ 2 पर**)

मतदाता शुद्धिकरण अभियान में त्रुटियों को लेकर कांग्रेस ने आयोग से पूछे सवाल

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर (निस) बिहार में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कांग्रेस द्वारा कड़ी आलोचना के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने चुनाव आयोग से 7 सवालों का जवाब मांगा है। ये सवाल बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता शुद्धिकरण अभियान में कथित अनियमितताओं से जुड़े हैं। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने पोस्ट कर कहा है कि वे चुनाव आयोग पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन भारत के लोगों, खासकर बिहार के मतदाताओं को इन सवालों के जवाब जानने का पूरा अधिकार है। बिहार की मतदाता सूची की विश्वसनीयता को लेकर चिदंबरम ने आयोग से(**शेष पृष्ठ दो पर**)

आतंकवाद पर भारत के रुख का आस्ट्रेलिया ने किया समर्थन, राजनाथ दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे

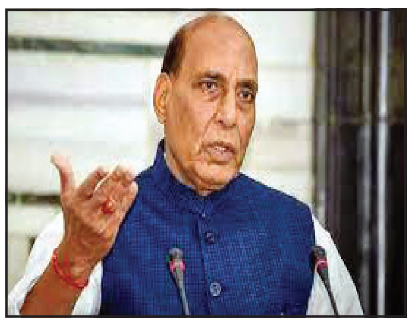

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर (निस) केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने दो दिवसीय औपचारिक दौरे के दौरान 9 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ व्यापक द्विपक्षीय बैठक की। राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर भारत का सख्त रुख दोहराते हुए कहा- आतंक और बातचीत साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार साथ नहीं चल सकते और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। ऑस्ट्रेलिया ने सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर भारत को अपना समर्थन दिया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से सभी रूपों के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी बैठक में संक्षिप्त रूप से हिस्सा लिया और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामनाएँ दीं और अल्बनीज को मई 2025 में हुई उनकी चुनाव जीत के लिए बधाई दी। अल्बनीज ने भारत की आर्थिक प्रगति, रक्षा, साइबर सुरक्षा और आईटी क्षेत्रों में उपलब्धियों की सराहना की।

रक्षा सहयोग का विस्तार -यह बैठक भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की 5वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। दोनों पक्षों ने सैन्य अभ्यास, समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग सहयोग और विज्ञान-तकनीक में संयुक्त अनुसंधान सहित रक्षा सहयोग को और मजबूत(**शेष पृष्ठ दो पर**)

बिहार में मोदी की 10, राजनाथ, अमित शाह की 25-25 और योगी की 10 चुनावी रैलियां

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर (निस) बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का आधिकारिक ऐलान होने के साथ ही राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद सभी राजनीतिक दल तत्काल प्रभाव से चुनावी मोड में आकर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (यू) (जदयू) ने अपने प्रचार अभियान की रूपरेखा बना ली है, जिसके तहत गठबंधन एक मजबूत संदेश देने के लिए निरंतर रणनीतिक बैठकों में जुटा हुआ है। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में 10 चुनावी रैलियां करने वाले हैं, जिनकी संख्या जरूरत पड़ने पर बढ़ सकती है। इसके अलावा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय(**शेष पृष्ठ दो पर**)

भारत का ध्यान अब किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित-जेपी नड्डा

नई दिल्ली 9 अक्तूबर (निस): भारत में किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने फिक्की हील 2025 कार्यक्रम में कहा कि भारत का ध्यान अब किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित है ताकि एक मजबूत और समावेशी स्वास्थ्य सेवा भविष्य का निर्माण किया जा सके। 1998 के बाद, 2017 में एक नई स्वास्थ्य नीति विकसित की गई, जिसमें सभी हितधारकों को शामिल किया गया था। इस नीति का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब देश निवारक स्वास्थ्य सेवा और शीघ्र पहचान पर ध्यान दे रहा है।

स्वास्थ्य सेवा का आधार और विस्तार - (**शेष पृष्ठ 12 पर**)

जहरीले कफ सिरप मामले में कंपनी मालिक रंगनाथन चेन्नई से गिरफ्तार

सरकार ने मामले की गहन जांच के लिए किया एसआईटी का गठन

चेन्नई,9 अक्तूबर (निस): जहरीले कफ सिरप से हुई मौतों ने पूरे देश में हड़कंम मचा दिया है। अब इस मामले में बड़ी कार्रवाई हुई। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में जहरीले कफ सिरप के सेवन से 20 बच्चों की मौत के मामले पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया और तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से कफ सिरप निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स के मालिक रंगनाथन गोविंदन को गिरफ्तार किया है। इस कफ सिरप में 46.2 फीसदी डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया था, जो एक जहरीला रसायन है और किडनी फेल होने का प्रमुख कारण बनता है। मध्य प्रदेश सरकार ने इस मामले की गहन जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी को जांच का जिम्मा सौंपा गया है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में कैसे जहरीला कफ सिरप बाजार में पहुंचा और इसकी आपूर्ति श्रृंखला में कहां चूक हुई। छिंदवाड़ा पुलिस ने कंपनी मालिक रंगनाथन की गिरफ्तारी,(**शेष पृष्ठ 12 पर**)

शिवराज सिंह चौहान ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को बताया 'समय की मांग', गिनाए विकास के फायदे

नई दिल्ली 9 अक्तूबर (निस): केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा की पुरज़ोर वकालत की और इसे समय की माँग बताया। चौहान ने ज़ोर देकर कहा कि बार-बार चुनाव देश के विकास में बाधा बनते हैं। उन्होंने कहा कि यह समय की माँग है। बार-बार चुनाव अक्सर देश के विकास में बाधा बनते हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन लाया जाना चाहिए। इस बीच, न्यूयॉर्क में, सांसद और एक राष्ट्र, एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारत के पहले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और 8 अक्टूबर, 2025 को तीसरी समिति में आम बहस के दौरान एक प्रभावशाली राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। अपने संबोधन में, चौधरी ने पाकिस्तान के दमन और दुष्प्रचार के इतिहास की तीखी आलोचना की(**शेष पृष्ठ दो पर**)

लोग जितना अधिक अपनी संसद से जुड़ेंगे, लोकतन्त्र उतना ही अधिक मजबूत होगा- लोक सभा अध्यक्ष

"डिजिटल संसद" पहल के अन्तर्गत, भारत की संसद ने एक एकीकृत डिजिटल प्रणाली विकसित की है - ओम बिरला

बारबाडोस,9 अक्तूबर (निस): लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल देशों के सांसदों से आग्रह किया कि वे प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग करते हुए और डिजिटल डिवाइड की समस्या का समाधान करते हुए आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विवेकपूर्ण और नैतिक उपयोग को बढ़ावा दें। बारबाडोस में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के 68वें सम्मेलन के दौरान 'प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना- डिजिटल परिवर्तनों के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाना और डिजिटल डिवाइड को दूर करना' विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि आपसी सहयोग से और जानकारी साझा करते हुए यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रौद्योगिकी अवरोध न बनकर सेतु की भूमिका निभाए।अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास और ई-संसद के उपयोग से हमारे संसदीय लोकतंत्र के कार्यकरण में बड़े पैमाने पर बदलाव आए हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि ई-संसद पहल, ई-लोकतंत्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिससे लोकतन्त्र में नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ रही है।श्री बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई-आधारित डिजिटल प्रणालियाँ भारत की संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और समावेशी बना रही हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों को बताया कि एआई-आधारित अनुवाद, एआई-सक्षम ई-लाइब्रेरी और स्पीच-टू-टेक्स्ट रिपोर्टिंग जैसी प्रणालियाँ संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक सफल और समावेशी बना रही हैं। आगामी डिजिटल पहलों के बारे में बताते हुए, श्री बिरला ने कहा कि निकट भविष्य में, संसद भाषिणी जैसी रियल-टाइम एआई अनुवाद प्रणालियों से प्रत्येक संसद सदस्य को अपनी भाषा में संवाद करने में मदद मिलेगी, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तब मज़बूत बनता है जब देश के नागरिक अपनी संसद से गहराई से जुड़े होते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस जुड़ाव को मज़बूत करने में तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस संदर्भ में, उन्होंने उल्लेख किया कि पारंपरिक संसदीय प्रणाली(**शेष पृष्ठ दो पर**)

आईपीएस आत्महत्या मामले में बड़ा एक्शन संभव, प्रदेश डीजीपी की हो सकती है छुट्टी

चंडीगढ़, 9 अक्तूबर (निस) वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले ने हरियाणा प्रशासन में भूचाल ला दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के हस्तक्षेप के बाद राज्य सरकार बड़े कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, डीजीपी शत्रुजीत सिंह कपूर को छुट्टी पर भेजने का फैसला हो गया है और उनकी जगह ओ.पी. सिंह को कार्यवाहक डीजीपी बनाए जाने की संभावना है। वहीं रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारनिया को भी छुट्टी पर भेजा जा सकता है। दरअसल मुख्यमंत्री सैनी ने आज गुरुवार को दिवंगत अधिकारी की पत्नी अमनीत पी. कुमार से उनके सेक्टर-11 स्थित आवास पर मुलाकात की और उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। सूत्रों के मुताबिक, डीजीपी कपूर को छुट्टी पर भेजे जाने का आदेश कभी भी जारी किया जा सकता है। यहां बताते चलें कि यह कार्रवाई उस शिकायत के बाद तेज हुई है जो आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार, दिवंगत पूरन कुमार की पत्नी, ने बुधवार को सेक्टर-11 थाना, चंडीगढ़ में दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने डीजीपी कपूर और एसपी बिजारनिया पर मानसिक प्रताड़ना, जातिगत भेदभाव और आत्महत्या के लिए उकसाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। अमनीत पी. कुमार ने अपनी शिकायत में लिखा कि उनके पति को वरिष्ठ अधिकारियों ने वर्षों तक मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और जातिगत आधार पर भेदभाव किया। उन्होंने बताया कि पूरन कुमार को पूजा स्थलों में प्रवेश से रोका गया, झूठे मामलों में फंसाया गया और लगातार अपमानित किया गया। यहां बताते चलें कि मंगलवार को वाई पूरन कुमार ने अपने घर के बेसमेंट में सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड नोट में उन्होंने 15 वरिष्ठ अधिकारियों के नाम लिखे हैं, जिनमें मुख्य(**शेष पृष्ठ दो पर**)

पृष्ठ एक का शेष...

पीएम मोदी और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की ...

पहला बैच प्रवेश भी ले चुका है। पीएम मोदी ने बताया कि हम दोनों ने मिलिट्री ट्रेनिंग में सहयोग पर समझौता किया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स में ट्रेनर्स के रूप में काम करने वाले है।

भारत-ब्रिटेन के बीच शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में हुए समझौते - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई में ब्रिटेन के अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस मुलाकात के दौरान भारत और ब्रिटेन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए। तकनीक और इनोवेशन सेक्टर में चार प्रमुख समझौते हुए हैं, जिसमें भारत-यूके कनेक्टिविटी और इनोवेशन सेंटर की स्थापना, एआई के लिए भारत-यूके के ज्वाइंट सेंटर की स्थापना, यूके-भारत क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी के फेज-टू की शुरुआत और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में एक नया सैटेलाइट कैंपस बनाना शामिल है। इसके साथ ही, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए क्रिटिकल मिनरल्स इंडस्ट्री गिल्ड की स्थापना पर भी समझौता हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण समझौतों पर सहमति हुई, जिसमें लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी का बेंगलुरु में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट का हस्तांतरण और यूनिवर्सिटी ऑफ सरी का गुजरात की जीआईएफटी सिटी में कैंपस खोलने के लिए मंजूरी शामिल है इतना ही नहीं ट्रेड और निवेश के क्षेत्र में तीन समझौते हुए, इसमें पुनर्गठित भारत-यूके सीईओ फोरम की उद्घाटन बैठक, भारत-यूके संयुक्त आर्थिक व्यापार समिति (जेईटीसीओ) का पुनर्गठन, जो सीईटीए के कार्यान्वयन में सहायता करेगा और दोनों देशों में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा क्लाइमेट टेक्नोलॉजी स्टार्टअप फंड में एक ज्वाइंट निवेश, जो जलवायु प्रौद्योगिकी और एआई जैसे क्षेत्रों में इनोवेटिव एंटरप्रेन्योर्स को समर्थन देने के लिए ब्रिटेन सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच समझौता ज्ञापन के तहत एक रणनीतिक पहल है इसके अलावा, क्लाइमेट, हेल्थ और रिसर्च सेक्टर में भी तीन महत्वपूर्ण पहलें हुईं, जिसमें बायो-मेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम के फेज-थर्ड का शुभारंभ और ऑफशोर विंड टास्कफोर्स की स्थापना शामिल है। इसके अलावा, भारत के आईसीएमआर और ब्रिटेन के एनआईएचआर के बीच हेल्थ रिसर्च पर लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर शामिल हैं।

आतंकवाद पर भारत के रुख का आस्ट्रेलिया ...

करने की प्रतिबद्धता दोहराई। रक्षा सहयोग में उल्लेखनीय विस्तार को भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की गहरी सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक साझा नींव के अनुरूप बताया गया। बढ़ती इंटरऑपरेबिलिटी के प्रमाण के रूप में, केसी-30ए ए मल्टीरोल ट्रांसपोर्ट एवं टैंकर विमान पर लाइव एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग का प्रदर्शन किया गया, जिसमें एफ-35 विमान को रिफ्यूलिंग प्रदान की गई बैठक के दौरान तीन महत्वपूर्ण समझौते किए गए, जिसमें सूचना साझा करने का समझौता, पनडुब्बी खोज एवं बचाव सहयोग पर समझौता और संयुक्त स्टाफ टॉक्स की स्थापना के लिए नियमावली बनाना शामिल है। यह दौरा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सैन्य सहयोग, रणनीतिक विश्वास और बहु-क्षेत्रीय साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आईपीएस आत्महत्या मामले में बड़ा एक्शन संभव, प्रदेश ...

सचिव अनुराग रस्तोगी, डीजीपी शत्रुजीत कपूर, पूर्व मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद, पूर्व एसीएस राजीव अरोड़ा और नौ अन्य आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। नोट में उन्होंने लिखा, कि लगातार जातिगत भेदभाव, सार्वजनिक अपमान और मानसिक यातना से तंग आकर यह कदम उठा रहा हूं। मेरे खिलाफ फर्जी केस दर्ज किए जा रहे हैं और मेरी गरिमा नष्ट करने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, आत्महत्या से एक दिन पहले 6 अक्टूबर को उन्होंने अपनी वसीयत तैयार की थी, जिसमें पूरी संपत्ति पत्नी अमनीत पी. कुमार के नाम की। घटना के समय अमनीत विदेश दौरे पर थीं। यह मामला अब मुख्यमंत्री कार्यालय और गृह विभाग के सीधे संज्ञान में है, और आने वाले 24 घंटों में बड़े प्रशासनिक फेरबदल की संभावना जताई जा रही है।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करें।

कार्यालय: 15-ए, माल रोड़

नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल

मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।

नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

सभी सेवाएं निशुल्क है।

E-mail chardikla.hr@gmail.com

Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।

कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।

मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएमडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मॉर्डन प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया (सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

शिवराज सिंह चौहान ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को बताया...

और उसकी विभाजनकारी नीतियों पर प्रकाश डाला। विकसित भारत - 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, चौधरी ने ज़ोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत वैश्विक दक्षिण और संयुक्त राष्ट्र का एक अटूट साझेदार बना हुआ है, जो पाकिस्तान के दृष्टिकोण के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा, भारत विकसित भारत - 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, पाकिस्तान की विभाजनकारी और दमनकारी नीतियों के बिल्कुल विपरीत, वैश्विक दक्षिण और संयुक्त राष्ट्र का एक विश्वसनीय साझेदार बना रहेगा। एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक दिसंबर 2024 में संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था। लोकसभा ने 12 अगस्त को एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट की अवधि बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस विस्तार से समिति 2025 के शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक अपने निष्कर्ष प्रस्तुत कर सकेगी। यह विधेयक दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किया गया था। विधेयकों को आगे की जाँच के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति के पास भेजा गया था।

जहरीले कफ सिरप मामले में कंपनी मालिक रंगनाथन ...

के लिए 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। उसकी तलाश में मध्य प्रदेश पुलिस की एक विशेष टीम तमिलनाडु में कई डेरा डाली थी और आखिर चेन्नई से उसे दबोचा लिया। श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित इस कफ सिरप को बच्चों के लिए सामान्य सर्दी-खांसी के इलाज के रूप में बेचा जा रहा था, लेकिन इसकी जहरीली संरचना ने मासूम बच्चों की जान ले ली। डायएथिलीन ग्लाइकॉल एक ऐसा रसायन है, जिसका इस्तेमाल औद्योगिक काम में किया जाता है और यह मानव शरीर के लिए बहुत ही हानिकारक है। इस घटना ने न केवल कंपनी की लापरवाही को उजागर किया, बल्कि दवा नियामक प्रणाली में सुधार की तत्काल जरुरत को भी रेखांकित किया है इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने पीड़ित परिवारों को मदद देने और अन्य संभावित खतरों को रोकने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के सभी उत्पादों की तत्काल जांच की जाए और बाजार से इन्हें वापस मंगाया जाए। इस घटना ने जनता में दवा खरीदने से पहले सतर्कता बरतने और केवल प्रमाणित उत्पादों का इस्तेमाल करने की जागरूकता बढ़ाई है। मध्य प्रदेश पुलिस और एसआईटी अब इस मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों और कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस घोटाले की सच्चाई सामने आ सके।

भारत का ध्यान अब किफायती और सुलभ स्वास्थ्य ...

केंद्रीय मंत्री नडडा ने बताया कि समान, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए, देश भर में 1.7 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित हैं। ये केंद्र ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक देखभाल सेवाएं, मुफ्त दवाइयां, जांच (जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, एनीमिया), और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। (ये पहले आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के नाम से जाने जाते थे)। मंत्री ने देश में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और सामर्थ्य को बढ़ाने वाली प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना को दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम बताया गया है। यह 62 करोड़ से अधिक लोगों को कवर करता है। इसमें प्रति व्यक्ति 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जाता है। अब इसमें 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विशेष प्रावधान भी शामिल हैं जन औषधि योजना- इस योजना ने देश के लोगों के लिए दवाइयाँ सस्ती करके उनकी पहुँच को बढ़ाया है। देश ने चिकित्सा बुनियादी ढाँचे में भी महत्वपूर्ण निवेश किया है। नड्डा ने यह भी स्वीकार किया कि अपर्याप्त व्यय देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक है। भारत अपनी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को किस दिशा में ले जा रहा है, जिसमें पहुँच, सामर्थ्य और रोग-मुक्त जीवन पर अधिक ज़ोर दिया जा रहा है।

बिहार में मोदी की 10, राजनाथ, अमित शाह की 25-25 और ...

अध्यक्ष जे.पी. नड्डा भी 25-25 चुनावी सभाओं को संबोधित करने वाले है। जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीमांचल क्षेत्र में 10 रैलियां करने वाले है। वहीं, जदयू की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अक्टूबर के बाद प्रतिदिन चार रैलियां करने और प्रधानमंत्री मोदी की जनसभाओं में उनके साथ मंच साझा करने वाले है।

मतदाता शुद्धिकरण अभियान में त्रुटियों को लेकर कांग्रेस ...

पूछा है कि भारत सरकार के अनुसार बिहार की कुल वयस्क आबादी का अनुमान क्या है। यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सही आबादी के आधार पर ही मतदाता सूची बनाती है। उन्होंने जानना चाहा कि बिहार के वयस्कों के कितने प्रतिशत हिस्से को चुनावी मतदाता सूची में शामिल किया गया है। क्या यह आंकड़ा 90.7 प्रतिशत के करीब है? कांग्रेस नेता ने पूछा है कि बिहार की वयस्क जनसंख्या का 9.3 प्रतिशत हिस्सा जो चुनावी सूची में नहीं है, उसके पीछे क्या कारण है? क्या ये लोग वोट देने से वंचित रह जाएंगे? चिदंबरम ने पूछा कि क्या मतदाता सूची में करीब 24,000 इसतरह के नाम हैं जो समझ में नहीं आते या गड़बड़ हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या चुनावी सूची में 200,000 से अधिक घर के नंबर या पते गलत या खाली हैं?उन्होंने सवाल किया कि क्या मतदाता सूची में करीब 520,000 नाम डुप्लीकेट यानी दोहराए गए हैं?कांग्रेस नेता चिदंबरम ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए इन सवालों का जवाब देगा?

कांग्रेस का पीएम पर पलटवार-मुम्बई हमले के दौरान ...

आतंकवादी गुजरात के तट से ही अंदर आए थे...तब मुख्यमंत्री कौन था? आप यानी (पीएम नरेंद्र मोदी) थे। कई जवानों ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी, लेकिन 10 आतंकवादियों में से नौ मारे गए और एक को फांसी पर लटका दिया गया, लेकिन जब पहलगाम हमला हुआ, तो क्या किसी ने उन्हें रोका। हमने अपने सीएम को हटा दिया और गृह मंत्री को बदल दिया, लेकिन क्या आपने पहलगाम हमले के बाद अपना गृह मंत्री बदला। वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी ने बुधवार को यूपीए सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है और आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की गई।

आधुनिक खेल स्टेडियम युवाओं को नशे से दूर रखने में अहम भूमिका निभाएंगे-सीएम मान

केजरीवाल एवं मुख्यमंत्री मान ने 3100 से अधिक आधुनिक स्टेडियमों के निर्माण प्रोजेक्ट की शुरुआत की

कालझरानी (बठिंडा), 9 अक्तूबर (निस)राज्य में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित कर नशों के खिलाफ जंग को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज 1194 करोड़ रुपये की लागत से राज्यभर में 3100 से अधिक अत्याधुनिक स्टेडियमों के निर्माण की विशाल योजना की शुरुआत की। भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य के युवाओं की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए यह परियोजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के लिए पंजाब में 3100 से अधिक नए खेल मैदानों की स्थापना का काम आज शुरू हो रहा है। उन्होंने बताया कि ये खेल मैदान युद्ध नशों विरुद्ध और रंगला पंजाब अभियानों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेंगे।केजरीवाल ने कहा कि ये स्टेडियम युवाओं को नशे की बुराई से दूर रखने के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने के उनके सपनों को साकार करने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि ये मैदान उभरते खिलाड़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। इस परियोजना पर 1184 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पहले चरण में बड़े गाँवों को प्राथमिकता दी गई है, जहाँ अर्ध एकड़ से लेकर चार एकड़ तक के क्षेत्र में स्टेडियम बनाए जाएंगे।उन्होंने कहा कि प्रत्येक खेल मैदान को विभिन्न खेलों की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया जाएगा, जहाँ वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट और अन्य पारंपरिक खेलों की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। बुजुर्गों के लिए भी मनोरंजन और व्यायाम की सुविधाएँ होंगी ताकि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा बन सकें। ये मैदान न केवल खेल आयोजनों की मेज़बानी करेंगे, बल्कि ग्रामीण एकता और सामुदायिक सहयोग के प्रतीक बनेंगे।श्री केजरीवाल ने कहा कि जैसे शिक्षा के लिए अच्छा स्कूल जरूरी है, वैसे ही किसी बच्चे को अपने गाँव, राज्य और देश का नाम रोशन करने के लिए एक उपयुक्त खेल मैदान की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार शिक्षा और खेल दोनों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ देने में सफल रहा है।

फसल अवशेष जलाने वाले किसानों पर होगी कड़ी प्रशासनिक कार्यवाही : अभिनव सिवाच

पर्यावरण को बचाना है सबकी जिम्मेवारी, सरकार की स्कीमों का फसल अवशेषों के संरक्षण से उठाएं लाभ

पिहोवा, 9 अक्तूबर (विवेक) : उपमंडल अधिकारी नागरिक अभिनव सिवाच आईएएस ने कहा कि खेतों में पड़े अवशेष/पराली न जले इसके लिए प्रशासन द्वारा टीमें गठित करके पूरी निगरानी रखी जा रही है। खेतों में आगजनी घटनाओं के तहत जिन किसानों ने फसल अवशेषों को जलाया है, उन्हें जुर्माना भरना पड़ रहा है। वे वीरवार को बीडीपीओ कार्यालय के मीटिंग हॉल में सभी गांवों के सरपंचों, ग्राम सचिवों, नम्बरदारों, चौकीदारों व विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ उपनिदेशक कृषि विभाग कुरुक्षेत्र डा. कर्मचंद भी उपस्थित थे। एसडीएम अभिनव सिवाच ने कहा कि खेतों में अवशेष न जले इसके लिए शुरू से ही विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों व आमजन को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इस जागरूकता के कारण अब तक पराली जलाने का केवल एक ही केस सामने आया है। इस केस में सुप्रीम कोर्ट की हिदायत अनुसार प्रदेश सरकार द्वारा जो कानून बनाए गए हैं, के तहत दोषी पर कार्यवाही की गई है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर आगामी दो साल तक यह किसान सरकारी स्कीमों का फायदा नहीं उठा पाएगा। इसके अतिरिक्त वह अपनी फसल इस पोर्टल के माध्यम से नहीं बेच पाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिव, पटवारी, पुलिस विभाग तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की क्षेत्रवार ड्यूटी लगाई गई है। आगजनी की घटनाओं की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर जाकर कार्रवाई की जा रही है। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन का मकसद किसानों के चालान काटना नहीं है अपितु खेतों में पड़े अवशेषों का कृषि यंत्रों के माध्यम से उनका निस्तारण करना है। सेटेलाइट के माध्यम से भी आगजनी की घटनाओं पर पैनी नजर रखी जा रही है। खेतों में अवशेष जलने की घटनाओं को रोका जाए, इसके लिए प्रशासन द्वारा कई कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई किसान फसल अवशेषों में आग लगाता पाया गया तो उसकी एफआईआर दर्ज की जाए तथा उसे जुर्माना लगाने के साथ-साथ मेरी फसल मेरा ब्यौरा स्कीम के तहत मिलने वाले सभी लाभों से वंचित रखा जाएगा। ऐसे किसानों का नाम फार्मज् रिकार्ड में रेड एंट्री मार्क दर्ज कर दिया जाएगा तथा वे अगले दो सीजन तक अपनी फसल मंडियों में नहीं बेच पाएंगे। उन्होंने कहा कि खेतों में अवशेष जलते वह हम सबके लिए हानिकारक है इससे मानव जीवन के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति भी कमजोर हो जाती है। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन पर नियुक्त किए गए अधिकारियों को आगजनी के मामलों पर तुरंत कार्यवाही करने के सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं ताकि पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सके। इस मौके पर एसडीएम ने बैठक में आए हुए लोगों से किसानों को फसल बेचने तथा अन्य फसल सम्बंधी समस्याओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि वे हर समय किसानों की हर समस्या को सुनने और उन्हें हल करने के लिए तैयार हैं। कोई भी किसान अपनी समस्या बेझिझक प्रशासन तक पंहुचा सकता है। इसके अतिरिक्त एसडीएम ने गांवों के सरपंचों व अन्य मोजिज व्यक्तियों से गांव की पंचायती जमीन पर कोई कब्जा न हो, इसके बारे में भी विस्तृत चर्चा की तथा जानकारी ली। बैठक में कृषि उपनिदेशक डा. कर्मचंद ने कहा कि किसानों की भूमि की उपजाऊ शक्ति नष्ट न हो, मित्र कीटों को नुकसान न पंहुचे, राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके तथा भविष्य में बच्चों व आमजन के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव न पंहुचे इसके लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ आमजन को भी सहयोग देने का आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पराली प्रबंधन हेतु पर्याप्त मशीनरी उपलब्ध है। पराली प्रबंधन की योजना इन-सीटू व एक्स-सीटू फसल प्रबंधन 1200 रूपये प्रति एकड़ प्राप्त करने के लिए किसान पोर्टल पर पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अनुरोध करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करवाकर योजना का लाभ लें तथा आगजनी की घटनाओं पर पूर्ण विराम लगाएं। पराली को इन-सीटू मैनेजमेंट के माध्यम से खेतों में मिलाएं और अपनी भूमि की उपजाउ शक्ति को बढ़ाएं। इसके साथ-साथ पराली में गांठे बनाकर विभिन्न फैक्ट्रियों को बेचकर मुनाफा कमाएं। बैठक में बीडीपीओ भजन लाल शर्मा, उपमंडल कृषि अधिकारी मनीष वत्स, खंड कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व के हर बाजार में तरावड़ी के बासमती चावल की अलग पहचान : मुनीष गुप्ता

बोले : अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक ब्रांड वैल्यू बन चुका है करनाल जिले का तरावड़ी

तरावड़ी, 9 अक्तूबर (छाया शर्मा) : आर.एल. फूड्स तरावड़ी के डायरेक्टर मुनीष गुप्ता ने कहा कि तरावड़ी की भूमि न केवल कृषि उत्पादन में समृद्ध है, बल्कि यहां की राइस मिलें आज देश-विदेश में गुणवत्ता का प्रतीक बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि तरावड़ी शहर के राइस उद्योग ने अपनी मेहनत, तकनीकी सुधार और गुणवत्ता के प्रति समर्पण के बल पर चावल निर्यात के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की है। मुनीष गुप्ता ने कहा कि तरावड़ी की राइस मिलों में उन्नत मशीनरी, आधुनिक प्रसंस्करण तकनीक और गुणवत्ता जांच की सख्त प्रणाली अपनाई जा रही है, जिससे यहां तैयार होने वाला चावल न केवल स्वाद में बेहतरीन होता है बल्कि अपने सुगंध और लंबे दाने के लिए भी मशहूर है। यही कारण है कि आज तरावड़ी का चावल मध्य पूर्व, यूरोप, अमेरिका और एशिया के कई देशों में पसंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तरावड़ी का नाम अब केवल हरियाणा या भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक ब्रांड वैल्यू बन चुका है। शहर के उद्यमियों और किसानों ने मिलकर यह साबित कर दिया है कि अगर गुणवत्ता, मेहनत और ईमानदारी को प्राथमिकता दी जाए, तो छोटी सी जगह भी दुनिया के मानचित्र पर बड़ा नाम कमा सकती है। मुनीष गुप्ता ने कहा कि आने वाले समय में राइस उद्योग को और आधुनिक बनाने, किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में प्रयास तेज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को भी चाहिए कि राइस उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए बिजली, निर्यात प्रक्रिया और परिवहन क्षेत्र में रियायतें प्रदान करे, ताकि यह उद्योग और तेजी से आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि तरावड़ी की नई पीढ़ी को चाहिए कि वह अपने क्षेत्र की इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाए और आधुनिक तकनीक का उपयोग कर इस उद्योग में नई ऊंचाइयां हासिल करें। अंत में मुनीष गुप्ता ने कहा कि तरावड़ी का हर किसान और राइस मिल मालिक आज देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि तरावड़ी का नाम विश्व के हर बाजार में गूंज रहा है।

लोग जितना अधिक अपनी संसद से जुड़ेंगे, लोकतन्त्र उतना ही अधिक ...

से ई-संसद तक की भारतीय संसद की यात्रा, अपनी पहुँच, कार्यप्रणाली और जन आकांक्षाओं के प्रति जवाबदेही की दृष्टि से अभूतपूर्व रही है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह बदलाव लोकतांत्रिक शासन में एक बड़ी प्रगति का प्रतीक है, जो विधायी प्रक्रियाओं को मज़बूत करने और नागरिकों की अधिकाधिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की क्षमता का प्रभावी उपयोग करता है। श्री बिरला ने भारत की संसद में कार्यान्वित किए गए विभिन्न डिजिटल नवाचारों का उल्लेख किया और कहा कि डिजिटल संसद पहल के तहत, भारत की संसद ने एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम विकसित किया है जो सांसदों, मंत्रालयों और नागरिकों को एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से जोड़ता है। श्री ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने डिजिटल क्षेत्र में विश्वस्तरीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने आगे कहा कि 1.4 बिलियन नागरिकों के लिए किफ़ायती और सुलभ डिजिटल पब्लिक इंफ़्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है, जिससे शासन प्रणाली और अर्थव्यवस्था दोनों का कायाकल्प हुआ है। भारत के एआई मिशन—एआई फॉर ऑल और एआई फॉर गुड—के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। उन्होंने एआई को मात्र तकनीकी प्रगति ही नहीं समझा, बल्कि नागरिक सशक्तिकरण और पारदर्शी शासन के प्रभावी साधन के रूप में देखा है। भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में तेज़ी से हो रहे विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश में 5जी का तेजी से विस्तार हो रहा है और 5जी के क्षेत्र में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाज़ार बन गया है। साथ ही, 6जी के विकास के लिए भी सक्रिय रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में डिजिटल भुगतान क्रांति के बारे में बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) ने डिजिटल भुगतान को एक जन आंदोलन बना दिया है। इसके अतिरिक्त, सरकार दस लाख नागरिकों को एआई संबंधी नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर एआई के संबंध में जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इन पहलों ने डिजिटल कनेक्टिविटी को किफायती, समावेशी और जन-केंद्रित बना दिया है।

एक साल बीत गया, लेकिन विधायक के चुनावी वादे अब भी अधूरे!

आधुनिक अस्पताल के सपने, अधजली रोटी की तरह-आधे-अधूरे, अधूरेपन में झुलसती जनता अब जनता मांग रही है कड़ा जवाब कदम, विधायक को दिखाना होगा ज़मीनी दम!

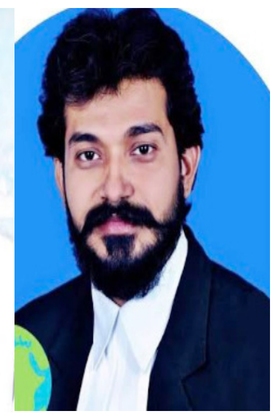

रायपुररानी, 9 अक्तूबर (देवेन्द्र सिंह) : रायपुररानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति में पिछले एक साल में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। चुनावी भाषणों में किए गए वादे अब जनता को छलावा महसूस हो रहे हैं। भाजपा विधायक शक्ति रानी शर्मा ने चुनावी प्रचार के दौरान वादा किया था कि क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र को आधुनिक सुविधाओं से लैस करेंगे, ब्लड बैंक स्थापित करेंगे, अस्पताल का आधुनिकीकरण करेंगे और पीजीआई सेटेलाइट सेंटर व आपातकालीन चिकित्सा केंद्र लाएंगे। लेकिन एक साल बाद भी इन वादों को पूरा होते देखना दूर की कौड़ी लग रहा है।

बिना डॉक्टर, बिना जांच... मरीजों की बेबसी की कहानी पर सवाल - रायपुररानी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आज भी चाइल्ड स्पेशलिस्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ, एनेस्थीसिया डॉक्टर और ब्लड बैंक जैसी जरूरी सेवाओं से महरूम है। मरीजों को गंभीर बीमारियों या दुर्घटना के बाद इलाज के लिए पास के बड़े शहरों जैसे पंचकूला, चंडीगढ़ या यमुनानगर जाना पड़ता है, जो आर्थिक और समय दोनों की दृष्टि से भारी बोझ है। जबकि स्थानीय अस्पताल में ब्लड बैंक न होने के कारण आपातकालीन रक्त की उपलब्धता हमेशा संदिग्ध रहती है। ब्लड स्टोर यूनिट की हालत भी दयनीय है, जो कई बार तकनीकी समस्याओं या स्टाफ की कमी के कारण बंद रहती है। साथ ही, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई और अन्य आवश्यक जांच सुविधाएं यहां उपलब्ध नहीं हैं, जिससे मरीजों को जांच के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख करना पड़ता है।

वादों की बातें बहुत हुईं, अब जनता मांग रही है हिसाब - स्थानीय ग्रामीण और मरीज अस्पताल की बदहाल स्थिति को लेकर न केवल दुखी हैं बल्कि गुस्से से भी भर चुके हैं। उनका मानना है कि चुनाव के समय विधायक ने जो वादे किए थे, वे सब सिर्फ लोगों को बहलाने के लिए थे। नाम न बताने की शर्त पर एक महिला ने रोते हुए कहा कि हमने तो बड़े-बड़े सपने देखे थे, लेकिन अब तो रोज़मर्रा की छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याएं भी हल नहीं हो रही। विधायक सिर्फ हमारी बात सुनते हैं, पर कोई कदम नहीं उठाते। दूसरी ओर, एक बुजुर्ग ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद यहां इलाज के लिए आए थे, डॉक्टर नहीं मिले, मजबूरन पंचकूला जाना पड़ा। हमारा क्या? हमारी जान की कीमत क्या है। फिलहाल, अब यह गुस्सा स्थानीय स्तर पर सोशल मीडिया और पंचायतों में भी जाहिर हो रहा है, जहां लोग विधायक के प्रति अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर कर रहे हैं। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के मुफ्त इलाज के दावे मरीजों को कोई राहत नहीं दे पा रहे। अस्पताल में दवाओं की कमी आम बात हो गई है। स्टाफ की कमी और लापरवाही के कारण जरूरी सेवाएं ठीक से उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं।

अस्पताल बना नाम का अस्पताल, न डॉक्टर, न मशीनें, न समाधान - डॉक्टरों की अनुपस्थिति, विशेष रूप से चाइल्ड स्पेशलिस्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ और एनेस्थीसिया डॉक्टर की कमी, उपकरणों की खराबी और प्रशासनिक अनदेखी ने इस अस्पताल को सिर्फ नाम का अस्पताल बना दिया है। सर्जिकल प्रक्रियाओं के लिए एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की अनुपस्थिति से कई बार ऑपरेशन टलने पड़ते हैं, जिससे मरीजों को और परेशानी होती है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी भी इस स्थिति से भली-भांति वाकिफ हैं, लेकिन सुधार के लिए ठोस कदम उठाने में विफल रहे हैं।

जनता की सीधी मांग -आखिर कब मिलेगा इलाज का हक - एक साल पूरा होने के बाद भी जब सवाल उठता है कि विधायक कब अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे, तो जवाब नहीं मिलता। जनता चाहती है कि न केवल भाषणों और आश्वासनों के माध्यम से, बल्कि व्यावहारिक कदमों से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार दिखाया जाए। फिलहाल, गांव-कस्बे के लोग अब केवल भरोसे से थक चुके हैं। उनकी मांग है कि विधायक और जिला प्रशासन मिलकर जल्द से जल्द अस्पताल के आधुनिकीकरण और आवश्यक सुविधाओं को पूरा करें, ताकि गरीब और जरूरतमंद लोगों को सही इलाज मिल सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हड्डी रोग विशेषज्ञ, चाइल्ड रोग विशेषज्ञ और बेहोशी देने वाले डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं हैं। हमने कई बार इन डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग की है, लेकिन अभी तक सीएचसी में कोई डॉक्टर नियुक्त नहीं हुआ है। इसके अलावा, अस्पताल में अल्ट्रासाउंड और अन्य आवश्यक मशीनों की व्यवस्था भी नहीं है, क्योंकि यह सुविधा सीएचसी के मानक में शामिल नहीं है।— डॉ. संजीव गोयल, प्रवर चिकित्सा अधिकारी रायपुररानी

जनता को अब केवल वादों की नहीं, बल्कि कार्यों की जरूरत है। मैं विधायक से अपील करता हूं कि वे तुरंत अस्पताल की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएं, नहीं तो जनता कड़ी कार्रवाई की मांग करेगी। — प्रदीप चौधरी, पूर्व कांग्रेस विधायक

चुनाव के समय विधायक ने बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज अस्पताल में न तो विशेषज्ञ डॉक्टर हैं, न ब्लड बैंक और न ही जरूरी जांच की सुविधाएं। गरीब मरीजों को इलाज के लिए पंचकूला, चंडीगढ़ या यमुनानगर जैसे दूर-दराज के शहरों का रुख करना पड़ता है, जो उनके लिए आर्थिक और शारीरिक दोनों रूप से भारी बोझ है। — अशवनी नागरा, एडवोकेट रायपुररानी

महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए दूर-दराज के अस्पताल जाना पड़ता है, बच्चे सही इलाज के लिए तरसते हैं और डॉक्टरों की गैरहाजिरी हर रोज़ मौत के घाट ले जा रही है। विधायक के झूठे वादे अब और नहीं चलेगा। ये सिर्फ दिखावा है, जनता को चाहिए काम, वरना हम आवाज़ बुलंद करेंगे।— एडवोकेट बलबीर सैनी, प्रत्याशी जननायक जनता पार्टी

भारतीय जनता पार्टी केवल हवा में बातें नहीं करती, बल्कि ज़मीनी स्तर पर विकास कार्य करती है। विधायक शक्ति रानी शर्मा अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। रायपुररानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आधुनिकीकरण भी शीघ्र ही किया जाएगा। — रोहित सैनी, मंडल अध्यक्ष भाजपा रायपुररानी

पंचकूला में मिग-21 विमान को स्थायी प्रदर्शनी के रूप में स्थापित करने की मांग

अधिवक्ताओं ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से की अपील

रायपुररानी, 9 अक्तूबर (देवेन्द्र सिंह) : एडवोकेट मनीष कुमार और

एडवोकेट सिद्धार्थ सिंह राणा ने उपायुक्त पंचकूला के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आग्रह किया गया है कि हाल ही में रिटायर्ड हुए मिग-21 लड़ाकू विमान को पंचकूला जिले में स्थायी प्रदर्शनी के रूप में स्थापित किया जाए। अधिवक्ताओं ने बताया कि पंचकूला का भारतीय थल सेना, वायुसेना और नौसेना से गहरा नाता रहा है। इस क्षेत्र के वीर सपूत कैप्टन विक्रम बत्रा परमवीर चक्र, मेजर संदीप सांखला, मेजर अनुज राजपूत, राजपाल राणा और ओमप्रकाश ने राष्ट्र की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। जानकारी देते हुए मनीष कुमार और सिद्धार्थ सिंह राणा ने कहा कि मिग-21 भारतीय वायुसेना के गौरव और वीरता का प्रतीक रहा है। इसे पंचकूला में प्रदर्शित किया जाना युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत होगा और क्षेत्र के शहीद सैनिकों की स्मृति का सम्मान करेगा। उन्होंने कहा कि यदि पंचकूला में मिग-21 विमान का सार्वजनिक डिस्प्ले लगाया जाता है, तो यह न केवल एक ऐतिहासिक धरोहर बनेगा, बल्कि पर्यटकों और विद्यार्थियों के लिए सैन्य इतिहास और राष्ट्र गौरव का प्रतीक स्थल सिद्ध होगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान अधिवक्ता अभिषेक शर्मा, स्नेहल ढांडा, अंकित धनकड़ और रोहित धनकड़ भी उपस्थित थे।

रायपुररानी में अग्रसेन जयंती पर वरिष्ठ वैश्य बन्धु सम्मान समारोह 11 अक्टूबर को

रायपुररानी, 9 अक्तूबर (देवेन्द्र सिंह) : अग्रवाल सभा रायपुररानी द्वारा 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर वरिष्ठ वैश्य बन्धु सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7 बजे श्यामली वाटिका रायपुररानी में दीप प्रज्वलन के साथ होगी, जिसके बाद 7:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही समाज के बच्चों और स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँगी। रात्रि भोज का आयोजन रात 8:30 बजे से किया जाएगा। जानकारी देते हुए सभा के प्रधान राज अग्रवाल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में सामूहिक एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों का प्रसार करना है। उन्होंने बताया कि आयोजन की तैयारियाँ जोरों पर हैं और समाज के सभी वर्ग इसमें उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। आयोजन को सफल बनाने में श्याम लाल मंगल, कुलदीप अग्रवाल, अनिल केमिस्ट, जयपाल गुप्ता, राकेश टीनू, अमित गर्ग सोनू, विवेक गोयल और पारुल सहित कई समाजसेवी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राज अग्रवाल ने समाज के सभी सदस्यों से सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन समाज की एकता और गौरव का प्रतीक बनेगा।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बैकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक के ऋण दिलवाने की योजना लागू

- जिला पंचकूला के लिये 40 केसों का रखा गया लक्ष्य

पंचकूला, 9 अक्तूबर (सतीश मंगला) : हरियाणा सरकार द्वारा मातृशक्ति उद्यमिता योजना, महिला विकास निगम के माध्यम से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए बैकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक के ऋण दिलवाने की योजना लागू की गई है। जिला पंचकूला के लिये 40 केसों का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में जानकारी देत हुए उपायुक्त सतपाल शर्मा ने बताया कि स्कीम के अन्तर्गत महिलाएँ जिनकी परिवारिक वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है , हरियाणा की महिला उद्यमी है तथा ऋण के लिए आवेदन के समय आयु 18 से 60 वर्ष के बीच है, इस स्कीम की पात्र होगी। आवेदक पहले से लिए गए ऋण डिफाल्टर नही होना चाहिए। योजना के तहत समय पर किश्त का भुगतान करने पर 3 वर्षो तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा दी जायेगी। उन्होंने बताया की योजना के तहत डेयरिंग, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां शामिल हैं। इन गतिविधियों में यातायात वाहन के तहत ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढोने के वाहन, थ्री -व्हीलर, ई0रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैल्यून, ब्यूटी पार्लर , टेलरिंग , बुटिक , फोटो कॉपी की दुकान, पापड़ बनाना , आचार बनाना , हलवाई की दुकान फूड स्टॉल, आईसक्रीम बनाने की युनिट , बिस्कुट बनाना, हैण्डलूम , बैग बनाना , कैटींन सर्विस इत्यादी का अपना काम शुरू कर सकती है। उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगें इन दस्तावेजों मे आवेदन पत्र राशन कार्ड/परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिर्पोट, ट्रेनिंग सर्टिफिकेट/अनुभव प्रमाण पत्र शामिल है।

करवा चौथ व्रत के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

अंबाला, 9 अक्तूबर (रवि पाहुजा) : जी.एम.एन. कॉलेज, अंबाला कैंट के वूमेन सेल की ओर से करवा चौथ व्रत के शुभ अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भारतीय परंपराओं और लोक संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा छात्राओं में सृजनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं और उनमें रचनात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक एवं गतिविधि समन्वयक डॉ. रवनीत कौर ने महाविद्यालय में मेहंदी गतिविधि का सफल आयोजन

किया। उन्होंने छात्राओं और स्टाफ सदस्यों को उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा करवा चौथ पर्व के सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. रवनीत कौर ने बताया कि मेहंदी न केवल सुन्दरता का प्रतीक है बल्कि यह सौभाग्य, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रतीक मानी जाती है। इस अवसर पर सभी ने उल्लासपूर्वक भाग लेकर भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में कॉलेज की विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने करवा चौथ से संबंधित पारंपरिक एवं आधुनिक डिज़ाइन प्रस्तुत किए। मेहंदी की सुंदर डिज़ाइनों में भारतीय संस्कृति की झलक साफ दिखाई दी। निर्णायक मंडल डॉ उपेंद्र कौर द्वारा मौलिकता, स्वच्छता, सृजनात्मकता और प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी.बी.ए की दिव्या, द्वितीय स्थान पर बीसीए की निहारिका एवं तृतीय स्थान पर एमए की कीर्ति, सांत्वना पुरस्कार रिद्धि को दिया गया। अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वूमेन सेल की संयोजिका डॉ रवनीत द्वारा किया गया तथा सभी सदस्यों डॉ डॉ नीना, मैडम यशस्वी एवं राजिंद्र मीरवाल सर ने मिलकर आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ और छात्राओं ने भी करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं।

महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर के छात्रों ने किया राज्य स्तरीय कानून प्रदर्शनी का भ्रमण

बाबैन, 9 अक्तूबर (राजेश कुमार): महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर, बहलोलपुर के विद्यार्थियों ने आज कुरुक्षेत्र के मेला ग्राउंड में आयोजित 3 नये कानूनों की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता और सामाजिक समझ बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। संस्थान से राज्य स्तरीय कानून प्रदर्शनी के लिए छात्रों को रवाना करते हुए कृष्मन सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर, सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर स्थापित एक अग्रणी प्रशिक्षण केंद्र है, जिसका उद्देश्य युवाओं को आधुनिक कौशलों के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी बोध कराना है। सांसद जिन्दल का मानना है कि युवाओं को केवल तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि समाज, शासन और कानून व्यवस्था की भी गहरी समझ होनी चाहिए, ताकि वे एक जागरूक नागरिक बन सकें। उन्होंने बताया कि मेला ग्राउंड में लगी यह कानून प्रदर्शनी 3 नये आपराधिक कानूनों से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियों को रोचक ढंग से प्रस्तुत करती है। इस प्रदर्शनी में घटना स्थल, कंट्रोल रूम, आनलाइन रिपोर्ट , पोस्टमार्टम और अदालत में होने वाली प्रक्रिया को छात्रों ने नाटकीय रूप में समझा। कानून प्रदर्शनी के भ्रमण के अंत में छात्रों ने इसे एक प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया और इस भ्रमण के लिए सांसद नवीन जिन्दल व संस्थान प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

ड्रोन पायलेट ट्रेनिंग के लिए अनुसूचित जाति के सदस्य 15 अक्टूबर तक करें आवेदन

पानीपत, 9 अक्टूबर (हरप्रीत छत्तवाल)हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम पानीपत द्वारा अनुसूचित जाति के महिला एवं पुरुष को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन पॉयलेट ट्रेनिंग दी जाएगी।डीसी डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि ड्रोन पायलेट ट्रेनिंग के लिए पात्रता आयु 18 से 45 वर्ष, परिवार पहचान पत्र में सालाना आय 3 लाख रूपए व शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ड्रोन पायलेट ट्रेनिंग के लिए 15 अक्टूबर, 2025 तक अपने दस्तावेज आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, 10वीं की मार्कशीट व दो पासपोर्ट साईज फोटो लेकर हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम पानीपत के कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

पंचकूला के व्यापारी और प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में लेंगे हिस्सा : अजय मित्तल

पंचकूला, 9 अक्तूबर (सतीश मंगला): भाजपा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाये जा रहे आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत पंचकूला में आगामी रविवार को जीएसटी बचत महोत्सव एवं आत्मनिर्भर भारत सम्मलेन का आयोजन किया जायेगा। विधानसभा स्तर पर आयोजित

होने वाले कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। भाजपा जिला मुख्यालय पंचकमल में व्यवस्था को लेकर विधानसभा अनुसार बैठकों का आयोजन किया गया जिसमे जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, कालका विधायिका शक्ति रानी शर्मा, नगर महापौर कुलभूषण गोयल, जिला महामंत्री जय कौशिक, अभियान के संयोजक भवनजीत सिंह, सहसंयोजक के. चन्दन, जिला उपाध्यक्ष सुरेश वर्मा, तेजिंदर गुप्ता टोनी, पंचकूला व्यापारी मंडल एवं कमेटी के प्रधान, चेयरमैन, पार्षद, मंडलो के अध्यक्ष, महामंत्री, प्रकोष्ठो के संयोजक, जिला एवं मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने बताया, पंचकूला जिले की दोनों विधानसभाओ में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जिले के सभी प्रतिष्ठित व्यापारियों, प्रबुद्धजनो को निमंत्रण भेजे जा रहे है। अजय मित्तल ने बताया, 12 अक्टूबर, रविवार को सुबह 10 बजे, पंचकूला सेक्टर 1 स्थित पीडब्लूडी विश्राम गृह के सभागार में पंचकूला विधानसभा की और दोपहर 2 बजे पिंजौर में कालका विधानसभा की संगोष्ठी का आयोजन होगा। इस अवसर पर कालका विधायिका शक्ति रानी शर्मा ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से विधानसभा स्तरीय आयोजनों को बड़े पैमाने पर सफल बनाने के लिए व्यवस्था कार्य में जुट जाने की बात कही। जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने जिले के सभी व्यापारियों, प्रबुद्धजनो से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की।

शहर में स्वच्छता कार्यो के लिए एक सप्ताह में टेंडर के माध्यम से की जाएगी 100 सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति : सुभाष सुधा

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार): हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि शहर को और ज्यादा स्वच्छ बनाने के लिए 100 सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति एक सप्ताह में टेंडर के माध्यम से की जाएगी, ताकि हमारा शहर और साफ-स्वच्छ और सुंदर हरा-भरा दिखाई दे। कुरुक्षेत्र सीएम सिटी व पर्यटन स्थली होने के कारण यहां आए दिन वीवीआईपी व अन्य गणमान्य लोगों का तो आना जाना लगा ही रहता है साथ ही में प्रतिदिन हजारों की संख्या में पर्यटक भी पहुंचते हैं। ऐसे में सबसे पहले उनकी नजर साफ-सफाई पर ही जाती है। यदि शहर साफ होगा तो एक साफ छवि अपने आप ही बन जाती है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा वीरवार को नगर परिषद थानेसर कार्यालय में अधिकारियों व पार्षदों के साथ शहर के विकास कार्यों व स्वच्छता को लेकर आयोजित बैठक में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंनें कहा कि हालांकि सफाई मित्र लगातार पूरी ईमानदारी और लगन के साथ अपना काम कर रहे हैं, लेकिन एरिया और जनसंख्या बढने और कर्मचारियों की कमी से उनपर भी काम का ज्यादा दवाब रहता है। इसी समस्या को देखते हुए और आने वाले दिनों में त्यौहारी सीजन व गीता जयंती के चलते अब 100 सफाई कर्मचारी ओर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि साथ ही कूडा उठान करने के लिए ट्रैक्टर-ट्राली व जेसीबी सहित अन्य सफाई उपकरणों की भी व्यवस्था की जाएगी। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि त्योहारी सीजन पर शहर को और अच्छा लुक देने के लिए शहर में लाइटिंग, रंग-बिरंगी लड़ीयां भी लगाई जाएगी, जिससे शहर की सुंदरता में चार चांद लग जाएंगे। शहर में जितने भी चौक-चौराहे हैं उन सभी को अब महाभारत की थीम पर सजाया जाएगा, ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को यह एहसास हो कि हम गीता की भूमि पर आए हैं। इसके साथ ही शहर की सडकों की रिपेयरिंग व कई नई सडके भी बनाई जाएगी। जिला नगर आयुक्त अमन कुमार ने पार्षदों से उनकी समस्याएं भी पूछी और उन्हें जल्द खत्म करने के लिए अधिकारियों को आदेश दिए। जिला नगर आयुक्त ने कहा कि जल्द नगर परिषद कार्यालय के कांफ्रेंस रूम में माइक, एलईडी स्क्रीन , प्रोजेक्टर व अन्य सुविधाएं दी जाएगी। इस अवसर पर कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार, एक्सईएन रवि ओबराये, एओ मनोज चहल, चेयरपर्सन के प्रतिनिधि के रूप मे पहुंचे मलकीत ढांडा, सचिव अरविंद कुमार, एमई मंगूराम, एमई जयपाल, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, के अलावा पार्षद मोहनलाल अरोडा, दुष्यंत बख्शी, गौरव भट, कमल किशोर, प्रेमनारायण अवस्थी, सतीश गर्ग, पंकज खन्ना, मनिंद्र छिंदा, धनराज, चेतन, कवि बजाज, सुधीर चुघ, मानक सिंह, विश्वकांत, सौरभ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बेदखली सूचना

मैं रघबीर सिंह पुत्र श्री राम निवासी गांव रायपुर रोडान तहसील नीलोखेड़ी जिला करनाल सूचित करता हूं कि मेरा लड़का जसबीर जुलाई 2022 से विदेश में रह रहा है। इनके पास दो बच्चे है जोकि हमारे पास रह रहे है। लेकिन मेरी पुत्रवधु अल्का रानी पत्नी जसबीर पुत्री बनारसी दास हमारे पास नहीं रह रही है लेकिन इनके बच्चे हमारे पास है। यह है कि अल्का रानी पत्नी जसबीर जोकि मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिए मैं इसे अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। -**शपथकर्ता**

सम्पादकीय

जब दवा बन गयी जहर, आरोपियों को फांसी की सजा हो

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपने जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफ सिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई। दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमज़ोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकॉल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई। इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निर्माता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है। इसके साथ ही चिकित्सा जगत और समाज को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। डॉक्टरों को यह समझना होगा कि शिशुओं को ओटीसी- ऑवर दी कॉउन्टर दवाएं देना कितना खतरनाक हो सकता है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में नींव से खिसकते अनेक राजनीतिक दल

- कांतिलाल मांडोत

राजनीतिक दल चुनाव लड़ने के लिए बनाए जाते जाते हैं। उसका आधार एक विचार होता है। उसके लिए संगठ बनता है। जो लोगों को उस विचार के लिए प्रेरित करता है। यही नियम है। इसे उत्तर प्रदेश के चुनाव मेंभी ध्वस्त होते देखा गया था।हर दल अपनी नींव से खिसक गए हैं। मानो उसमें भूकंप आ गया हो। इसे हर पल में घट रही घटनाओं के उदाहरण से समझा जा सकता है।पहले उस दल को देखना उचित ही होगा जो उत्तर प्रदेश में पांच साल से शासन में थ। वह सपा है। यह पार्टी सितंबर, 2016 से राजनीतिक भूकंप के झटके लगातार झेल रही है। वह झटका जारी है। जिसने पार्टी बनाई वह बेगाने शादी में अब्दुल्ला दीवाना की तरह हो गए हैं। वे मुलायम सिंह थे। जो कब क्या बयान देकर विवाद छेड़ देते, इसे वे भी नहीं जानते थे।समाजवादी ड्रामा तीन महीने तक चला।बाप-बेटे के बीच विवादों की स्क्रिप्ट लिखी गई।लेकिन इतने समय के विरोधाभास के बाद आखिर जीत तो अखिलेश की हुई।कौन माता पिता इस दुनिया मे अपनी संतान से हारते हुए देखना चाहते है।हर अभिभावकों के मन मे एक ही इच्छा रहती है कि मैं भले ही हार जाऊ,लेकिन मेरी संतान हर कदम पर जीत की खुशियां मनाए और अंततः वही हुआ।मुलायमसिंह कोर्ट से हार गए। मान सकते हैं कि वे सदमे बहुत भारी थे। वैसे ही जैसे घर के ढेर हो जाने घर मालिक होता है। सपा के दूसरे कद्दावर नेता शिवपाल बोल पड़े थे कि चुनाव बाद नया दल बनाएंगे। इस तरह की उथल-पुथल ने अखिलेश यादव का मनोबल तोड़ दिया और वे उस कांग्रेस की गोद में जा बैठे। जोकि कांग्रेस का उतरप्रदेश में जनाधार नही था।अगर वो जिंदा नही हुई और जिंदा हो जाती तो सपा को खा जाती। बसपा का हाल उससे भी बुरा था। वह कायदे से राजनीतिक दल बनने के रास्ते पर चली ही नहीं। वह जाति और मजहब के गठजोड़ की उपज है। बीते त 12 सालों से बसपा का घर उजड़ गया है। उसके ज्यादातर नेता भाजपा में जा चुके हैं। उनमें वे भी हैं जो बसपा के जन्मजात नेता रहे थे। कुछ सालों पहले की बसपा को आज पहचानना कठिन है। हाथी की चाल मन्द पड़ चली है। मायावती की कोई राजनीतिक हलचल दिखाई नही देती है। कोई भी राजनीतिक दल दो बातों से पहचाना जाता है। विचार और नेतृत्व से। बसपा इन दोनों रूपों में भी अपनी पहचान खो चुकी है। वह खुद को खोज रही है। इस भटकाव में वह उत्तर प्रदेश में दलित-मुस्लिम गठजोड़ का ताना-

बाना बुन रही होगी। ध्रुवीकरण पर उसकी आस टिकी है।योगी आदित्यनाथ के आने के बाद पूर्व पार्टियां सत्ता से बंधी हुई थी।आज के वर्तमान में उनके शासन को याद तक नही करते है।जंगलराज के तमगे से उपजी ये पार्टियां लोगो पर सितम ढाहने में अपना वर्चस्व स्थापित करचुकी थी। इनके शासनकाल में लखनऊ गुंडा और माफियो की शरणस्थली बन चुका था। कह सकते हैं कि2017 के पहले उत्तर प्रदेश गहरे राजनीतिक संक्रमण के दौर में था।चुनाव ने उसे तेज कर दिया है। इसके साफ-साफ दो कारण थे। पहला यह कि विधानसभा का चुनाव पिछले परिणाम से उभरी राजनीति के उस चुनाव में हर दल ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। भारी जोखिम मोल ले ली थी।दूसरा यह कि चुनाव परिणाम से हर दल बदल जाएगा। लेकिन हर दल में परकाया प्रवेश हो चुका था। इर्द-गिर्द नहीं हो रहा था।2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम से जो हस्तक्षेप उत्तर प्रदेश की राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने किया, वही प्रमुख आधार हो गया था। दूसरा यह कि चुनाव उत्तर प्रदेश की सत्ता कौन संभाले, इसके लिए हो रहा था। पर यह 2019 के लोकसभा चुनाव का प्रहसन भी हो गया। इससे कोई दल बचा नहीं था। भाजपा भी नहीं। जितना असंतोष भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं मेंउस समय था उतना कभी नहीं था।क्योंकि भाजपा की 2014 के पहले शुरुआती दौर था। बगावत की आवाज चारों ओर से उठ रही थी। उसे शांत करने के लिए खून पसीना एक किया जा रहा था। हर चुनाव में थोड़ा बहुत असंतोष तो होता ही है। उस बार का अकल्पनीय था। इसके कारण बहुत साफ थे। भाजपा में शामिल होने वालों की संख्या हर रिकार्ड तोड़ चुकी थी। कांग्रेस, सपा और बसपा से आए नेताओं को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया था। उनकी संख्या 155 से ज्यादा थी।यानी इतने क्षेत्रों में भाजपा नेता अवसर से वंचित हो गए थे। वे बड़ी उम्मीद में थे। तब भाजपा का उम्मीदवार होना ही चुनाव जीतने की पक्की गारंटी मानी जा रही थी। भाजपा में आए हुए समूह में कोई गीले शिकवे नही थे। अक्सर चुनाव में परिणाम के बाद भाजपा अपनी समीक्षा में पाती रही है कि टिकट का बंटवारा ठीक नहीं हुआ था। उससे सबक लेकर कोई कदम भाजपा नेतृत्व पहले नहीं उठाता था। तब अमित शाह ने जो उम्मीदवार चयन की प्रणाली अपनाई वह हस्तक्षेप से अछूती रही थी। उन नेताओं की नहीं चली जो टिकट की बंदरबाट के लिए बदनाम हुए। इसमें वे भी कुछ नहीं कर सके जो नैतिक सत्ता का दबाव बनाकर हस्तक्षेप कर लेते थे।

उतरप्रदेश में कांग्रेस सालों से हासिए पर है। अपने पुनरोदय के लिए हाथ-पांव मार रही थी। राहुल गांधी की खाट यात्रा उसी कड़ी में थी। अगर वही राह कांग्रेस ने ली होती तो वह अपने बलबूते पर चुनाव लड़ती। उसने बिहार के अनुभव से फायदा इसमें ही देखा कि सपा की सहयोगी पार्टी बन जाए। इसी तरह अजीत सिंह का लोकदल कहीं आसरे की खोज में था। उसे सहयोगी बनाने से सपा हिचक गई। क्योंकि अफसरों ने अखिलेश यादव को बताया कि अजीत सिंह के आने से -प्रतिक्रिया में मुसलमान बसपा में चले जाएंगे। हर दल की राजनीति पर सरसरी निगाह डालने से कुछ निष्कर्ष

निकलते हैं। एक यह है कि इस चुनाव में हर दल ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। भारी जोखिम मोल ले ली थी। दूसरा यह कि चुनाव परिणाम से हर दल बदल जाएगा। वह नहीं रहेगा जो होता था और है। क्योंकि हर दल में परकाया प्रवेश हो चुका था। तीसरा यह कि हर दल में पीढ़ी और पद परिवर्तन का दृश्य है। नई पीढ़ी नेतृत्व संभालने वाली रही। चौथा यह कि हर दल की नजर युवा मतदाता पर थी। युवा के नखरे पर राजनीति का कदम ताल तय होने जा रहा था।बिहार की यही हालत है।लालू की राजद कई वर्षों से राजनीतिक गलियारों से बाहर है।नीतीश कुमार के गठबंधन के कारण तेजस्वी कुछ समय के लिए उपमुख्यमंत्री बन गए थे।जेडीयू कई वर्षों से गठबंधन की सरकार चला रही है।बिहार में कई प्रादेशिक दल है जो जशिये पर धकेल दिए गए है।उनका नाम राजनैतिक मंच पर चुनाव के समय ही सुनने को मिलता है। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने भूल की थी,वही भूल तेजस्वी यादव कांग्रेस को साथ लेकर कर रहे है।बिहार की राजनीति में तीस वर्षों से सत्ता से बाहर कांग्रेस का भविष्य एक सर्वे पर भरोसा करें तो कांग्रेस के पास आज भी बिहार में जनाधार नही है।नीतीश कुमार में चुनाव से पूर्व 75 लाख महिलाओं के खाते में दस दस हजार ट्रांसफर किये है।उससे और अधिक रकम ऋण के तौर पर देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश ने घोषणा की है।

नारी श्रद्धा एवं प्रेम का अमर पर्व है करवा चौथ

- योगेश कुमार गोयल

(करवा चौथ (10 अक्तूबर) पर विशेष)

भारत की गौरवशाली संस्कृति में करवा चौथ पर्व का विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो इस वर्ष 10 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्ध्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है। कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्ध्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त

होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई। करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्ध्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई।इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं। इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है।

पूरे विश्व की नजरें अब नोबेल शांति पुरस्कार पर, ट्रम्प को झटका लगने की आशंका

नोबेल पुरस्कार सप्ताह 6 से 13 अक्टूबर 2025

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

ट्रम्प के लिए 2025 के लिए नामांकन की आखिरी तारीख के बाद प्राप्त नामांकन अगले वर्ष 2026 के लिए विचार होने की संभावना डोनाल्ड ट्रंप को 2025 का शांति पुरस्कार मिलने की संभावना नहीं, 2026 के लिए कठोर शांति श्रम करना होगा

वैश्विक स्तरपर सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कारों की घोषणाएँ हर वर्ष की तरह, 2025 में भी 6 से 13 अक्टूबर तक के नोबेल सप्ताह में की जा रही है जिस पर पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है विशेष रूप से नोबेल शांति पुरस्कार पर। चिकित्सा से शुरुआत, फिर भौतिकी, रसायन, साहित्य, शांति और अन्त में अर्थशास्त्र, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025, चिकित्सा की घोषणा हुई नोबेलसमिति द्वारा नॉबेल चिकित्सा या जीवविज्ञान पुरस्कार की घोषणा की गई। घोषणा आमतौर पर स्टॉकहोम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में होती है, और लाइव प्रसारण किया जाता है। यह पहला दिन होने के कारण वैज्ञानिक और स्वास्थ्य जगत में उच्च उत्सुकता होती है, और यह नोबेल सप्ताह की शुरुआत का संकेत देता है। दूसरे दिन मंगलवार 7 अक्टूबर 2025 भौतिकी पुरस्कार की घोषणा हुई है। यह परम्परा है कि भौतिकी पुरस्कार सप्ताह के दूसरे दिन घोषित किया जाए। बुधवार, 8 अक्टूबर 2025- रसायन पुरस्कार, 9 अक्टूबर 2025, साहित्य पुरस्कार की घोषणा होती है। साहित्य जगत, लेखकों, कवियों, आलोचकों एवं साहित्य- प्रेमियों के लिए यह एक उत्सव का दिन होता है। विजेता लेखक की पिछली कृतियाँ, विषय, उनकी वैश्विक प्रभाव और भाषा-संघर्ष चर्चित होते हैं।आमतौर पर, विजेता पहले से अज्ञात होते हैं,यानी लेखक को अचानक इस खबर की अभिभूत कर देने वाली घोषणा सुननी होती है।मीडिया एवं साहित्यकार तुरंत प्रतिक्रियाएँ देते हैं,क्या यह सही चयन है?इसका साहित्य जगत पर क्या असर होगा?इसके बाद लेखक की प्रसिद्धि और उनकी पुस्तकें किन भाषाओं में अनुवाद होंगी? आदि सवाल उठते हैं।शुक्रवार,10 अक्टूबर 2025 शांति पुरस्कार की घोषणा, यह पुरस्कार नोर्वेजियन नोबेल समिति द्वारा सौंपा जाता है, जो नॉर्वे की संसद द्वारा नामित सदस्यों से मिलकर बनती है। इस दिन पूरी दुनियाँ की निगाहें तनावपूर्ण होती हैं,क्योंकि शांति पुरस्कार का राजनीतिक और सामाजिक महत्व बहुत अधिक होता है।विजेता या विजेताओं की घोषणा होते ही वैश्विक मीडिया, सरकारें, सामाजिक-न्याय और मानवाधिकार संगठन अपनी प्रतिक्रियाएँ देते हैं। पुरस्कार विजेता को शांति- संबंधी योगदानों के आधार पर आलोचना या समर्थन मिलता है।कई बार इस दिन ही यह विवाद उत्पन्न होता है कि क्या चयन न्यायसंगत है, क्या विजेता ने वास्तव में शांति लाने में योगदान दिया है,आदि।बाद में (दिसंबर में) विजेता को ओस्लो में शांति पुरस्कार समारोह और संबद्ध कार्यक्रम (जैसे संवाद, व्याख्यान) आयोजित होते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि,अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को कई दिनों से शांति पुरस्कार मिलने की संभावना है चल रही है जबकि वे खुद कबूल कर चुके हैं कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया जाएगा, वैसे भी कई नॉमिनेशन सिफारिशें अंतिम तारीख निकालने के बाद गए हैं, वैसे भी मीडिया के अनुसार वे एक विवादास्पद, चिर विवादित और प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तित्व हैं, लंबे समय से नोबेल शांति पुरस्कार को प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं,या कम-से-कम इसके लिए नामित होना चाहते हैं। इस खंड में मैं उनके उस सपने की सम्भाव्यता, उसकी रणनीति, चुनौतियाँ और समाज-राजनीति में इसके असर को समझने की कोशिश करूँगा। सोमवार, 13 अक्टूबर 2025, अर्थशास्त्र पुरस्कार की घोषणा, विजेताओं को इस घोषणा के बाद दिसंबर में स्टॉकहोम में पुरस्कार ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। इस दिन के बाद नोबेल सप्ताह की घोषणाएँ समाप्त होती हैं और अगले महीनों में पुरस्कार वितरण, संवाद एवं समारोहों की व्यवस्था होती हैँ नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह 10 दिसंबर को होता है,यह दिन अल्फ्रेड नोबेल के निधन की वर्षगांठ है। शांति पुरस्कार विजेता के लिए समारोह ओस्लो, नॉर्वे में आयोजित होता है, अन्य पुरस्कारों (चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य, अर्थशास्त्र) का समारोह स्टॉकहोम, स्वीडन में होता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का जगह-जगह हुआ स्वागत

भाजपा करती है भेदभाव की राजनीति : विंग कमांडर सुरेंद्र गौड

निसिंग, 9 अक्तूबर (जोगिंदर सिंह) : कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह अपने पद ग्रहण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए चंडीगढ़ जाते हुए करनाल जीटी रोड पर अलग-अलग जगह पर रुके। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इसी संदर्भ में विंग कमांडर सुरेंद्र गौड के नेतृत्व में करनाल, पानीपत पहुंचने पर सभी साथियों के साथ बुक्के देकर व फुल मालाओं से स्वागत किया। इसके साथ बलड़ी मोड़ व नीलोखेड़ी में भी प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। धान की खरीद में देरी को लेकर राव नरेंद्र ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है. फसल की खरीद शुरू ना करके किसानों को परेशान किया जा रहा है। ये सीधी-सीधी बेकदरी और लापरवाही है। विंग कमांडर सुरेंद्र गौड ने कहा कि कांग्रेस पुर्ण रूप में संगठित होकर पूरे जोश के साथ कार्य करेगी और जनहित के मुद्दों को उठाएगी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में सरकार पर पैनी नजर रहेगी। कांग्रेस नेता विंग कमांडर सुरेंद्र सिंह ने कहा कि वोट चोर गद्दी छोड़ राहुल गांधी के नारे को जन-जन तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस नेता विंग कमांडर सुरेंद्र गौड ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। हर क्षेत्र में बदइंतजामी है। सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा भेदभाव की राजनीति करती है। सरकार हर क्षेत्र में फेल हो रही है। जनता चाहती है कि कांग्रेस सरकार में ही प्रदेश का विकास संभव है। मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से निजात मिलेगी। हर वर्ग को न्याय मिलेगा। नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा। इसके साथ जनता को भाजपा से झूठ, अन्याय, अत्याचार से मुक्ती मिलेगी। इस मौके पर विंग कमांडर सुरेंद्र गौड के साथ लेफ्टिनेंट विजेन्द्र शर्मा, सुबेदार रणजीत सिंह, शौर्य वीर कादियान, करनाल शहरी अध्यक्ष पराग गाबा, करनाल ग्रामीण अध्यक्ष राजेश वैध, राजेश चौधरी, बृज शर्मा कोयर, रमेश्वर, शशि वत्स, रामचंद्र व सुखदेव शर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा सभी विषयों की नॉलेज : गीता रानी

यमुनानगर, 9 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म अब देशभर के विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए ज्ञान का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब विद्यार्थी सभी विषयों की जानकारी, अध्ययन सामग्री और शोध संसाधन एक ही मंच पर प्राप्त कर सकते है। उक्त शब्द डीएवी गर्ल्स कॉलेज की सेंट्रल लाइब्रेरी इंचार्ज गीता रानी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहे। कॉलेज की सेंट्रल लाइब्रेरी व नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में वन नेशन वन लाइब्रेरी प्रोग्राम के तहत छात्राओं को डिजिटल लाइब्रेरी के प्रति जागरूक किया गया। कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ सुरिंद्र कौर, कार्यक्रम कनवीनर डॉ सुनीता कौशिक, लाइब्रेरी इंचार्ज गीता रानी व मनिका सेठी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ सुरिंद्र कौर ने कहा कि नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म से शिक्षा का दायरा बढ़ेगा, डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहन मिलेगा, और सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा का सपना साकार होगा। डॉ सुनीता कौशिक ने बताया कि एन डी एल आई को देशभर के लगभग 1000 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों और शोध संगठनों से जोड़ा गया है। आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय पुस्तकालय, एनसीईआरटी, और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय जैसी संस्थाओं की पुस्तकें और संसाधन भी इस प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किए जा रहे हैं। इसके माध्यम से विद्यार्थी अब अलग-अलग वेबसाइटों या लाइब्रेरियों की खोज करने के बजाय एक ही मंच पर सभी विषयों की सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। गीता रानी ने बताया कि आईआईटी खड़गपुर ने नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म को विकसित किया है। जिसका मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे विद्यार्थियों को इंटरनेट के माध्यम से उच्च-स्तरीय शैक्षिक सामग्री उपलब्ध करवाना है। इस लाइब्रेरी में स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक के विषय, जैसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, साहित्य, समाजशास्त्र, कला, इतिहास, अर्थशास्त्र, विधि, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और इंजीनियरिंग तक की सामग्री उपलब्ध है। जिसमें ई-बुक्स और ई-जर्नल्स, शोध पत्र और थीसिस, वीडियो लेक्चर व पॉडकास्ट, पुरानी पांडुलिपियाँ और दुर्लभ ग्रंथ,कोर्स मॉड्यूल और परीक्षा सामग्री इत्यादि शामिल है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ममता, रीटा, प्रीति ने सहयोग दिया।

सोशल मीडिया की गतिविधियों से बिगड़ रहे हैं युवा, परिजन खुद करें काउंसलिंग : नीतीश अग्रवाल

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने कहा कि सोशल मीडिया की गतिविधियों पर रहते हुए युवा बिगड़ रहे हैं। विदेशों में बैठे अपराधी युवा अपने झांसे में फंसा कर गलत कार्य करवाते हैं। उन्होंने परिजनों से आग्रह किया कि अपने बच्चों की फोन पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखें और उनकी काउंसलिंग भी करते रहें। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल बुधवार रात इस्माइलाबाद के गांव ठसका मीरा जी में आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले ही देश में नए आपराधिक कानून लागू हुए हैं, जो पहले की अपेक्षा ज्यादा सख्त हैं। इन कानूनों के तहत प्रक्रिया तेजी से होती है और सजा भी ज्यादा व सख्त है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा समाज में रहते हुए विदेशों में बैठे लोगों के संपर्क में आ जाते हैं। विदेशों में बैठे अपराधी युवाओं को पैसे या विदेश में बुलाने का लालच देकर फंसा लेते हैं और उनसे किसी भी व्यक्ति को धमकाने या किसी व्यक्ति पर फायरिंग करवाने जैसी घटना को करवाते हैं। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने कहा कि युवा फंसा कर गलत काम करवाने वालों से बचाने के लिए हर परिजन को अपने बच्चों को बचाना होगा। इसके लिए उनकी सोशल मीडिया पर होने वाली एक्टिविटी पर नजर रखने की जरूरत है। उनकी किसी भी गतिविधियों के गलत दिखने पर तुरंत काउंसिल करे, ताकि युवाओं को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि परिजनों को युवाओं का दूसरा ध्यान नशे से बचाकर रखने की दिशा में करना है। युवा गलत साथियों की संगत में पड़कर नशे के आदि हो जाते हैं, जोकि परिवार, समाज, प्रदेश व देश के लिए गंभीर है।

भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है करवा चौथ : डॉ सुरभि तायल

लाडवा, 9 अक्तूबर (राम गोपाल) : करवा चौथ का पर्व भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। यह केवल एक व्रत नहीं, बल्कि परिवारिक एकता, विश्वास और परंपरा का पर्व है, जिसे हम मिलकर आपसी सौहार्द के साथ मनाना चाहिए। यह बात वीरवार को लाडवा में जानकारी देते हुए टॉडलर हाऊस प्री स्कूल की प्रिंसिपल डॉ सुरभि तायल ने कहा कही। उन्होंने बताया कि टॉडलर हाउस प्री-स्कूल में हमने इस विशेष अवसर को बच्चों के लिए एक शिक्षाप्रद और रचनात्मक अनुभव के रूप में मनाया। स्कूल में बच्चों को पारंपरिक कहानियों के माध्यम से करवा चौथ का महत्व समझाया गया। एक मनोरंजक कहानी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को चित्रों के माध्यम से पर्व का महत्व बताया गया। इसके साथ ही बच्चों ने मेरा करवा सजाओ गतिविधि में भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपने छोटे-छोटे करवों को रंगों और सजावटी सामान से सजाया। इससे उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा मिला और वे पर्व से भावनात्मक रूप से जुड़ सके। डॉ सुरभि तायल ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही संस्कार, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जोड़ना है, ताकि वे एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। उन्होंने महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व आपके जीवन में प्रेम, सौहार्द और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने अपील करते हुए बताया कि यह पर्व केवल व्रत या रीति-रिवाज नहीं है, बल्कि पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है, जोकि पारिवारिक बंधन को और मजबूत करता है। उन्होंने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि वह जिंदगी के हर उतार चढ़ाव में अपने पति और परिवार का साथ दे, ताकि उनका गृहस्थ जीवन सुखमय बना रहे। इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर स्नेह लता गुप्ता, अंजना बंसल, आयुषी गोयल, पूजा, अमनदीप कौर, प्रियंका सिंगला, दीपशिखा शर्मा, वंदना भल्ला, संस्कृति शर्मा, रीत, सोनिया, कुसुम, दिव्य खन्ना, शालू, विशाखा, नैना सिंगला, अवंतिका गर्ग, रीतू, कोमल, सुमन, सारिका, सुनीता, बबिता आदि मौजूद थे। समारोह में आई अभिभावक डॉ पूजा पाठक ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी छोटी उम्र में भी बच्चों को इतनी सुंदर तरीके से हमारी परंपराओं से जोड़ा जा सकता है। स्कूल की तरफ से आयोजित करवाचौथ की कहानी और करवा सजाने की एक्टिविटी ने मेरी बेटी को बहुत आनंदित किया है। अभिभावक आयुषी गोयल ने कहा कि आज के समय में जब युवा पीढ़ी परंपराओं को आधुनिक ढंग से निभाती है, तो माता-पिता को आश्चर्य और आनंद दोनों होता है। वे यह देखकर खुश होते हैं कि आधुनिक सोच के साथ भी परंपराओं का सम्मान किया जा रहा है। जोकि आने वाली पीढ़ी को भी अच्छा संदेश देता है। अभिभावक दिव्य खन्ना ने बताया कि मैं एक प्राइवेट बैंक में कार्यरत हूं, जिसके कारण मेरी दिनचर्या पूरी तरह से व्यस्त रहती है, लेकिन स्कूल द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस तरह के आयोजनों से खुशी मिलती है और बच्चों के साथ अपने जीवन को नए तरीके से जीने का अनुभव मिलता है। अभिभावक नैना सिंगला ने बताया कि टॉडलर हाऊस प्री स्कूल में होने वाली गतिविधियां हमे अपनी संस्कृति से जोड़ने का काम करती है, जोकि स्वयं से अपनेपन की झलक दिखाती है। उन्होंने बताया कि करवाचौथ का स्कूल लेवल पर आयोजित यह कार्यक्रम मैंने पहली बार देखा है, जोकि कबीले तारीफ़ रहा।

विश्वविद्यालय में दो दिवसीय रंग-ए-नूर सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन

कैथल, 9 अक्तूबर (प्रवेश बहादुर) : एन आई आई एल एम विश्व विद्यालय कैथल में रंग-ए-नूर हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन द्वारा किया जा रहा है, कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसको विश्वविद्यालय प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा, डायरेक्टर विश्वविद्यालय कलचरल अफेयरस डॉ एकता चहल, दाखिला निदेशक राजेंद्र गोयत विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ मनोज कुमार ने संबोधित किया। विश्वविद्यालय प्रो.वाइस चांसलर प्रो. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न कलाओं और संस्कृतियों को प्रदर्शित करना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम 15 एवं 16 अक्टूबर को विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया जाएगा जिसमें 15 अक्टूबर को के विभिन्न कॉलेजों के छात्र टीम के रूप में हिस्सा लेंगे और अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे 16 अक्टूबर को एक फैशन शो का आयोजन किया जाएगा जिसमें अन्य राज्यों से भी प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, शाम को सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी जिनमें मुख्य रूप से मशहूर पंजाबी गायक एवं अभिनेता बब्बू मान अपनी संगीतमय प्रस्तुति देंगे उनके साथ में प्रसिद्ध हरियाणवी गायक खासाआला चाहर, एम डी देशी रॉकस्टार, मनीष मस्त कॉमेडियन, गायक, लेखक भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा ने विश्वविद्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय डायरेक्टर कल्चरल अफेयरस डॉ. एकता चहल ने कहा कि कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में 10 अक्टूबर तक प्रतिभागी अपना रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन करवा सकते हैं इसके अलावा स्टार नाइट के लिए फ्री पास की सुविधा उपलब्ध करवा दी गई है जिसके पास यह ई-पास होगा उसकी ही कार्यक्रम स्थल में एंट्री सुनिश्चित हो पाएगी। दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के संगीत और नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत किए जाएंगे, जो दर्शकों को विभिन्न संस्कृतियों की समृद्धि का अनुभव कराएंगे। कार्यक्रम में एक कला प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सौहार्द को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सौहार्द को बढ़ावा देना है, कार्यक्रम में विभिन्न कलाओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

राजौंद अनाज मंडी में पीआर धान की खरीद होने से किसानों ने सड़क मार्ग जाम कर किया रोष प्रदर्शन

राजौंद, 9 अक्तूबर (नरेश कुमार पुहाल) : अनाज मंडी राजौंद में पीआर धान की खरीद ना होने से गुस्साए किसानों ने होशियार सिंह गिल की अगुवाई में अनाज मंडी के आगे सड़क मार्ग जाम कर रोष प्रदर्शन किया। किसानों ने सरकार व मंडी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि सात आठ दिनों से उनकी धान की ढेरियां मंडी में पड़ी हुई है लेकिन सरकारी खरीद एजेंसियां जानबूझकर उनकी पीआर धान की खरीद में देरी कर रही है या अधिक नमी बताकर खरीद से इंकार कर रही है। किसानों का कहना था कि जब सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद नहीं कर रही है, उन्हें धान के सरकार द्वारा निर्धारित रेट से कम दिए जा रहे हैं। हमारे पास जाम लगाने का समय कहां है। इसलिए, हमें मजबूरन सड़क पर उतरकर जाम लगाना पड़ा। मंडी प्रशासन लगभग एक घंटे तक असंध कैथल मार्ग को किसानों द्वारा लगाए गए जाम के कारण इस दौरान आवागमन कर रहे वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जिसके बाद पुलिस प्रशासन व हैफेड अधिकारी संजीव ढुल के आश्वासन के बाद किसानों ने जाम को खोल दिया गया।

जिला में 2 लाख 53 हजार 953 मीट्रिक टन धान की आवक : डीसी

करनाल, 9 अक्तूबर (यशपाल कादियान) : डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में अब तक 2 लाख 53 हजार 953 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है, जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 170944 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 41556 व हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 41453 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। मंडियों से धान उठान का कार्य सरकारी खरीद एजेंसियों को समय पर कराने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए गए है कि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्यों पर फसलों को खरीदा जाए, किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न आने दें। मंडियों में पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध रखें, समय पर धान का उठान कराया जाए। साथ ही किसानों की सुविधा के लिए स्वच्छ पेयजल, सुलभ शौचालय तथा साफ-सफाई में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए।

फसल अवशेषों का सही तरीके से करें प्रबंधन

डीसी उत्तम सिंह ने किसानों से अपील की है कि जो भी किसान मंडी में अपने बारी पर ही आएं ताकि समय पर फसल की खरीद हो सके। उन्होंने कहा कि किसान खेतों में फानों में आग न लगाएं। इससे जहां प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है, वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति भी कम होती है। कि वे फसल अवशेषों में आग न लगाकर उनका सही तरीके से प्रबंधन करें।

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

अंबिका और हेमलता ने हासिल किया प्रथम स्थान

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की पारंपरिक कला और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुवार को मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसमें बीएएमएस प्रथम वर्ष की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हाथों पर आकर्षक और पारंपरिक डिजाइनों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने भारतीय संस्कृति की झलक दिखाने वाले सुंदर पैटर्न तैयार किए, जिनमें प्रकृति, उत्सव और आयुर्वेदिक प्रतीकों का समावेश रहा। प्रतियोगिता में बीएएमएस प्रथम वर्ष की छात्रा अंबिका और हेमलता ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं दूसरा स्थान पूजा को मिला, जबकि गायत्री तीसरे स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल की भूमिका डीएसडब्ल्यू प्रो. विदुषी त्यागी, डॉ. मनीषा खत्री और डॉ. शुभा कौशल ने निभाई। निर्णायकों ने छात्राओं की रचनात्मकता, डिजाइनों की मौलिकता और प्रस्तुति के आधार पर परिणाम घोषित किए। इस अवसर पर प्रो. दीप्ति पराशर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक जुड़ाव को भी मजबूत करती हैं। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुई मेंहदी प्रतियोगिता

असंध, 9 अक्तूबर (दलसिह मान) : हरियाणा शहर स्वच्छता और सेवा अभियान 2025 के तहत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में करवा चौथ त्योहार के उपलक्ष्य में कक्षा 9 से 12 में मेंहदी लगाओ प्रतियोगिता करवाई गई। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कलात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पूरे वातावरण में उल्लास, आस्था और उत्सव का रंग घुल गया। छात्राओं ने अपनी कक्षा की दूसरी छात्राओं को मेंहदी लगाई। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य अजमेर सिंधु छात्राओं को करवा चौथ की महेता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यह त्योहार भारतीय नारी के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में एकता और संस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। हमें प्रत्येक त्योहार को बड़ी धूमधाम से मनाना चाहिए। मेंहदी लगाओ प्रतियोगिता में अंशु, महक (11) गुरप्रीत, तमन्ना (12) और सपना, इंदिरा (11) क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर डॉक्टर भूपेंद्र सिंह, डॉक्टर शीतल पाल, गौतम नायक, राजेंद्र, गुरचरण, मदनलाल, प्रकाश, राजेश, नरेश, प्रकाश व अन्य स्टॉफ सदस्य मौजूद रहे।

जिला में पटाखों की बिक्री, भंडारण व प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध

करनाल, 9 अक्तूबर (संदीप रोहिला) : जिलाधीश उत्तम सिंह ने जिला में बढ़ते वायु प्रदूषण के गंभीर खतरे को देखते हुए सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री (ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से वितरण सहित), फोड़ने और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश वायु गुणवत्ता के खराब होने और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163, विस्फोटक अधिनियम, 1884 और अन्य सक्षम शक्तियों के तहत जारी किए गए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। उन्होंने बताया कि सर्दियों के दौरान पार्टिकुलेट मैटर्स (पीएम 2.5 और पीएम 10) का स्तर राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) 2009 से काफी अधिक हो जाता है,जो बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन/हृदय रोग से ग्रस्त लोगों जैसे कमजोर वर्गों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। जारी आदेशों के अनुसार पुलिस अधीक्षक, नगर निगम, सभी एसडीएम, तहसीलदार, बीडीओ और अन्य संबंधित अधिकारी जिला में इन आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करेंगे। अधिकारी नियमित रूप से छापेमारी और दैनिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक नियमों की संबंधित धाराओं के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा जीवन का सबसे बड़ा धन : प्रो. डॉ. जितेंद्र कुमार

राजौंद, 9 अक्तूबर (नरेश कुमार पुहाल) : राजौंद के गुरु रविदास आश्रम में गुरु रविदास जन कल्याण ट्रस्ट एवं समस्त रविदासिया समाज द्वारा महात्मा राजेंद्र दास जी की याद में एक श्रद्धांजलि सत्संग का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट प्रधान रवि ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय करनाल के प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र कुमार ने शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा राजेंद्र दास जी ने आश्रम की सेवा और बंदगी में अपना पूरा जीवन समर्पित किया। वे एक सादगीपूर्ण, स्वच्छ और शालीन स्वभाव के व्यक्ति थे। डॉ. जितेंद्र कुमार ने उपस्थित संगत एवं बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है। चाहे परिस्थितियां कितनी भी तंग क्यों न हों, अपने बच्चों को अवश्य शिक्षित करें। शिक्षा से ही बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को नशे से दूर रहने और मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में दसवीं, बारहवीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को डॉ. जितेंद्र कुमार ने सम्मानित किया। सत्संग के दौरान भगत, स्वयं दास, एवं सुमन दास महात्मा ने अपनी गुरु वाणी, शब्दों और साखियों के माध्यम से संगत को निहाल किया।इस अवसर पर सचिव सुरेंद्र कुमार, उपप्रधान सोनू, रवीन्द्र, बंटी, शमशेर, सुनील, रामपाल, राजकुमार, दीपक, नरेंद्र सहित अनेक श्रद्धालु एवं ट्रस्ट सदस्य उपस्थित रहे।

शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान : नगराधीश

यमुनानगर, 9 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। नगराधीश ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर व्यासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में 7 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिसमें प्रमोद घई मिश्रा कॉलोनी निवासी ने प्रॉपर्टी आईडी को अलग करने बारे, किरण गुप्ता दुर्गा कॉलोनी निवासी ने सफाई व्यवस्था व गली को पक्का करने बारे, जसपाल खारवन निवासी ने कच्चे मकान को पक्का करवाने बारे, सुंदर सिंह वर्कशॉप निवासी ने परिवार पहचान पत्र ठीक करवाने बारे, मेवाराम बलाचौर निवासी ने खेतों में फैक्ट्री का पानी आने की समस्या बारे, संगीता ममीदी निवासी ने कच्चे मकान पक्के करवाने बारे, सपना मौर्य हुंडेवाला निवासी ने इंतकाल दर्ज करवाने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर डीएसपी कंवलजीत व अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में करवा चौथ के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

निसिंग, 9 अक्तूबर (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल में करवा चौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में महिला प्रकोष्ठ द्वारा एक भव्य मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के कुशल मार्गदर्शन तथा महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मुकेश चहल के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती हैं। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मुकेश चहल ने बताया कि करवा चौथ भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखकर मनाया जाता है। मेहंदी लगाना भारतीय परंपरा का अहम हिस्सा है, जो शुभता और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इस प्रतियोगिता में कुल 25 छात्राओं ने भाग लेकर अपने सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक कौशल का सुंदर प्रदर्शन किया। छात्राओं ने पारंपरिक रूपों और आधुनिक डिजाइनों का संयोजन करते हुए अपने हाथों पर आकर्षक मेहंदी रचाई। प्रतियोगिता में सोनम बीएससी प्रथम वर्ष, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि याचिता बीकॉम प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रेरणा बी.ए तृतीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका का बखूबी निर्वहन डॉ. पुष्पा, डॉ. प्रेरणा, डॉ. राधिका खन्ना, डॉ. सोनिया रानी ने किया। प्रबंधन समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संयोजिका डॉ. मुकेश चहल और महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, गैर-शिक्षक तथा सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

प्रशासन की तरफ से आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए समाधान शिविरों का किया जा रहा है आयोजन : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के आदेशानुसार प्रशासन की तरफ से प्रत्येक सप्ताह के कार्य दिवस में सोमवार व वीरवार को लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक किया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविरों की रिपोर्ट ले रहे है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में लोगों की समस्या का समाधान करने उपरांत बोल रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने क्रिड व अन्य विभागों से सम्बन्धित 25 समस्याओं को सुना और इनमें से 21 समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया और शेष समस्याओं का समाधान करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा निर्देश दिए, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगाए जा रहे शिविरों का फायदा उठाएं। सभी विभाग अपने विभाग से संबंधित समस्याओं को समयबद्ध तरीके से समाधान करके इस फायदे को निरंतर चलाते रहें। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें मुख्य रूप से जल आपूर्ति, सडक़ मरम्मत, पेंशन संबंधित समस्याएं और राजस्व मामलों से जुड़ी शिकायतें शामिल रही। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान नागरिकों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि समाधान शिविर के जरिए उनकी समस्याओं को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने का मंच मिल रहा है। ऐसे शिविरों के आयोजन से न केवल प्रशासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हो रहा है, बल्कि शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया भी सरल और त्वरित हो रही है। इस मौके पर डीआरओ चेतना चौधरी, डीआईपीआरओ डा. नरेन्द्र सिंह सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

नरवाना में समाधान शिविर बना लोगों की आवाज-समस्याओं का मौके पर हुआ समाधान

नरवाना, 9 अक्तूबर (नरेन्द्र सिंहमार) : स्थानीय लघु सचिवालय में वीरवार को उपमंडल अधिकारी जगदीश चंद्र की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनने और मौके पर ही उनका समाधान करने का प्रयास किया गया। यह शिविर सुबह 10 बजे शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक चला जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे मौजूद रहे।

शिविर में कुल 7 फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनमें से सबसे ज्यादा शिकायतें खंड विकास एवं पंचायत विभाग से संबंधित थीं। इसके अलावा नगर परिषद, जन स्वास्थ्य विभाग अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय और क्रीड़ा विभाग से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं।इस दौरान गांव भीखेवाला की पंचायत ने जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर एसडीएम से मुलाकात की। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए एसडीएम जगदीश चंद्र ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी और सिंचाई विभाग के एसडीओ को निर्देश दिए कि गांव में अतिरिक्त पंपसेट लगवाए जाएं ताकि जल निकासी सुनिश्चित की जा सके और लोगों को राहत मिल सके।एसडीएम ने स्पष्ट किया कि समाधान शिविर का उद्देश्य लोगों को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से बचाना है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत का ब्यौरा अपडेट रखें।जिन शिकायतों का समाधान हो चुका है उसकी रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। जिन समस्याओं का किसी कारणवश समाधान नहीं हो पाया उन्हें भी कारणों सहित रिपोर्ट किया जाए ताकि उच्चाधिकारियों के माध्यम से उचित कार्यवाही की जा सके।

शिविर में शामिल अधिकारी नायब तहसीलदार रणबीर सिंह, बीडीपीओ तुषार, नगर परिषद सचिव संदीप कुमार, मार्केट कमेटी से रोशनलाल, जेई सिंचाई विभाग विक्रम, जन स्वास्थ्य विभाग से राजेश, तहसील कल्याण अधिकारी सन्तरो देवी, बीडीपीओ कार्यालय से रीतू और तेजवीर, क्रीड़ा विभाग से सुरेश और जसवीर, कानूनगो बलवान सिंह, लिपिक ज्योति, महिला एवं बाल विकास विभाग से रीतू और पूजा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पुराने थाने और जगदंबा मंदिर के पास सीवरेज के टूटे ढक्कन बने हादसों का सबब-प्रशासन मौन

चार जगह सड़क उखड़ी, लोगों को रोजाना झेलनी पड़ रही परेशानी, राइस मिलों की गाड़ियां और राहगीर दोनों हो रहे घायल

तरावड़ी, 9 अक्तूबर (छाया शर्मा) : तरावड़ी शहर के पुराने थाने और जगदंबा मंदिर के आसपास की सड़कें इन दिनों बदहाली की तस्वीर पेश कर रही हैं।

यहां कई जगहों पर सीवरेज लाइन के ढक्कन टूटे पड़े हैं, जबकि कुछ जगह ढक्कन पूरी तरह गायब हैं। चार से ज्यादा स्थानों पर सड़कें उखड़ी हुई हैं, जिनसे न केवल पैदल चलने वाले बल्कि वाहनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार नगरपालिका अधिकारियों ओर जन स्वास्थय विभाग को इस समस्या से अवगत करवाया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। रात के समय यह जगह किसी खतरे के क्षेत्र से कम नहीं लगती। सीवरेज के खुले मैनहोल में कई बार मोटरसाइकिल चालक गिर चुके हैं, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं।

आसपास के लोगों ने बताया कि सीवरेज लाइन के बार-बार टूटने और ढक्कनों के गायब होने से यहां जलभराव की स्थिति भी बन जाती है। गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है, जिससे बदबू और संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। आसपास की राइस मिलों से आने-जाने वाली गाड़ियों को भी इन गड्ढों और टूटे ढक्कनों की वजह से भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। एक ट्रक चालक सतीश कुमार ने बताया कि, सड़क पर इतने गहरे गड्ढे हैं कि कई बार ट्रक का टायर फंस जाता है। ढक्कन टूटे होने से गाड़ियां झटके खाकर क्षतिग्रस्त हो रही हैं। वहीं, स्थानीय निवासी अमित कुमार ने कहा कि रात में जहां सीवरेज का ढक्कन गायब है, वहां से रोज लोग गिरते हैं। पिछले हफ्ते एक मोटरसाइकिल सवार युवक बुरी तरह घायल हो गया था। हमने कई बार अधिकारियों को शिकायत दी, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला। लोगों ने बताया कि हम लोग रोज देखते हैं कि कोई न कोई फिसलकर गिर रहा है। सड़क के किनारे सीवरेज का पानी फैलने से बदबू और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। यह समस्या महीनों से बनी हुई है, लेकिन किसी को फर्क नहीं पड़ता। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सीवरेज की यह स्थिति पूरे क्षेत्र की छवि खराब कर रही है। मंदिर आने वाले श्रद्धालु भी इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं और खुले मैनहोल उनके लिए खतरा बने हुए हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस क्षेत्र में तुरंत मरम्मत कार्य शुरू किया जाए, सड़कों को समतल किया जाए और सीवरेज के ढक्कनों को सुरक्षित तरीके से लगवाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले राहत मिले।

बाल विकास स्कूल में करवा चौथ पर मेहंदी प्रतियोगिता-आंचल और दीक्षा ने मारी बाजी

कलायत, 9 अक्तूबर (सूबे सिंह मोर) : बाल विकास पब्लिक स्कूल, कलायत में करवा चौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में छठी से बारहवीं कक्षा तक की छात्राओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रामलाल शर्मा ने बताया कि यह प्रतियोगिता लोक प्रशासन की प्राध्यापिका निर्मल की देखरेख में संपन्न हुई, जिसके बाद निर्णायक मंडल ने परिणामों की घोषणा की। कक्षा 12वीं की छात्राओं आंचल और दीक्षा की टीम ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, कक्षा 7वीं बी की गुंजन व हिमांशी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। शिवानी, श्वेता, स्नेहा व शंकी (कक्षा 11वीं) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर, विद्यालय के एमडी सतीश चहल और संदीप चहल ने विजेता छात्राओं को सम्मानित किया।

उन्होंने छात्राओं को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया और कहा कि करवा चौथ का पर्व भारतीय संस्कृति में अखंड सौभाग्य और पति-पत्नी के अटूट प्रेम का प्रतीक है। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह के अंतिम दिन छात्रों को किया गया सम्मानित

निसिंग, 9 अक्तूबर (जोगिंद्र सिंह) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरक में वन्य जीव सुरक्षा विभाग से आए अधिकारियों इंस्पेक्टर राजवीर सिंह सब इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार एवं बलराज ने जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पाने वाले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरक के छात्रों अमन एवं पारुल को सम्मानित किया। यह सप्ताह हर वर्ष 2 से 8 अक्टूबर तक मनाया जाता है। इसी के अंतर्गत जिला स्तर पर विद्यार्थियों के लिए कक्षा 6 से 8 के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता एवं कक्षा 9 से 12 के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।इस वर्ष यह प्रतियोगिता 25 सितंबर को आयोजित की गई थी। जिसमें क्विज प्रतियोगिता में अमन एवं पारुल ने प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। इस अवसर पर इन विद्यार्थियों की तैयारी करवाने वाले प्राध्यापक ईश्वर सिंह ने विद्यालय की तरफ से भाग लेने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की क्योंकि सभी ने इस परीक्षा में 30 से ज्यादा अंक प्राप्त किए थे। प्रधानाचार्य मोहन सिंह राणा ने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का विद्यार्थी के चहुमुखी विकास में योगदान का जिक्र किया।

राजवीर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए हर एक जीव की सुरक्षा जरूरी है और विभाग जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

डीसी ने सिंचाई विभाग, नेशनल हाईवे अथॉरिटी व पंचायत विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

यमुनानगर, 9 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : डीसी पार्थ गुप्ता ने अपने कार्यालय में सिंचाई विभाग, नेशनल हाईवे अथॉरिटी व पंचायत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव राजपुरा, लंढौरा, कैल में खेतों से पानी की निकासी के लिए एसडीएम जगाधरी के साथ मौके पर जाकर पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें जिससे की सडक़ के किनारे व खेतों में पानी खड़ा न हो। इस मौके पर जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता रवि शंकर मित्तल, नायब तहसीलदार अमित सिंह, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता विनोद कुमार व रविन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ ने अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर गांव राजपुरा, लंढौरा, कैल में खेतों से पानी की निकासी के लिए गांव के लोगों से बातचीत कर नालों की सफाई व मरम्मत करने के लिए पंचायत विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बरसात के दिनों में इन गांवों के खेतों में पानी खड़ा हो जाता है, पानी की निकासी के लिए सिंचाई विभाग, नेशनल हाईवे अथॉरिटी व पंचायत विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रपोजल तैयार कर समाधान निकाला जा रहा है जिससे आने वाली बरसात से पहले इस समस्या का समाधान किया जा सके जिससे किसानों की फसलों का नुकसान न हो।

ब्रह्म मुहूर्त में पूजा करने से भगवान होते है प्रसन्न : अवशीष शर्मा

शाहाबाद, 9 अक्तूबर (रूबी) : श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर में आयोजित कार्तिक मास की कथा में कथा व्यास श्री राम भक्त अवशीष शर्मा ने तीसरे अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय शंख नाम का एक राक्षस बहुत बलवान एवं अत्याचारी हो गया था। उसके अत्याचारों से तीनों लोकों में त्राहि-त्राहि मच गई। उस शंखासुर ने स्वर्ग में निवास करने वाले देवताओं पर विजय प्राप्त कर इन्द्रादि देवताओं एवं लोकपालों के अधिकारों को छीन लिया। शंखासुर ने वेदमंत्रों तथा बीज मंत्रों को ढूंढते हुए सागर में प्रवेश किया परन्तु न तो उसको वेद मंत्र मिले और ना ही बीज मंत्र। जब शंखासुर सागर से निराश होकर वापिस लौटा तो उस समय ब्रह्माजी पूजा की सामग्री लेकर सभी देवताओं के साथ भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और भगवान को गहरी निद्रा से जगाने के लिए गाने-बजाने लगे और धूप-गन्ध आदि से बारम्बार उनका पूजन करने लगे। धूप, दीप, नैवेद्य आदि अर्पित किये जाने पर भगवान की निद्रा टूटी और वह देवताओं सहित ब्रह्माजी को अपना पूजन करते हुए देखकर बहुत प्रसन्न हुए और कहा कि आप अपना अभीष्ट वरदान मांगिए, मैं अवश्य प्रदान करुंगा। जो मनुष्य आश्विन शुक्ल की एकादशी से देवोत्थान एकादशी तक ब्रह्म मुहूर्त में उठकर मेरी पूजा करेंगे उन्हें तुम्हारी ही भाँति मेरे प्रसन्न होने के कारण सुख की प्राप्ति होगी। आप लोग जो पाद्य, अर्ध्य, आचमन और जल आदि सामग्री मेरे लिए लाए हैं वे अनन्त गुणों वाली होकर आपका कल्याण करेगी। शंखासुर द्वारा हरे गये सम्पूर्ण वेद जल में स्थित हैं। मैं सागर पुत्र शंखासुर का वध कर के उन वेदों को अभी लाए देता हूँ। आज से मंत्र-बीज और वेदों सहित मैं प्रतिवर्ष कार्तिक मास में जल में विश्राम किया करुंगा। इस अवसर पर मंदिर पीठाधीश पंडित सतीश, पंडित ऋषि राज, पवन गर्ग,सुरेंद्र शर्मा सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

महात्मा ज्योतिबा फूले इंटरनेशनल स्किल सेंटर के छात्रों ने किया राज्य स्तरीय कानून प्रदर्शनी का भ्रमण

बाबैन, 9 अक्तूबर (राजेश कुमार) : महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर, प्रहलादपुर के विद्यार्थियों ने आज कुरुक्षेत्र के मेला ग्राउंड में आयोजित 3 नये कानूनों की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शैक्षणिक भ्रमण किया।

यह भ्रमण विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता और सामाजिक समझ बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। संस्थान से राज्य स्तरीय कानून प्रदर्शनी के लिए छात्रों को रवाना करते हुए कृष्मन सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर, सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर स्थापित एक अग्रणी प्रशिक्षण केंद्र है, जिसका उद्देश्य युवाओं को आधुनिक कौशलों के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी बोध कराना है। सांसद जिन्दल का मानना है कि युवाओं को केवल तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि समाज, शासन और कानून व्यवस्था की भी गहरी समझ होनी चाहिए, ताकि वे एक जागरूक नागरिक बन सकें।

उन्होंने बताया कि मेला ग्राउंड में लगी यह कानून प्रदर्शनी 3 नये आपराधिक कानूनों से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियों को रोचक ढंग से प्रस्तुत करती है। इस प्रदर्शनी में घटना स्थल, कंट्रोल रूम, आनलाइन रिपोर्ट , पोस्टमार्टम और अदालत में होने वाली प्रक्रिया को छात्रों ने नाटकीय रूप में समझा। कानून प्रदर्शनी के भ्रमण के अंत में छात्रों ने इसे एक प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया और इस भ्रमण के लिए सांसद नवीन जिन्दल व संस्थान प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

चालबाजों के झांसे में न आएं, लॉटरी व इनाम के नाम पर ठगी से रहें सतर्क : एसपी

कैथल, 9 अक्तूबर (प्रवेश बहादुर) : कैथल पुलिस अधीक्षक उपासना ने नागरिकों को साइबर ठगी से सतर्क करते हुए एक महत्वपूर्ण पुलिस एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि आजकल धोखेबाज लोग आमजन को लॉटरी, नकद इनाम, कार या अन्य महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान जीतने का झांसा देकर ठगी का शिकार बना रहे हैं। ये अपराधी एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज, फोन कॉल्स या फर्जी ईमेल के माध्यम से यह संदेश भेजते हैं कि आपने किसी लॉटरी में लाखों रुपये का इनाम जीता है या फिर कार व अन्य महंगे गिफ्ट्स प्राप्त करने के योग्य हुए हैं।

एसपी उपासना ने बताया कि जब कोई व्यक्ति ऐसे संदेशों पर विश्वास कर प्रतिक्रिया देता है, तो ठग उनसे पंजीकरण शुल्क, टैक्स या ट्रांजैक्शन फीस के नाम पर रुपये मांग लेते हैं। जैसे ही व्यक्ति भुगतान करता है, उसका पैसा ठगों के खाते में चला जाता है और बदले में उसे कुछ भी नहीं मिलता। कई मामलों में नागरिक अपनी पर्सनल बैंक डिटेल, डेबिट/क्रेडिट कार्ड जानकारी, ओटीपी या पहचान दस्तावेज तक साझा कर देते हैं, जिसका बाद में दुरुपयोग कर उनके खातों से राशि निकाल ली जाती है। उन्होंने कहा कि कोई भी कंपनी या व्यक्ति बिना आपकी भागीदारी के आपको लॉटरी या इनाम नहीं दे सकता। असल में ऐसे फर्जी ऑफर लोगों को झांसा देकर आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने की साजिश होते हैं। यदि आपको इस प्रकार का कोई संदेश, कॉल या ईमेल प्राप्त होता है तो उसे अनदेखा करें, किसी भी प्रकार की बैंक या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, तथा किसी भी लिंक या फॉर्म पर क्लिक न करें।

सुगनी देवी स्कूल मे इंटर हाउस मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

लाडवा, 9 अक्तूबर (रामगोपाल) : लाडवा के सुगनी देवी स्कूल मे इंटर हाउस मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे प्रत्येक सदन से कक्षा 6 से 12वीं तक की 24 छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्या पूजा छाबड़ा ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन छात्राओं के अंतर्निहित गुणों को उजागर करती है। इस प्रतियोगिता मे परोपकार सदन सबसे अधिक अंक लेकर प्रथम, सेवा सदन द्वितीय व कर्म सदन तृतीय स्थान पर रहा। प्रतियोगिता मे विजताओं को प्राचार्या पूजा छाबड़ा ने बधाई दी व सम्मानित किया।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान निसिंग में 13 अक्तूबर को लगेगा रोजगार मेला

चिड़ाव, 9 अक्तूबर (प्रवीन कुमार) : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप सह रोजगार मेले का आयोज 13 अक्तूबर सोमवार को प्रात: 9 बजे किया जाएगा। सह रोजगार मेले के संबंध में जानकारी देते हुए प्रिंसिपल जसविंदर सिंह संधू ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट शिरकत करेंगे। वहीं आईटीआई के पास आउट अभियार्थीयों को इस मेले में भाग लेने के लिए गूगल फॉर्म या क्यूआर कोड के द्वारा पंजीकरण करवा सकते है। जिसके लिए गूगल आनलाइन फॉर्म पर पंजीकरण होना आवश्यक है। वहीं आईटीआई में अभियार्थी पहुंचकर विस्तृत जानकारी भी हासिल कर सकते हैं।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पहुंचेंगे कम्पनियों के प्रतिनिधि एवं राजकीय कार्यालयों में अप्रेंटिस हेतु

1.मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड खरखौदा प्लांट, सोनीपत, 2 महिंद्रा एंड महिंद्रा मोहाली, 3 जय भारत मारुति गुड़गांव एवं खरखौदा, 4 यूएनओ मिंडा मानेसर, 5 एआईएसआईएन ऑटोमोटिव आईएमटी रोहतक, 6 कृष्णा मारुति आईएमटी खरखौदा सोनीपत, 7 पंजाब फैब्रिकेटर निसिंग, 8 बीडीपीओ कार्यालय चिडाव, 9 श्रम विभाग करनाल, 10 बीडीपीओ कार्यालय निसिंग, 11 नगर निगम निसिंग, 12 मार्केट कमेटी निसिंग, 13 सांवरिया भोजन एवं वसा निसिंग, 14 सन बॉयलर्स प्राइवेट लिमिटेड बड़ागांव। करनाल, 15 बेरी उद्योग करनाल, 16 तोयोत्सु अंबिका ऑटोमोटिव बादली झज्जर।

ड्रोन पायलट ट्रेनिंग के लिए आवेदन आमंत्रित

करनाल, 9 अक्तूबर (सोनी दुआ) : हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के जिला प्रबंधक चंद्र प्रकाश ने बताया कि विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के प्रार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन पायलट ट्रेनिंग करवाई जाएगी। ट्रेनिंग के लिए अनुसूचित जाति के वे आवेदक जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 3 लाख रुपये (परिवार पहचान पत्र अनुसार) से अधिक न हो। इसके साथ ही आवेदक की आयु सीमा 18 से 45 वर्ष व शैक्षणिक योग्यता कम से कम 10वीं पास होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ड्रोन पायलट ट्रेनिंग के लिए इच्छुक आवेदक 15 अक्तूबर 2025 से पहले जिला कार्यालय करनाल (15-ए. पहली मंजिल चमन गार्डन, अशोका होटल के पास, रेलवे स्टेशन के पास,) में सम्पर्क कर सकते हैं।

नसों में घुल रहा नशा-युवा पीढ़ी हो रही बर्बाद

– हर नागरिक की जिम्मेदारी है नशा मुक्त हो भारत

निसिंग, 9 अक्तूबर (जोगिंद्र सिंह) : भारत विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है, लेकिन आज यह अनेक सामाजिक समस्याओं से जूझ रहा है। इनमें से एक समस्या नशे की बढ़ती लत है, जिसने न केवल समाज की जड़ों को कमजोर किया है, बल्कि नई पीढ़ी के भविष्य को भी अंधकारमय बना दिया है। युवा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। उनकी ऊर्जा किसी भी देश की प्रगति और विकास की दिशा तय करती है। भारत विश्व का सबसे युवा देश है। यहां 65 फीसद से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है, लेकिन दुखद है कि देश आज नशे की समस्या से जूझ रहा है। नशे ने लोगों का सुख चैन तो छीन ही लिया है, अब लोगों के वंश और नस्लों पर भी बन आई है। शराब का नशा युवाओं की नसों में इस कदर दौड़ने लगा है कि परिवार के परिवार बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं। चिट्टा, गांजा, चरस, हेरोइन और स्मैक को हाई सोसाइटी प्रोफाइल का हिस्सा मानने वाले परिवारों के बच्चे जवानी में ही अपना सब कुछ गंवा रहे हैं। भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मां-बाप के पास बच्चों के लिए समय नहीं होता। बच्चों को उचित घरेलू शिक्षा नहीं मिल पाती, जिस कारण वे रास्ता भटक गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं। मादक पदार्थों का सेवन करने लगते हैं। पहले इसका सेवन फैशन या शौक से किया जाता जो अब धीरे-धीरे इसके आदि होते जा रहे हैं। शहर में कई ऐसी जगह शराब के ठेके हैं जहां सुबह से लेकर शाम तक नशेड़ी शराब लेने के लिए भीड़ लगाए रहते हैं।

नशे के लिए युवा कर रहे चोरी

शहर में युवाओं के रगों में नशा बसते जा रहा है। इन दिनों नशे की जड़ मजबूत हो गई है। नशे की आग में युवाओं की जवानी सुलग रही है। नशे में पीड़ित ये कम उम्र के युवा चोरी, मारपीट, छिनतई एवं लूटपाट जैसे अपराध की घटना को अंजाम दे रहे हैं। चंद रुपये की लालच में ये अपराध करते हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो चोरी, लूटपाट सहित अन्य वारदात में युवा वर्ग ज्यादा शामिल है।

व्यक्ति के जीवन को खोखला कर देता है नशा

नशा एक ऐसी समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति के जीवन को खोखला कर देता है। इसका असर नशा करने वाले व्यक्ति तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि नशे की लत का दायरा बहुत व्यापक होता है जो परिवार, समाज और यहां तक कि पूरे राष्ट्र को अपनी चपेट में ले लेता है। नशा करने वाला शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर कमजोर होने लगता है। लगातार नशा करने से हृदय रोग, फेफड़ों में समस्या और लीवर खराब होने के साथ कैंसर और अन्य घातक बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, जिससे वह दूसरी बीमारियों का भी शिकार बनता जाता है।

हर नागरिक की जिम्मेदारी है नशा मुक्त हो भारत

भारत को नशामुक्त बनाना केवल सरकार की ही नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। लोगों को नशा मुक्त बनाने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाना जरूरी है। स्कूलों और कालेजों में नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित विशेष कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। सोशल मीडिया, टीवी और अन्य माध्यमों से युवाओं को जागरूक किया जाना चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाए कि नशा एक झूठा सहारा है और यह उनके जीवन को बर्बाद कर सकता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए।

नमी के कठोर नियमों ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया सरकार तुरंत राहत दे : दुष्यंत चौटाला

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : कुरुक्षेत्र अनाज मंडी में जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने किसानों की व्यथा सुनी और मंडी का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई बारिश और मौसम की मार से किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, और नमी के नाम पर कठोर नियम किसानों के लिए अतिरिक्त बोझ बन गए हैं। चौटाला ने स्पष्ट किया कि सरकार को तुरंत नमी के नियमों में ढील देनी चाहिए और किसानों को उनके मेहनत का उचित मुआवजा प्रदान करना चाहिए, ताकि उनकी कमाई और भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि जेजेपी बार-बार यह मांग कर रही है कि खराब मौसम से प्रभावित किसानों को पूरा और न्यायसंगत मुआवजा मिले, लेकिन मौजूदा सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति बेपरवाह बनी हुई है। चौटाला ने कहा कि मंडियों में किसानों को नमी और तौल के नाम पर परेशान किया जा रहा है, जिससे किसानों में भारी रोष है, और यह स्थिति गंभीर

ध्यान देने योग्य है। उन्होंने यह भी कहा कि जेजेपी किसानों की पार्टी है और किसान हित ही उसकी राजनीति का मूल आधार है। पार्टी हमेशा किसानों की आवाज़ बनी रहेगी और यह संघर्ष सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगा। इस दौरान दुष्यंत चौटाला कंबोज ट्रेडिंग कंपनी पहुँचे, जहाँ मनिंदर सिंह किरमच सहित मंडी के किसानों और आढ़तियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। चौटाला ने मंडी का विस्तृत दौरा किया, फसलों की नमी, तौल और गुणवत्ता का जायज़ा लिया और अधिकारियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि जेजेपी उनके साथ हमेशा खड़ी रहेगी और हर स्तर पर उनकी समस्याओं को उठाएगी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाला, युवा प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जसविंदर खैहरा, हल्का अध्यक्ष योगेश शर्मा, धना भगत सोसाइटी के प्रधान जगतार काजल, राजेश पायलट, और सूर्य प्रताप राठौर सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दुष्यंत चौटाला ने अंत में कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल ने हमेशा किसानों, मजदूरों और आम जनता की आवाज़ उठाई थी, और आज जननायक जनता पार्टी उसी विचारधारा पर डटी हुई है। हरियाणा का किसान यदि खुशहाल होगा तो प्रदेश अपने आप तरक्की करेगा।

नपा प्रशासन व स्कूल स्टाफ ने स्वच्छता प्रतियोगिता का किया आयोजन

असंध, 9 अक्तूबर (दलसिह मान) : हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान हर गली हर मकान स्वच्छता हरियाणा की पहचान अभियान के तहत नगरपालिका सचिव प्रदीप कुमार जैन व नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता अरड़ाना के आदेशानुसार लगातार स्वच्छता से संबंधित गतिविधियां की जा रही है। नगर के डेरा गामा रोड पर स्थित सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल में प्रिंसिपल सिस्टर गोल्डी की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन प्रेरकों की अगुवाई में बच्चों द्वारा स्वच्छता कंपटीशन प्रतियोगिता करवाई गई। इस स्वच्छता प्रतियोगिता में आठवीं, नौवीं, दसवीं कक्षा के बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इसमें स्कूल से तकरीबन 40 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने अच्छे अच्छे स्वच्छता से संबंधित सुंदर सुंदर स्लोगन व ड्राइंग बनाई। व स्वच्छ असंध, स्वस्थ असंध, हम सब ने ठाना है असंध शहर को स्वच्छ बनाना है। असंध शहर साफ हो इसमें हम सबका हाथ हो व बहुत सुन्दर-सुंदर स्वच्छ भारत मिशन के तहत चित्र भी बनाए गए। जिन बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया उन बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय किया गया। जैसे कि स्वच्छता प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से प्रथम गुरमीत रही। द्वितीय सोनिया, तृतीय नवजोत सिंह रहे। कक्षा दसवीं के कर्म प्रथम रहे।

द्वितीय सातवीं कक्षा से गुर्लिन व तृतीय खुशी नौवीं कक्षा से प्रथम आस्था रही। नौवीं कक्षा से द्वितीय मोहित व तृतीय रोहित रहे। इन सभी बच्चों को प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर आने पर नगरपालिका प्रेरकों द्वारा कॉपी, पेन देकर सम्मानित किया गया। व जिन बच्चों ने स्वच्छता प्रतियोगिता में भाग लिया था उन सभी बच्चों को भी पेन देकर के मान सामान किया गया। प्रेरक जसमेर ने सभी बच्चों से अपील की है कि वे भविष्य में भी स्वच्छता प्रतियोगिता, चित्रकला, पेंटिंग प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर भाग लें। इस मौके पर अजमेर, जसमेर, शिक्षक सिस्टर अल्फोंसा, सिस्टर सेलमा, सरोज, सुनीता, मीनू, अदिती, विकास, रवि, सुखविंदर, प्रिया, योगेश, प्रदीप, बबीता, मधुमिता, पूनम, दलजीत व सत्या आदि स्टाफ मौजूद रहा।

डीसी ने समाधान शिविर में सुनी जन शिकायतें

हिसार, 9 अक्तूबर (ब्यूरो) : डीसी अनीश यादव ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ वीरवार को समाधान शिविर के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को सुना। नागरिकों की अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निदान किया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए। समाधान शिविर में गांव पंघाल निवासी छबील दास की खेत से पानी निकलवाने व गांव कुंभा खेड़ा निवासी सतीश कुमार द्वारा स्थाई रूप से खाल खुलवाने की मांग पर उपायुक्त अनीश यादव ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को उचित कार्यवाही करते हुए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। वहीं शास्त्री नगर निवासी रामनिवास द्वारा गली में सीवरेज पानी निकालने की मांग समाधान शिविर में प्राप्त हुई, जिस पर उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को मामले की जांच कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत खानपुर द्वारा हिसार से घिराय जाने वाली बस का रूट खानपुर-सिंधड़ तक बढ़वाने की मांग पर उपायुक्त ने महाप्रबंधक रोडवेज को विभागीय कार्यवाही करते हुए मामले का उचित समाधान करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार खेत से सामान चोरी, जमीन पर नाजायज कब्जे, रास्ते के निर्माण, बरसात का पानी निकलवाने आदि की शिकायत समाधान शिविर में रखी गईं, जिस पर उपायुक्त अनीश यादव ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामले की गहनता से जांच करने की हिदायत दी। समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा, नगराधीश हरिराम, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बेटियों का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

बेटियों के सम्मान में हुआ अभिनंदन कार्यक्रम, समाजसेवी जगबीर मलिक रहे मुख्य अतिथि

घरौंडा, 9 अक्तूबर (नरेंद्र लाठर) : राजकीय प्राथमिक विद्यालय अलीपुर खालसा में पीएम पोषण योजना के तहत बेटी का जन्मदिन स्कूल में अभिनंदन कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अक्तूबर माह के प्रथम सप्ताह में जन्म लेने वाली बेटियों का जन्मदिन विशेष रूप से मनाया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी जगबीर मलिक (वीरू) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बेटियों का जन्मदिन स्कूल में मनाना एक सराहनीय पहल है, इससे समाज में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश सशक्त होता है। शिविर के दौरान जगबीर मलिक ने मिड डे मील के तहत विशेष पौष्टिक भोजन बनवाकर बच्चों को परोसा और सभी बेटियों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि अन्य विद्यार्थियों में भी बेटियों के प्रति सम्मान की भावना

जागृत होती है। इस मौके पर विद्यालय के प्रिंसिपल विनोद सैनी, हेड रामकुमार, अध्यापक अमरदीप मलिक, हरदीप मलिक, अध्यापिका ऊषा और नीलम सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। जन्मदिन मनाने वाली बेटियों को स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने इस कार्यक्रम को विभाग का सराहनीय कदम बताया और भविष्य में भी इस प्रकार के प्रेरणादायी आयोजन नियमित रूप से करने का संकल्प लिया।

आर्य कन्या महाविद्यालय गुरुकुल मोर माजरा में महिला प्रकोष्ठ द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

असंध, 9 अक्तूबर (दलसिह मान) : आर्य कन्या महाविद्यालय, गुरुकुल मोर माजरा, करनाल में महिला प्रकोष्ठ की ओर से मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता में अनेक छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डा. संदीप कंधवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए की । उन्होंने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मेहंदी कला हमारी परंपरागत सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी को सीखना और आगे बढ़ाना चाहिए। प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न आकर्षक डिज़ाइन बनाकर अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति का परिचय दिया। पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह की डिज़ाइनों ने सभी का मन मोह लिया। कॉलेज परिसर रंगों और उत्साह से भर गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर देना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना है। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के कार्य की सराहना की और विजेता छात्राओं के नाम घोषित किए। खुशी ने प्रथम स्थान, पायल और शगुन ने द्वितीय स्थान एवं नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। प्राचार्य महोदय ने विजेता छात्राओं को बधाई दी और सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कॉलेज की छात्राएँ न केवल पढ़ाई में बल्कि कला और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी पहचान बना रही हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सबने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर सामूहिक फोटो खिंचवाया और वातावरण आनंदमय रहा।

रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब करेगा 16वां दिवाली मेला आयोजित

लाडवा, 9 अक्तूबर (राम गोपाल) : शहर की अंतर्राष्ट्रीय सामजिक संस्था रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब द्वारा दिवाली मेले का आयोजन किया जायेगा। प्रोजेक्ट चेयरमैन अंकुर गुप्ता ने बताया कि तीनो क्लबों द्वारा पहली बार इस वर्ष 10 अक्तूबर से 12 अक्तुबर तक शिवाला रामकुंडी में तीन दिवसीय दिवाली मेला आयोजित किया जाएगा जिसके लिए क्लब के सभी सदस्यों की एक बैठक क्लब प्रधान संजीव जिंदल की अध्यक्षता में रोटरी भवन में आयोजित की गयी।

बैठक में दिवाली मेले की तैयारियों को लेकर चर्चा की गयी और विभिन्न कार्यों के लिए विभिन्न सदस्यों की जिम्मेदारियां लगाई गयी। क्लब के प्रधान संजीव जिंदल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि लाडवा शहर को इस कार्यक्रम का इंतज़ार रहता है जिसमें तीनों दिन मंचीय कार्यक्रम भी शामिल रहेंगे।

उन्होंने 10 अक्तूबर को करवा चौथ का त्यौहार वहीं मनाने के लिए क्षेत्रवासियों को आमंत्रित किया जहाँ युगल मनोरंजक गेम्स, नृत्य आदि का भरपूर आनंद लेने के साथ साथ पहली बार सामूहिक रूप से चाँद देख कर अर्घ दे पाएंगे। 11 अक्तूबर को जादूगर सम्राट गौरव अपनी जादू की कला से सबको मोहित करेंगे। वहीँ क्षेत्रवासी डांडिया खेल कर त्योहारों के माहौल का आनंद उठा सकते हैं और 12 अक्तूबर को डांस प्रतियोगिता व फैशन शो का लुत्फ़ उठा सकते हैं। दिवाली मेले में मुख्य अतिथि के रूप में 10 अक्तूबर को जी आर एम फूड्स के चेयरमैन प्रदीप गर्ग शिरकत करेंगे।

वहीं 11 अक्तूबर को सेंसस पेपर के चेयरमैन प्रदीप सैनी मुख्यातिथि के रूप में शामिल होंगे वहीँ इनरव्हील क्लब की प्रधान मोनिका बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे और 12 अक्तूबर को समाजसेवी सचिन गर्ग मुख्यातिथि व पानीपत से समाजसेवी अजय सिंगला विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बैठक के अंत में लक्की ड्रा निकाला गया जिसके विजेता अरुण करूड़वाल, अंकुर गुप्ता व सुमीत गर्ग रहे।

जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता रविवार को

मूनक 9 अक्तूबर (जय भगवान) : खंड मूनक के गांव गगसीना में रविवार को जिला स्तरीय मैच प्रतियोगिता कुश्ती का आयोजन राजीव गांधी स्टेडियम गौशाला के पास किया जाएगा। जिसमें 24 से 74 किलो वेट के खिलाड़ी इसमें भाग ले सकते हैं। इसमें 74 किलो टाइटल का करनाल जिले का सबसे खिलाड़ी चुनने का उद्देश्य है।

इसी के खेल के दौरान ऑल इंडिया पुलिस में सिल्वर मेडल जीतने पर गांव की तरफ से युवा को सम्मानित भी किया जाएगा। माशा पहलवान ने बताया कि यह कुश्ती 11 बजे से शुरू की जाएगी 5 बजे सम्मान समारोह किया जाएगा। जिसमें खिलाड़ियों को उचित इनाम देकर सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता कराने से बच्चों में हौसला बढ़ता है। वह अलग से कुछ सीखने को मिलता है। हमें इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए जो खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा अवसर भी होता है।

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना तथा पीएम सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए हो रही है कारगर साबित : उत्तम सिंह

करनाल, 9 अक्तूबर (परमजीत कौर) : डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रही है। इन योजनाओं के फार्म प्रत्येक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं।

इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर दो लाख रुपए तक का बीमा होता है। डीसी ने बताया कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए दो स्कीमें चलाई हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना सामान्य परिवार को मुश्किल की घड़ी में आर्थिक समर्थन देकर मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष तक की आयु के व्यक्ति नामांकन करवा सकते है। योजना के तहत 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करवाना होता है तथा इससे 2 लाख रुपए के जीवन बीमा का संरक्षण मिलता है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक दुर्घटना बीमा योजना है। इस योजना के तहत 18 से 70 वर्ष तक के नागरिक अपना दुर्घटना बीमा करवा सकते हैं। केवल 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर इस योजना में दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा संरक्षण प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि इन बीमा योजनाओं का प्रीमियम उपभोक्ता के बैंक या डाकघर खाते में से ऑटो डेबिट होता है तथा दावे की राशि संबंधित के बैंक खाते में सीधे जमा हो जाती है। इन योजनाओं में नामांकन करवाने के लिए अपने नजदीकी बैंक शाखा अथवा डाकघर से संपर्क करें। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

मेक इन इंडिया से मेक फॉर द वर्ल्ड तक भारत का सफर आत्मनिर्भरता की मिसाल : रणधीर पनिहार

हिसार, 9 अक्तूबर (ब्यूरो) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा लिख रहा है। आत्मनिर्भर भारत का आधार स्वदेशी संकल्प है। यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि देश की आत्मा से जुड़ा हुआ जनआंदोलन है। स्वदेशी अपनाने से ही भारत का आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक उत्थान संभव है। दुनिया में योग, आयुर्वेद, हस्तशिल्प, परंपरागत उद्योग आदि वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुके हैं। यह बात नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने वीरवार को नलवा हलके के आजाद नगर क्षेत्र में हर घर स्वदेशी-घर-घर स्वदेशी व जीएसटी कटौती को लेकर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि स्वदेशी संकल्प का अर्थ केवल देश में बने उत्पादों को खरीदना नहीं, बल्कि देश की मिट्टी, किसानों, कारीगरों, लघु उद्योगों और युवाओं के श्रम का सम्मान करना है। जब हम स्वदेशी अपनाते हैं, तब हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि देश की आत्मा को भी सशक्त बनाते हैं। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि स्वदेशी संकल्प, आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों के जरिए आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, डिजिटल और औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से स्वावलंबन की ओर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं संकट में थीं, तब भारत पीपीई किट, वैक्सीन और वेंटिलेटर जैसे आवश्यक उत्पाद स्वदेशी स्तर पर बनाकर आत्मनिर्भरता का जीवंत परिचय दिया। विधायक रणधीर पनिहार ने

कहा कि आज गांव-गांव तक डिजिटल क्रांति पहुंच चुकी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश बन चुका है। ऑनलाइन भुगतान प्रणाली ने भारत को तकनीकी रूप से दुनिया में अग्रणी बनाया है। यह सब स्वदेशी नवाचारों और आत्मविश्वास का परिणाम है। अब हर नागरिक को हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का संकल्प लेना चाहिए। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश स्पष्ट है कि जो भी खरीदो, वह भारत में बना होना चाहिए। चाहे दीवाली के दीये हों, मूर्तियां हों या घरेलू सामान, उसमें भारत की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए। भारत आज स्वदेशी ताकत और किसानों की मेहनत से कृषि उत्पादन में नई ऊंचाइयां छू रहा है। देश न केवल चना उत्पादन में विश्व में अव्वल स्थान पर है, बल्कि बाजरा उत्पादन के क्षेत्र में भी भारत ने वैश्विक स्तर पर अपना परचम लहराया है। इसके अलावा भारत केला, अदरक, प्याज, आम और मसालों के उत्पादन में भी अग्रणी देशों में शामिल है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वदेशी संकल्प के वाहक बनें, अपनी भाषा, अपनी वेशभूषा और अपने उद्योग को सम्मान दें। स्वदेशी का अर्थ केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि आत्मगौरव और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद, दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगड़ी और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने स्वदेशी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न देखा था। आज वही स्वप्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में साकार होता दिख रहा है। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह आत्मनिर्भर भारत अभियान का हिस्सा बने। स्वदेशी को जीवनशैली में अपनाना ही सच्ची देशभक्ति है। हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का यह मंत्र तभी सफल होगा जब समाज के हर वर्ग की भागीदारी होगी। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर यह प्रण लेना चाहिए कि जो भी खरीदेंगे, जो भी उपयोग करेंगे, वह भारत में बना होगा। स्वदेशी अपनाना ही आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। यही हमारे राष्ट्र की शक्ति, सम्मान और भविष्य का मार्ग है। इस दौरान उन्होंने नागरिकों की समस्याओं की भी सुनवाई की। इस अवसर पर हिसार जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, भाजपा नेता जितेंद्र पनिहार, जिला प्रवक्ता पीयूष मेहता, चेयरमैन मार्केट कमेटी सुरेंद्र बेदी, जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, जोगीराम खुंडिया, पार्षद गुलाब धानक, पार्षद राजेंद्र बिडलान, पार्षद राजेश अरोड़ा, पार्षद सुरेश जांगड़ा, जिलाध्यक्ष एससी मोर्चा राजकुमार इंदौरा, पूर्व पार्षद सतीश सुरलिया, मंडल अध्यक्ष सुमन, पूर्व पार्षद पिंकी शर्मा, कुलदीप दुग्गल, अनिल गोदारा सहित अन्य उपस्थित रहे।

खरीद एजेंसियों ने अब तक खरीदी 424087 मीट्रिक टन धान : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र के खरीद केन्द्रों व मंडियों में धान की खरीद का कार्य खाद्य आपूर्ति एवं हैफेड एजेंसी द्वारा शुरू कर दिया गया है। इन दोनों एजेंसियों ने 8 अक्टूबर देर सायं तक 424087 मीट्रिक टन धान की खरीद का कार्य पूरा कर लिया है। इस सीजन में धान का 2389 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में धान की खरीद करने के लिए 22 खरीद केन्द्र व मंडिया स्थापित की गई है। इन मंडियों से खाद्य आपूर्ति, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन की तरफ धान की खरीद का कार्य किया जा रहा है। इस सीजन में खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा अजराना कला मंडी से 2477 एमटी, अमीन मंडी से 1132 एमटी, बाबैन मंडी से 18740 एमटी, बोरसैदां से 1976 एमटी, चढुनी जाटान मंडी से 2673 एमटी, गुमथला गढू से 7550 एमअी, इस्माईलाबाद मंडी से 20722 एमटी, झांसा मंडी से 12341 एमटी, थानेसर मंडी से 67448 एमटी, लाडवा मंडी से 51889 एमटी, गांव नलवी से 1480 एमटी, पिहोवा मंडी से 53730 एमटी, पिपली मंडी से 25261 एमटी, शाहबाद मंडी से 66828 एमटी, थाना से 1359 एमटी, ठोल मंडी से 9899 एमटी धान खरीदा गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हैफेड द्वारा गांव बाबैन मंडी से 7057 एमटी, बारना मंडी से 603 एमटी, बोधनी से 700 एमटी, इस्माईलाबाद मंडी से 17619 एमटी, कराह साहब से 1470 एमटी, कुरुक्षेत्र मंडी से 10139 एमटी, लाडवा मंडी से 14764 एमटी, लुखी से 335 एमटी, मलिकपुर से 1463 एमटी, नीमवाला से 330 एमटी, पिहोवा मंडी से 16433 एमटी, पिपली मंडी से 203 एमटी, शाहबाद मंडी से 6140 एमटी व ठोल मंडी से 1326 एमटी धान की खरीद की गई है। उन्होंने कहा कि खाद्य आपूर्ति और हैफेड द्वारा कुल 424087 एमटी धान की खरीद की जा चुकी है। इस सीजन में एजेंसियों द्वारा तेजी के साथ खरीद का कार्य किया जा रहा है। इस सीजन में अधिकारियों को विशेष हिदायत दी गई है कि उठान कार्य पर विशेष फोकस रखा जाए ताकि व्यापारियों और किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए। उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के आदेश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यवस्था और प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। ऐसे में किसान सहभागी बनते हुए खरीद प्रक्रिया में अपना योगदान दें। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी धान की फसल को अच्छी तरह से सुखाकर एवं साफ करके मंडी में लाएं।

नशा व्यक्ति के जीवन व परिवार को बर्बाद करता है : थाना प्रभारी

शाहाबाद, 9 अक्तूबर (रूबी) : थाना प्रभारी सुनील वत्स ने गुरुवार को रोटरी क्लब एवं सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जागरूकता कैंप में कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं उसके परिवार को भी बर्बाद कर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को ड्रग्स के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया ओर कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सडक़ सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है, इसलिए हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग हमेशा करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और यातायात संकेतों का पालन करें। इसके साथ ही एसएचओ वत्स ने साइबर क्राइम

पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सावधान करते हुए कहा कि किसी भी अज्ञात नंबर से आने वाली कॉल या लिंक पर भरोसा न करें, किसी को भी अपनी व्यक्तिगत जानकारी या बैंक डिटेल साझा न करें, और यदि किसी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी हो तो तुरंत 1930 नंबर पर कॉल करें। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। रोटरी क्लब प्रधान एवं स्कूल प्राचार्य डा. आरएस घुम्मन ने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राजकुमार गर्ग, एसएस आहूजा, एससी सिंगला, सुनील बावेजा, परवीन ठुकराल, एसएस खुराना, स्कूल कोऑर्डिनेटर मनिंदर सिंह घुम्मन व मोनिका घुम्मन, उप-प्रधानाचार्य सतबीर सिंह, प्रबंधक मनोज भसीन सहित स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

विश्व दृष्टि दिवस पर दयाल सिंह कॉलेज में नेत्र जांच शिविर आयोजित

करनाल, 9 अक्तूबर (संदीप रोहिला) : विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर दयाल सिंह कॉलेज, करनाल में आज नेत्र स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कॉलेज की रेड क्रॉस सोसायटी, रेड रिबन क्लब, ब्लड डोनर क्लब एवं एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को आंखों की देखभाल के प्रति जागरूक करना और उन्हें नि:शुल्क नेत्र जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध

कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. आशिमा गक्खड़ के प्रेरक संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में आंखों की देखभाल अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि अधिक स्क्रीन टाइम और अनियमित जीवनशैली दृष्टि को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित नेत्र जांच कराने और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर अरोड़ा आई हॉस्पिटल, करनाल की डॉ. अकांक्षा के नेतृत्व में आई विशेषज्ञों की टीम ने कुल 167 विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जांच की। विशेषज्ञों ने डिजिटल थकान, निकट दृष्टिदोष, स्क्रीन टाइम के प्रभाव जैसी समस्याओं पर विस्तृत जानकारी दी और उचित परामर्श दिया। शिविर में विद्यार्थियों की उत्साही भागीदारी रही। रेड क्रॉस, रेड रिबन, ब्लड डोनर क्लब एवं एनएसएस इकाइयों के स्वयंसेवकों ने व्यवस्थापन और समन्वय में उत्कृष्ट योगदान दिया। कॉलेज प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वास्थ्य चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। कॉलेज ने भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग ने ली स्टेकहोल्डर बैठक

यमुनानगर, 9 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्यों ने बाल संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विषयों को लेकर सभी स्टेकहोल्डर सदस्यों की बैठक ली। आयोग सदस्य अनिल कुमार और श्याम शुक्ला ने कहा हर बचपन सुरक्षित और संरक्षित हो इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। बच्चे अक्सर सही गलत का फर्क नहीं जानते ऐसे में इसकी पहचान करना जरूरी है। बच्चों को हमें आरंभ से ही जागरूक करना होगा इसके लिए अचूक प्रयास करने होंगे। बैठक के दौरान सभी स्टेकहोल्डर को एक साथ मिलकर बच्चों के प्रति हो रहे अपराधों पर लगाम कसने के लिए एक सुरक्षित तंत्र बनाने के लिए कहा। बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार, सदस्य बाल कल्याण समिति पूनम अग्रवाल, सदस्य बाल कल्याण समिति सुशील गुलाटी, सदस्य बाल कल्याण समिति एडवोकेट मोनिका, प्रीति शर्मा, डी एस पी यमुनानगर, सभी विभागों से प्रतिनिधि, जिला बाल

संरक्षण इकाई स्टाफ, सपोर्ट पर्सन्स मौजूद रहे। आयोग सदस्य अनिल कुमार ने कहा कि सभी विभागों को समन्वय बनाते हुए बच्चों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करनी जरूरी है। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का उद्देश्य हर बचपन सुरक्षित करना और बाल संरक्षण प्रणाली सुनिश्चित करना। जिला स्तर पर मिशन वात्सल्य के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा कार्य किये जा रहे है। विभाग की ओर से स्पॉन्सरशिप एडॉप्शन फोस्टर केयर बाल देखरेख संस्थान आश्रय सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं वहीं जिले में बाल श्रम और बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। आयोग सदस्य श्याम शुक्ला ने कहा कि जब बचपन बेहतर होगा तभी एक बेहतर समाज की कल्पना की जा सकती है। बचपन हस्ता खेलता हो इसके लिए भी समाज में बाल अपराध पर लगाम लगानी होगी। कम उम्र में काम करना अपराध ही नहीं अमानवीय कृत है यह बच्चे का जीवन नष्ट कर देता है।

प्रशिक्षण शिविरों से युवाओं को अलग ही दिशा में जाने की मिलती है प्रेरणा : नीतीश अग्रवाल

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में एक प्रतिभा छिपी होती है। उस प्रतिभा के निखार के लिए ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों से युवाओं को अलग ही दिशा में जाने की प्रेरणा मिलती है।

पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल वीरवार को इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट ज्योतिसर और हरियाणा पुलिस विभाग के लिए खाद्य एवं पेय सेवा सह रसोइया एवं हाउस कीपर के लिए आयोजित सात दिवसीय कौशल विकास पाठ्यक्रम शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल लखेरा और प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने बनाई। प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने बताया कि संस्थान रेस्तरां सेवा, बुफे व्यवस्था, पेय प्रबंधन, मिठाई तैयार करने, केक बनाने और विभिन्न प्रकार की ब्रेड बनाने में कौशल विकसित करने का प्रयास कर रहा है। हाउसमैन (सफाई कर्मचारियों) को उचित गेस्ट हाउस प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह पहल पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र नीतीश अग्रवाल के नेतृत्व में जा रही है। विभाग की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षक अत्यधिक पेशेवर हैं।

उन्होंने कहा कि शेफ ट्रेनर सौरभ मोदी, योगेश सिंह, रजनीश भड़ाना ने रसोइयों को विभिन्न ब्रेड, केक, मिठाइयां बनाने का प्रशिक्षण दिया है और ज्योति और कुलदीप राणा हाउसमैन के लिए प्रशिक्षक हैं। अशोक कुमार, संजीव सैनी, सनी फोर ने सेवा, रेस्तरां और विभिन्न प्रकार के बुफे प्रशिक्षण का प्रशिक्षण दिया है। प्रधानाचार्य ने उम्मीदवार के उत्साह की सराहना की और प्रतिभागियों की प्रशिक्षण संबंधी कमी को पूरा करने की आशा व्यक्त की।

बॉडी पेंटिंग के माध्यम से सीखने की विद्या विद्यार्थियों के लिए नया अनुभव : प्रो.सतीश वत्स

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के रचना शरीर विभाग द्वारा कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में बॉडी पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बीएएमएस प्रथम वर्ष (2024-25 बैच) के विद्यार्थियों की 13 टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों ने मानव शरीर की सामान्य संरचना को रचनात्मक ढंग से बॉडी पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया।प्रतियोगिता में

मानसी, मुद्रिका और प्रणव की टीम ने गर्दन का अग्र त्रिकोण बनाकर उसमें कैरोटिड आर्टरी, इंटरनल जगुलर वेन, वेगस नर्व और ग्रंथियों जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं का सुंदर प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर रही निधि, लक्षिता, कीर्ति और निधि चौहान की टीम ने गर्दन की रक्त वाहिकाओं पर मॉडल तैयार कर बताया कि किस प्रकार धमनियां और शिराएं मस्तिष्क, सिर और गर्दन में रक्त का संचार करती हैं। तृतीय स्थान महक, पूजा, पारूल और निधि की टीम को मिला, जिन्होंने चेहरे की मांसपेशियों की रचना को दर्शाया और चेहरे के भावों में उनकी भूमिका समझाई। निर्णायक मंडल में प्रो. सतीश वत्स, प्रो. सचिन शर्मा और एसोसिएट प्रो. आशीष नांदल शामिल रहे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. वत्स ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को न केवल मानव शरीर की संरचना को व्यावहारिक रूप से समझने में मदद करती हैं, बल्कि उनमें रचनात्मक सोच और टीमवर्क की भावना भी विकसित करती हैं। वहीं, प्रो. सचिन शर्मा ने कहा कि बॉडी पेंटिंग के माध्यम से सीखने की यह विधा विद्यार्थियों के लिए एक नवीन अनुभव है, जिससे उन्हें पाठ्यक्रम की जटिल अवधारणाओं को याद रखना और समझना आसान हो जाता है। इस अवसर पर डॉ. संतोष शिंदे, डॉ. अक्षय दहिया, डॉ. सिमरन, डॉ. साक्षी, डॉ. प्रियंका एवं डॉ. सुमन विशेष रूप से उपस्थित रही।

समाधान शिविर में एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने सुनी आमजन की समस्याएं

यमुनानगर, 9 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : उपमंडल अधिकारी (ना.) व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने वीरवार को लघु सचिवालय व्यासपुर में आयोजित समाधान शिविर के दौरान आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। शिविर के दौरान एसडीएम ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक सप्ताह सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में विभिन्न विभागों से जुड़ी जन समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पुलिस विभाग, पंचायती राज

संस्थाएं और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों को इन शिविरों में लाया जा सकता है। जो समस्याएं तत्काल हल हो सकती हैं, उनका तुरंत निवारण कर दिया जाता है और बाकी शिकायतों पर तय समय सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। वीरवार को आयोजित शिविर में परिवार पहचान पत्र, बिजली, राशन कार्ड तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से संबंधित 2 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनको संबंधित विभाग को शीघ्र निपटान हेतु भेज दिया गया। समाधान शिविर में नायब तहसीलदार रविंद्र कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी नरेश पाल, सहायक अधीक्षक राजस्व हिमांशु, ग्राम सचिव विजयंत नेहरा, स्वास्थ्य विभाग से डॉ पवन, पंचायती राज साढौरा से एससीपीओ बृजेश शर्मा, बिजली विभाग व्यासपुर से जे ई रिंकल सिंह पशुपालन एवं डेयरी विभाग से डॉ विक्रांत, महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग से सुपरवाइजर कमलेश, क्रीड विभाग से विनोद कुमार, लिपिक मोहित व संजीव कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरु नानक खालसा कॉलेज के सात विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में पाया स्थान

करनाल, 9 अक्तूबर (संदीप रोहिला) : गुरु नानक खालसा कॉलेज, करनाल के एम.एससी. भूगोल चौथे सेमेस्टर के सात विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चूहड़ सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि च्विद्यार्थियों की यह सफलता न केवल उनके परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह कॉलेज के उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण की भी प्रतीक है। मेरिट सूची में शुभम ने 76.2 प्रतिशत अंक लेकर पहला स्थान, ज्योति ने 74.6 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा स्थान, सचिन ने 74.2 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान, तथा आकांक्षा ने 73 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चौथा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार जसमीन ने 71.6 प्रतिशत अंक के साथ

पांचवां, तान्या ने 69 प्रतिशत अंक के साथ आठवां, और प्रज्ञा ने 68 प्रतिशत अंक के साथ नौंवा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान स. कंवरजीत सिंह प्रिंस ने सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया और भविष्य में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि खालसा कॉलेज के विद्यार्थी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज के प्राध्यापकों प्रो. कीर्ति राणा, प्रो. कुलदीप सिंह तथा प्रो. विवेक चौधरी को दिया और कहा कि कॉलेज में शिक्षा ग्रहण करने के लिए अत्यंत अनुशासित, प्रेरणादायी और सहयोगपूर्ण वातावरण उपलब्ध है।

स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

बाबैन, 9 अक्तूबर (राजेश कुमार) : भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाबैन में आज रंगारंग सांस्कृतिक माहौल के बीच मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। बच्चों ने पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों की सुंदर झलक पेश की, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और भी आकर्षक बन गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता खन्ना ने प्रतियोगिता का निरीक्षण किया और प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का माध्यम हैं तथा कला के क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होती हैं। प्रिंसिपल सुनीता खन्ना ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कहा कि छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढक़र हिस्सा लेना चाहिए ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

समाज के अंतिम व्यक्ति की समस्या का हल करने के लिए जिला प्रशासन जारी करेगा व्हाटसअप नंबर : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति की समस्या का हल करने के लिए जिला प्रशासन व्हाट्सएप नंबर जारी करेगा। व्हाट्सएप के माध्यम से आने वाली शिकायतों को संबंधित विभाग के पास भेजकर उसका हल करवाया जाएगा। इस प्रक्रिया में नागरिकों का कार्यालयों तक आने का समय और खर्च दोनों की बचत होगी। इस व्हाट्सएप के माध्यम से जिला प्रशासन की योजनाओं को भी नागरिकों तक पहुंचाया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार रात इस्माइलाबाद ब्लॉक के गांव ठसका मीरा जी के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में बोल रहे थे। उपायुक्त ने गांव ठसका मीरा जी व आसपास के ग्रामीणों की 85 शिकायतों को सुना। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा का सरपंच मीना कुमारी ने पंचायत सदस्यों सहित पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और एक-एक करके सभी से योजनाओं की जानकारी ली। स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर सभी जिलों में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी दिशा में जिला ये पांचवां कार्यक्रम है। इसको आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रत्येक गांव में आयोजित करना संभव नहीं है। नागरिकों की समस्याओं को सुनने के लिए जिला प्रशासन ने प्रत्येक सोमवार व वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार और उपमंडल स्तर पर सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन भी किया जाता है। कोई भी नागरिक इन समाधान शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्या को रखा सकता है।

क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आए आवेदन की वेरिफिकेशन का कार्य पूरा

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जलभराव के समय इस्माईलाबाद क्षेत्र में किसानों की फसलों का काफी

नुकसान हुआ था। जिन किसानों ने खराबे को लेकर क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन किया था। उन सभी आवेदकों पर जिला प्रशासन ने वेरिफिकेशन का कार्य पूरा कर लिया है और पूरा कार्य उच्च अधिकारियों के पास भेजा गया है। जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रभावित किसानों को नियमानुसार खराबे की एवज में भरपाई स्वरूप सहायता राशि जारी करेंगे, जो सीधे ही किसानों के खातों में पहुंचेगी।

पानी निकासी के स्थाई समाधान की योजना बनाकर एस्टीमेट बनाने के निर्देश

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि गांव में पानी की निकासी ना होने के कारण मुख्य मार्ग पर खड़े गंदे पानी की निकासी का स्थाई समाधान किया जाए। इसके लिए एक्सईएन को स्थाई समाधान की प्लानिंग तैयार करने को कहा। इसके साथ ही जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन को एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने एक प्लाट दो व्यक्तियों के नाम जारी करने के मामले में बीडीपीओ के नेतृत्व में टीम को मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए।

बिजली का खंभा दीवार से हटाकर लगाने के दिए निर्देश

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि रात्रि ठहराव में करीब 10 शिकायतें बिजली विभाग संबंधित मिली है। इनमें से तीन परिवारों की शिकायत पर नए मीटर लगाने के निर्देश दिए। साथ ही दो शिकायतों पर घरों की दीवार के साथ लगे खंभों को दूर करने को कहा। उन्होंने एसडीओ को बिजली बिल, नए फीडर से लाइन जोड़ने व अन्य शिकायतों को भी समय पर निपटान करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने कहा कि परिवार पहचान पत्र संबंधी शिकायतों का समय पर निपटाने करने को कहा।

पंचायती भूमि पर 20 साल से मकान बनाकर रह रहे करवाएं रजिस्ट्री

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि लाल डोरा भूमि का स्वामित्व कार्ड बनाने के लिए जल्द ही सरकार की ओर से आदेश प्राप्त होंगे। इसको लेकर योजना तैयार की जा रही है। मौजूदा समय में जो परिवार पंचायती भूमि पर पिछले 20 साल से मकान बनाकर रह रहा है, वो वर्ष 2004 के कलेक्टर रेट का 1.5 गुणा रेट पर अपनी रजिस्ट्री करवा सकते हैं।

सरकार द्वारा कृषि भूमि को लेकर योजना तैयार है, जिसको जल्द ही लागू किया जाएगा।

स्कूल परिसर का मनरेगा से किया जाएगा भराव उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के परिसर में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए मनरेगा योजना के तहत भराव किया जाएगा। कमरों के खराब हुए फर्श को डी-प्लान योजना से बनवाया जाएगा और जलभराव से खराब हुए सोलर पैनल के इनवर्टर को भी जल्द ही ठीक करवाया जाएगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, सीईओ शंभू राठी, डीडीपीओ विकास, डीआरओ चेतना चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक, जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार, सरपंच मीना कुमार, सीडीपीओ पिहोवा नीतू रानी, ब्लॉक समिति सदस्य बलदेव, सोमनाथ, प्रवीन कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में पल्स पोलियो अभियान पर मिटिंग आयोजित

राजौंद, 9 अक्तूबर (नरेश कुमार पुहाल) : वीरवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में पल्स पोलियो अभियान की मीटिंग आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता डॉ संदीप सिंह ने की। मिटिंग के दौरान डॉ

संदीप सिंह ने बताया की 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक जीरो टू 5 साल के सभी बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई जानी है, इसलिए सभी स्वास्थ्य कर्मचारी आशा वर्कर आंगनवाड़ी वर्कर व वॉलिंटियर इसमें 0-5 साल के बच्चों को पोलियों के दो बूंद 12 अक्टूबर रविवार के दिन बूथ पर बैठकर बच्चों को दवा पिला कर अपनी भागीदारी निभाएं। अगले दो दिन घर-घर जाकर बचे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी इस अभियान में कोई भी बच्चा दवाई पीने से वंचित न रहे इसलिए भट्ठों पर मोबाइल टीम पोलियों की दवाई पिलाने का काम करेंगी। इसके अतिरिक्त बस अड्डों पर ट्रांसिट टीम बसों में सफर करने वाले बच्चों को दवाई पिलाएंगी। डॉ संदीप सिंह ने सभी ग्रामीण वासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को बूथ पर लाकर बच्चों को दवाई पिलाने का कार्य करें ताकि कोई भी बच्चा दवाई से वंचित न रहे। इस मीटिंग में स्वास्थ्य निरीक्षक जितेन्द्र, खंड विस्तार शिक्षक सुदेश व चिकित्सा अधिकारी डॉ रोहित नैन उपस्थित रहे।

कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध को रोकने के लिए केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि समाज की सोच बदलने की जरूरत : एडीसी

करनाल, 9 अक्तूबर (सुनील कुमार) : एडीसी सोनू भट्ट ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध को रोकने के लिए केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि समाज की सोच को बदलने की जरूरत है। समाज में बेटियों को बेटों के बराबर सम्मान देने और लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करने के लिए सामाजिक जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। एडीसी सोनू भट्ट वीरवार को नगर परिषद कार्यालय में प्रसव पूर्व लिंग

निर्धारण अधिनियम (पीएनडीटी एक्ट) के तहत गठित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एमटीपी सेंटरों की नियमित रूप से जांच की जाए और उनके रिकॉर्ड रजिस्टर को चेक किया जाए। इसके साथ ही, जिला के सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरों का भी समय-समय पर निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए ताकि पीएनडीटी अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जा सके। एडीसी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को उन गांवों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया जहां लिंगानुपात कम है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में आंगनवाड़ी वर्कर्स, एएनएम व आशा वर्कर नियमित बैठकें आयोजित कर लोगों को जागरूक करें।

इसके साथ ही सभी गांवों में पंजीकरण रजिस्टर मेंटेन हों तथा उसकी समय-समय पर समीक्षा की जाए। बैठक में उप सिविल सर्जन डॉ शीनू चौधरी ने बताया कि गत माह जिला का लिंगानुपात 926 था और प्रदेश में जिला का लिंगानुपात के मामले में स्थान पांचवां है। उन्होंने बताया कि पीएनडीटी एक्ट के तहत लगातार एमटीपी सेंटरों व अल्ट्रासाउंड सेंटरों का निरीक्षण किया जा रहा है। पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों और नियमों के उल्लंघन करने पर 5 वर्ष तक की सजा एवं 10 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है तथा नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ गुप्त सूचना देने वाले को एक लाख रुपये तक का इनाम देने का भी एक्ट में प्रावधान किया गया है।

बैठक में जिला न्यायवादी पंकज सैनी, डीएसपी मीना, सीडीपीओ करनाल रजनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नरवाना में दीपावली पर होगा धमाल, बच्चों की प्रतिभा निखारेगी डांस प्रतियोगिता

समाजसेवी अचल मित्तल व डॉ. मोनिका होंगी मुख्य अतिथि

नरवाना, 9 अक्तूबर (नरेंद्रसिंहमार) : दीपावली के पावन अवसर पर नरवाना शहर में सांस्कृतिक रंग बिखेरने के लिए मैक्सिक डांस स्टूडियो द्वारा एक भव्य नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता रविवार 12 अक्टूबर को एचएम किड्स प्ले स्कूल बीरबल नगर में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नृत्य अकादमी की निदेशक महक शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की छिपी हुई नृत्य प्रतिभा को मंच प्रदान करना है और उन्हें आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत होने का अवसर देना है।

प्रतियोगिता को दो वर्गों-कनिष्ठ (जूनियर) और वरिष्ठ (सीनियर)-में विभाजित किया गया है। दोनों वर्गों में बच्चों का विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।महक शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और शहर के कई बच्चों ने हिस्सा लेने के लिए उत्साह दिखाया है। विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार व उपहारों से सम्मानित किया जाएगा।

लाडवा कॉलेज में 48वे क्षेत्रीय युवा महोत्सव के सफल आयोजन हेतु करवाया हवन

लाडवा, 9 अक्तूबर (राम गोपाल) : इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज लाडवा प्रबंधक समिति के प्रधान पवन गर्ग ने बताया कि को लाडवा में स्थित कॉलेज को क्षेत्रीय युवा महोत्सव करवाने का गौरव दूसरी बार प्राप्त हुआ है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग द्वारा 48वें क्षेत्रीय युवा महोत्सव कुरुक्षेत्र ज़ोन के आयोजन का दायित्व हमारे कॉलेज को सौंपा गया है। यह तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव 11 से 13 अक्तूबर तक कॉलेज परिसर में आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रीय युवा महोत्सव की सफलता एवं सकारात्मक ऊर्जा के संचार हेतु वीरवार को कॉलेज यज्ञशाला में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन का आयोजन करवाया गया। प्रधान गर्ग ने कहा कि युवा महोत्सव केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का मंच नही। बल्कि यह युवाओं की सोच, सृजनात्मकता, नेतृत्व और सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। यह आयोजन हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और रचनात्मक क्षमताओं को निखारने का अवसर प्रदान करता है। प्राचार्य प्रो. कुशल पाल ने बताया कि कॉलेज इस महोत्सव को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बनाने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल प्रतिस्पर्धा का अवसर देना नहीं है, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक, बौद्धिक और सामाजिक दृष्टि से समृद्ध करने का माध्यम प्रदान करना है। युवा महोत्सव सहयोग, समरसता और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि जोनल यूथ महोत्सव की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं, एवं प्रतिभागी संस्थानों के स्वागत और समुचित व्यवस्था हेतु विशेष समितियों का गठन किया जा चुका है। डॉ. पाल ने क्षेत्रीय युवा महोत्सव की मेजबानी प्रदान करने के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के माननीय कुलपति प्रो. डॉ.सोमनाथ सचदेवा एवं युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला के प्रति अपनी हार्दिक

कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने जोनल यूथ महोत्सव की जानकारी देते हुए कहा कि इस महोत्सव में कुरुक्षेत्र ज़ोन के लगभग 70 महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएँ भाग लेंगे और नृत्य, संगीत, नाटक, वाद-विवाद, कविता-पाठ, चित्रकला, मिमीकरी, मोनो-एक्टिंग, हरियाणा लोक नृत्य, वेस्टर्न नृत्य सहित अनेक सांस्कृतिक विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएँ एवं गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे और हवन में आहूतियाँ डालकर आयोजन की सफलता की मंगलकामना की। रविन्द्र बंसल, सरदार जितेन्द्र सिंह गिल, निदेशक, हरियाणा बीज निगम लिमिटेड और चौ. शमशेर सिंह भी हवन में मुख्यरूप से मौजूद रहे।

आज कॉलेज की एन.एस.एस. ईकाई द्वारा प्राचार्य की स्वीकृति और निर्देशानुसार डॉ. सुमन सिवाच, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में कॉलेज परिसर में एक दिवसीय शिविर लगाया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य सफाई अभियान रहा, जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने परिश्रम के साथ कॉलेज की सफाई की और कॉलेज को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाने में अपना योगदान दिया। कॉलेज प्राचार्य ने सभी स्वयंसेवकों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

अब की सबसे बड़ी व भव्य प्रदर्शनी में सुमार है कुरुक्षेत्र में नए आपराधिक कानूनों पर 260 फीट 130 फीट में लगी प्रदर्शनी : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 9 अक्तूबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में नए आपराधिक कानूनों पर 260 फीट 130 फीट में लगी प्रदर्शनी अब की सबसे बड़ी व भव्य प्रदर्शनी में शुमार है। धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में प्रदेश की पहली ऐसी प्रदर्शनी लगी है, जिसमें कानूनी जांच प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन दिखाया जा रहा है। घटनाक्रम से लेकर जांच, तथ्य जुटाने, अस्पताल, जेल, कोर्ट की अनोखी प्रक्रिया के प्रदेशभर में चर्चा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी एन एस एस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के तीनों नए आपराधिक कानूनों पर आधारित है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि इस प्रदर्शनी की योजना में करीब 15 दिन का समय लगा था। इसके बाद प्रदर्शनी को केडीबी मेला ग्राउंड में तैयार करने में करीब 14 दिन का समय लगा। जिसको तैयार करने के लिए करीब 1150 कर्मचारियों व अधिकारियों ने रोजाना 20 घंटे तक काम किया है। उन्होंने कहा कि इन कामों में से 50 प्रतिशत कार्य बाहर से ही तैयार करके प्रदर्शनी में लाया गया। इसके बावजूद भी एक महीने में तैयारी हो पाई। इस प्रदर्शनी को तीनों आपराधिक कानूनों के आधार पर तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी का 3 अक्टूबर को गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उद्घाटन किया था। इस प्रदर्शनी को 11 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला प्रशासन ने नए आपराधिक कानूनी पर लगी प्रदर्शनी के लिए एक अभिनव क्यूआर कोड-आधारित डिजिटल फीडबैक पोर्टल की शुरुआत की है। नागरिकों की सुविधा के लिए हिंदी व अंग्रेजी भाषा के माध्यम से उनकी प्रतिक्रिया जाननी हैं। इसमें नागरिकों को अपना नाम, रेटिंग और टिप्पणियां दर्ज करके प्रदर्शनी के बारे में अपनी प्रतिक्रिया बताना है, जोकि बहुत ही आसानी और सरल है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के प्रश्न पूछने पर नए आपराधिक कानूनों से संबंधित जानकारी तुरंत देती है। इसमें नए कानूनों के तहत साइबर अपराधों से कैसे निपटा जाना है या जमानत प्रावधानों में क्या बदलाव हुए हैं आदि प्रश्नों के उत्तर बहुत ही कम समय उपलब्ध करवाती है।

श्री कपाल मोचन श्री आदि बद्री मेला 1 से 5 तक होगा आयोजित

यमुनानगर, 9 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : मेला प्रशासक एवं उपमंडल अधिकारी (ना.) व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य प्रशासक मेला कपाल मोचन एवं उपायुक्त यमुनानगर पार्थ गुप्ता के मार्गदर्शन में ऐतिहासिक मेला श्री कपाल मोचन-श्री आदि बद्री 1 नवंबर से 5 नवंबर 2025 तक आयोजित होगा। इस मेले में हरियाणा के साथ-साथ दूसरे राज्यों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु तीनों सरोवर में श्री ऋण मोचन, श्री कपाल मोचन व श्री सूरजकुंड में क्रमवार स्नान करने के लिए आते हैं।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रशासन का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हो। उन्होंने बताया कि मेला में आए हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाना प्रशासन की जिम्मेवारी है इसलिए जिन कर्मचारियों व अधिकारियों की ड्यूटी मेला कपाल मोचन में रहेगी, वह सेवा भाव से व जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। उन्होंने बताया कि मेला कपाल मोचन में सभी मार्गों से पेड़ों की टहनियां की छंटाई की जा रही है जिससे मेला में आने वाले श्रद्धालुओं व उनके वाहनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। सूरजकुंड सरोवर के पास ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्री निवास बनाया गया है जिसमें यात्री ठहर सकते हैं। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूरे कर लिए जाएंगे।

दीवाली से पहले जगमग होंगे डार्क जोन प्रत्येक वार्ड में लगाई जाएंगी सौ-सौ एलईडी लाइट

यमुनानगर, 9 अक्तूबर (दिनेश कुमार) : दीवाली से पहले नगर निगम के प्रत्येक वार्ड का डार्क जोन जगमग होगा। नगर निगम द्वारा प्रत्येक वार्ड के डार्क जोन में सौ-सौ एलईडी लाइट लगाई जाएगी। डीसी कैंप ऑफिस के सामने नगर निगम के नए भवन के लिए 2.3 एकड़ जमीन के लिए 40 करोड़ 40 लाख रुपये निगम को प्राप्त हो गए है। जल्द ही नगर निगम कार्यालय का निर्माण शुरू किया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का अभियंता शाखा के अधिकारी संबंधित वार्ड के पार्षदों को निरीक्षण कराएंगे। जितने भी विकास कार्य हो रहे है। विकास कार्य पूरा होने पर पार्षद के संतुष्टि पत्र के बिना संबंधित ठेकेदार की पेमेंट नहीं जारी की जाएगी। अब तक जारी किए संतुष्टि पत्रों की सप्ताह भर में सूची संबंधित पार्षदों को जारी की जाएगी। प्रॉपर्टी आईडी की त्रुटियां दूर करने को नगर निगम कार्यालय के सभागार में हर मंगलवार, बुधवार व शुक्रवार को कैंप लगाए जाएंगे। जहां मेकर व चेकर शहरवासियों की प्रॉपर्टी आईडी की त्रुटियां ठीक करेंगे। नगर निगम की जमीन की निशानदेही की बाउंड्री

की जाएगी। निगम की जिन जमीन पर कब्जा है, उसे पुलिस फोर्स की मदद से हटाया जाएगा। यह निर्णय वीरवार को मेयर सुमन बहमनी की अध्यक्षता में निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद की उपस्थिति में हुई सदन की साधारण बैठक में लिए गए। निगम क्षेत्र में संबंधित पार्षद को जानकारी दिए बिना बिजली के पोल लगाने पर सदन ने सर्वसम्मति से बिजली निगम व संबंधित जेई के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया। इनके अलावा बैठक में 58 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किए गए। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार व उप निगम कुलदीप मलिक ने एजेंडे में शामिल प्रस्ताव पढ़े। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने बताया कि शहर की विभिन्न समस्याओं का समाधान कराना नगर निगम की चुनौतियां है। फिर भी हम निगम संबंधित सभी कार्यों में प्रदेश में बेहतर स्थान पर है। जनसंवाद, संपत्ति सत्यापन, प्रॉपर्टी टैक्स रिलाइजेशन, स्वच्छता में हम अच्छा कार्य कर रहे है। 54.50 प्रतिशत संपत्तियां सत्यापित कर हर प्रदेश में पहले स्थान पर है। प्रॉपर्टी टैक्स रिलाइजेशन में गुरुग्राम व फरीदाबाद के बाद हमारा तीसरा स्थान है। स्वच्छता रैंकिंग में राज्य में हमारा 11 और देश में 47वां रैंक रहा। नगर निगम को प्रदेश में तीसरे और देश में दसवें स्थान पर लाने के लिए हम प्रयासरत है। शहर के विकास और जनसमस्याओं के समाधान को लेकर हुई बैठक में पार्षद रुचि शर्मा ने सफाई व्यवस्था, पार्षद दीक्षित धीमान ने डोर टू डोर कचरा संग्रहण, पार्षद विक्रम राणा ने विकास कार्यों के संबंध में पार्षदों से एनओसी लेने से जुड़ी समस्याओं, पार्षद विभोर पाहुजा व श्याम लाल शर्मा ने पार्कों की देखरेख व सीवरेज व्यवस्था, पार्षद हरजीत आनंद ने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, पार्षद जयंत स्वामी व संदीप धीमान ने अप्रूव्ड व अनअप्रूव्ड कॉलोनियों से जुड़े मुद्दों पर सवाल जवाब किए। स्ट्रीट लाइट के मुद्दे पर एसडीओ राजेश शर्मा ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में 41011 एलईडी लाइट लगाने का कार्य प्रगति पर है। 13 हजार लाइट लग चुकी है।

18 माह के भीतर लाइट लगाने का कार्य पूरा किया जाएगा। महापौर सुमन बहमनी ने दिवाली से पहले नगर निगम क्षेत्र को जगमग करने की बात कही। इस पर फैसला लिया गया कि नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में डार्क जोन चिन्हित कर उनमें 100-100 एलईडी लाइट लगाई जाएगी। पार्षद की अनुमति के बिना अपनी मर्जी से ठेकेदार कहीं भी कोई लाइट नहीं लगाएगा। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि सदन की बैठक का उद्देश्य नगर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करना रहा। सभी पार्षदों व निगम अधिकारियों के सहयोग, समर्थन और साथ से प्रत्येक वार्ड का संपूर्ण विकास होगा। सभी अधिकारी तालमेल बनाकर शहर के विकास को तीव्रता दें। मौके पर विशेष अधिकारी अनिल कुमार यादव, सीनियर अकाउंट ऑफिसर कृष्ण जैन, कार्यकारी अभियंता नरेंद्र सुहाग, विकास धीमान, क्षेत्रीय कराधान अधिकारी जितेंद्र मल्होत्रा, कार्यालय अधीक्षक संजय कुमार, मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन, हरजीत सिंह, विनोद बेनीवाल, सहायक अभियंता मृणाल जेयसवाल, मुनेश्वर भारद्वाज, राकेश जून, दीपक, राजेश शर्मा, सुरेंद्र दहिया व सभी वार्डों के नगर निगम पार्षद व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जैन समाज का गौरवशाली एवं प्रेरणादायी इतिहास

विजय कुमार जैन

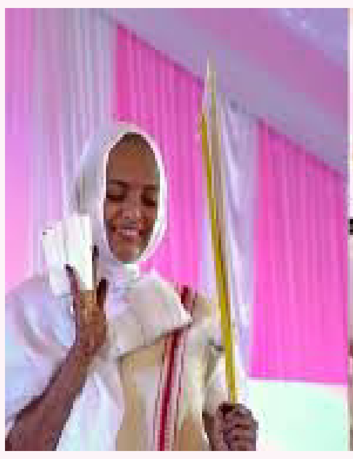

जैन समाज वर्तमान में शासकीय आंकड़ों से भले ही अल्पसंख्यक की श्रेणी में आ गया है। मगर हम गर्व से कह सकते हैं। जैनों का अतीत का इतिहास गौरवशाली रहा है। कभी ईशा से 1000 वर्ष पूर्व जैनों की जनसंख्या 40 करोड़ थी, जो ईशा से 500 -600 वर्ष पूर्व 25 करोड़ तथा अकबरे आईनी के अनुसार सन 1556 ईस्वी में अकबर के शासनकाल में जैन समाज की जनसंख्या 4 करोड़ थी। एक अंग्रेजी गजट के अनुसार सन 1947 में जैनों की जनसंख्या 9 करोड़ थी एवं पिछली जनगणना के अनुसार भारत में जैनों की जनसंख्या मात्र 44.02 लाख ही रह गई।

हम भले ही सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत वर्ष में मात्र 44 लाख रह गए हैं, मगर जैन समाज का गौरवशाली इतिहास हमें प्रेरणादायी एवं भगवान महावीर के जिओ एवं जीने दो के अहिंसा सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा देता है। जैन संस्कृति विश्व की महान एवं प्राचीन संस्कृतियों में एक है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई से प्राप्त मुद्रा एवं उस पर अंकित ऋषभदेव का सूचक बैल तथा सील नंबर 449 पर स्पष्ट रूप से जैनेश्वर शब्द का अंकन होना तथा वेदों की 141 ऋचाओं में भगवान ऋषभदेव का आदर पूर्वक उल्लेख इस संस्कृति को वेद प्राचीन संस्कृति सिद्ध करती है। हमारे देश भारतवर्ष का नाम ऋषभदेव के पुत्र चक्रवर्ती भरत के नाम से भारत विख्यात है,जो कि जग जाहिर प्रमाण है। विष्णु पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उड़ीसा के खंडगिरि स्थित खारवेल के शिलालेख पर भरतस्य भारत रूप प्रशस्ति को देखकर ही इस देश के संविधान में नामकरण भारत किया था। राजा श्रेणिक, सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य, कलिंग नरेश खारवेल तथा सेनापति चामुंडराय जैन इतिहास के महान शासक हुए हैं। जैन पुराणों के अनुसार सती चंदन वाला, मैना सुंदरी एवं रानी रेवती आदि अनेक महान सम्यक दृष्टि जैन नारियां हुई है। नारी स्वतंत्रता के प्रतीक भगवान महावीर के चतुर्विधि संघ में कुल 36000 आर्यिकायें थी। मुगल काल में सम्राट अकबर एवं जहांगीर के द्वारा समय-समय पर जैन साधुओं के उपदेशों से प्रभावित होकर जजिया कर माफी एवं पर्यूषण पर्व आदि के अवसर पर पशुबध बंदी के अनेक फरमान जारी किए गए हैं। अंग्रेज शासको के द्वारा भारत में सन 1818 में भगवान पार्श्वनाथ एवं सन 1839 में भगवान महावीर पर सिक्के जारी किए गए थे। आज से लगभग 6000 वर्ष पूर्वोत्तर भारत में सरस्वती नदी के तट पर आत्म मार्गी अनुज पद की राजधानी कालीबंगा स्थित थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के गंगानगर जिले के आसपास का क्षेत्र आता था। इस अनुज पद के जैन आचार्य ओनसी थे, जो कि तत्व ज्ञान, जैन दर्शन, राजनीति एवं अर्थतंत्र के अपने समय के पारंगत विद्वान हुआ करते थे। ईसा से 4000 वर्ष पूर्व जैन धर्म यूरोप, रूस, मध्य एशिया, लघु एशिया, मैसोपोटामिया, मिश्र, अमेरिका, यूनान, बेबीलोनिया सीरिया, सुमेरिया, चीन, मंगोलिया, उत्तरी और मध्य अफ्रीका, भूमध्य सागर, रोम, इराक, अरविया, इथोपिया, स्वीडन, फिनलैंड, ब्रह्म देश, थाईलैंड, जावा, सुमात्रा एवं श्रीलंका में छा गया था। भारत में लक्षद्वीप को छोड़कर सभी राज्यों में जैन समुदाय के लोग रहते हैं। विदेशों में सर्वाधिक संयुक्त राज्य अमेरिका में एक लाख से अधिक जैन रहते हैं। वहां पर 26 जैन मंदिर एवं 100 विशिष्ट जैन मंडल हैं। यूनाइटेड किंगडम में 35000 एवं अफ्रीका में 20000 जैन रहते हैं। बेल्जियम के कच्चे हीरे के दो तिहाई व्यापार पर जैन भारतीयों का वर्चस्व है ।भारत के बाहर आयरलैंड, पोर्ट्सबार, हर्ट फोर्ड शायर, लॉस एंजिल्स, न्यू जर्सी, लीसेस्टर, ग्रेटर फिनिक्स, लंदन नैरोबी, मुंबई, सिंगापुर तथा बैंकॉक ऑस्ट्रेलिया एवं तथा जापान में प्रवासी जैन समुदाय के लोग रहते हैं। चीन में 13000 वर्ष पूर्व करीब 28000 जैन मंदिर थे? इजराइल में भगवान ऋषभनथा के पिता नाभि राय और माता मरुदेवी की पूजा होती है। एक जर्मन विद्वान ने दिल्ली में आयोजित एक विचार गोष्ठी में बतलाया था कि जर्मन नाम सरमन से पड़ा है। 16वीं सदी में गोवा पूरी तरह जैन राज्य था। जैन धर्म को अंतरराष्ट्रीय धर्म के संगठन में दसवें धर्म के रूप धर्म के रूप में मान्यता प्राप्त है।जैन समाज के गौरवशाली एवं प्रेरणादायी इतिहास से जैन समाज की वर्तमान पीढ़ी परिचित नहीं हैं। गौरवशाली इतिहास की अनेक जानकारी और है जिनका भी हम आगे उल्लेख करने का प्रयास अवश्य करेंगे। नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने सकारात्मक प्रयास समय की आवश्यकता है।

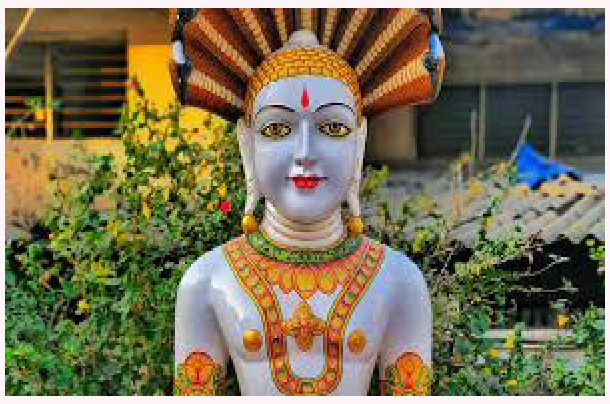

भगवान गणेश के साथ सूर्य देव की उपासना करना लाभप्रद

मान्यता है कि भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है। इसलिए बप्पा के साथ ही सूर्य देव की भी उपासना करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। इसीलिए इसकी शुभ-अशुभ स्थिति व्यक्ति के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य देव की अलग-अलग प्रतिमाएं रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अपनी इच्छानुसार घर में सूर्य देव की प्रतिमाएं रखी जा सकती हैं। तो आइए आज जानते हैं कि सूर्य देव की कौन सी प्रतिमा को घर में रखा जा सकता है।

लकड़ी की प्रतिमा-ज्योतिष और वास्तु के अनुसार सूर्यदेव की लकड़ी की प्रतिमा घर रखना बहुत अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इसके निरंतर पूजा-पाठ करने से घर के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही उन्हें भाग्य का साथ मिल जाता है।

मिट्टी की प्रतिमा-जिस जातक की कुंडली में सूर्य दोष हो और उसके सभी कामों में बार-बार बाधाएं आ रही हो तो वो इंसान घर में पत्थर या मिट्टी की सूर्य प्रतिमा रख सकता है। कहा जाता है कि इसकी पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

तांबे की प्रतिमा--कहते हैं कि घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए हर किसी को तांबे से बनी प्रतिमा रखनी चाहिए। इसके शुभ असर से सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

चांदी की प्रतिमा--कार्य क्षेत्र में अधिकार बनाए रखने के लिए चांदी की सूर्य प्रतिमा रख सकते हैं।

सोने की प्रतिमा--सोने से बनी सूर्य प्रतिमा घर में रखने और उसकी पूजा करने से घर में धन-धान्य बढ़ता है, सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गणेश जी को इसलिए चढ़ाई जाती है दूर्वा -आजकल सब जगह भगवान गणेश विराजे हुए हैं। गणेशोत्सव के दौरान घर-घर में गणपति की स्थापना की जाती है और भली-भांति पूजा की जाती है। इस दौरान भगवान गणेश को कई चीज़ें अर्पित भी की जाती हैं जिसमें से एक दूर्वा भी है। कहा जाता है कि बिना दूर्वा के भगवान गणेश की पूजा पूरी नहीं होती है। आइए जानते हैं क्यों गणपति को दूर्वा चढ़ाना इतना महत्वपूर्ण है।

दूर्वा चढ़ाते समय बोलें ये मंत्र

? गणाधिपाय नमः ,? उमापुत्राय नमः ,? विघ्ननाशनाय नमः ,? विनायकाय नमः

? ईशपुत्राय नमः ,? सर्वसिद्धिप्रदाय नमः ,? एकदन्ताय नमः ,? इभवक्त्राय नमः

? मूषकवाहनाय नमः ,? कुमारगुरवे नमः

गुरुवार को कुछ काम निषेध क्यों हैं

भारतीय सभ्यता में हर दिन का अलग महत्व है। खासतौर से गुरुवार को तो धर्म का दिन मानते हैं। गुरु को लेकर एक भी मान्यता है कि यह दूसरे ग्रहों के मुकाबले ज्यादा भारी होती है। इसलिए इस दिन कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिससे शरीर या घर में हल्कापन आता हो क्योंकि गुरु के प्रभाव में आने वाले कारक तत्वों का प्रभाव हल्का हो जाता है. वो काम कौन से हैं, जिन्हें गुरुवार को नहीं करना चाहिए, आप भी जानिये।

ना बाल धोएं ना कटाएं

शास्त्रों के अनुसार महिलाओं की जन्मकुंडली में बृहस्पति पति और संतान का कारक होता है। इसका मतलब यह है कि गुरु ग्रह संतान और पति दोनों के जीवन को प्रभावित करता है। ऐसे में गुरुवार को महिलाएं अगर अपना सिर धोती हैं या बाल कटाती हैं तो इससे बृहस्पति कमजोर होता है और पति व संतान की उन्नति रुक जाती है।

गुरु ग्रह को जीव भी कहा जाता है। जीव यानी कि जीवन। जीवन से तात्पर्य है आयु. गुरुवार को नाखून काटने और शेविंग करने से गुरु ग्रह कमजोर होता है, जिससे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उम्र में से दिन कम हो जाता है। घर में अधिक वजन वाले कपड़ों को धोने, कबाड़ घर से बाहर निकालने, घर को धोने या पोछा लगाने से बच्चों, पुत्रों, घर के सदस्यों की शिक्षा, धर्म आदि पर शुभ प्रभाव में कमी आती है। गुरुवार को नारायण का दिन होता है, ये बात तो ठीक है. पर नारायण तभी प्रसन्न होंगे जब आप उनके साथ उनकी पत्नी यानी कि लक्ष्मी जी की भी पूजा करेंगे। गुरुवार को लक्ष्मी-नारायण दोनों की एक साथ पूजा करने से जीवन में खुशियां आती हैं और पति-पत्नी के बीच कभी दूरियां नहीं आतीं. साथ ही धन में भी वृद्धि होती है।

नारी शक्ति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है करवा चौथ

- रमेश सर्राफ धमोरा
(10 अक्टूबर करवा चौथ पर विशेष)

करवा चौथ सभी विवाहित महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है, लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और् उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृ? संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो ि?र वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है।

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं। हमारा देश एक धर्म प्रधान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत ब?ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवाचौथ व्रत की कथा प?ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथव्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें।

इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें।

करवा चौथः सुहागिनों का सबसे बड़ा त्यौहार

- योगेश कुमार गोयल

करवा चौथ पर्व का हमारे देश में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। यह व्रत महिलाओं के लिए 'चूड़ियों का त्यौहार' नाम से भी प्रसिद्ध है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्ध्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है।

कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्ध्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था,

जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई। करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की ।भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्ध्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया। यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं। इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

किसान परंपरागत तरीके छोडक़र वैज्ञानिक और पर्यावरण हितैषी तकनीकों को अपनाएं - उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया

पानीपत, 9 अक्टूबर (हरप्रीत छत्तवाल) हरियाणा सरकार द्वारा पराली प्रबंधन को लेकर व्यापक और प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि पराली अब कोई समस्या नहीं, बल्कि किसानों के लिए जैविक खाद और अतिरिक्त आय का साधन बन सकती है। जिला प्रशासन पानीपत भी इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उपायुक्त डॉ. विरेंद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। हमें यह समझना होगा कि पराली जलाना न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को भी कम करता है। अब समय है कि हम परंपरागत तरीके छोडक़र वैज्ञानिक और पर्यावरण हितैषी तकनीकों को अपनाएं ।डॉ. दहिया ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है, जिससे किसान आसानी से मशीनें खरीदकर पराली को खेत में ही सड़ाने की प्रक्रिया अपना सकते हैं। इन-सीटू पराली प्रबंधन को अपनाने वाले किसानों को 1200 रुपए प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है ।इसके अलावा डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस विधि अपनाने वाले किसानों को 4500 रुपए प्रति एकड़ तथा वैकल्पिक फसलें अपनाने पर 8 हजार रुपए प्रति एकड़ की सहायता राशि उपलब्ध करवाई जा रही है। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि जल संरक्षण और मृदा स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि सख्ती के तौर पर सरकार ने पराली जलाने वालों पर नजऱ रखने के लिए 24×7 सैटेलाइट निगरानी शुरू कर दी है। एफएल सिस्टम के माध्यम से खेतों की लोकेशन तुरंत ट्रेस की जा रही है और दोषी पाए जाने पर 5 हजार से 30 हजार रुपए तक का जुर्माना तथा एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है। दो वर्ष तक एमएसपी का लाभ भी बंद किया जा सकता है। डॉ. दहिया ने किसानों से अपील करते हुए कहा, हमें पराली को जलाने की बजाय इसका सदुपयोग करना चाहिए। यह जैविक खाद बनाकर मिट्टी की सेहत सुधारने का भी काम कर सकती है। सरकार का लक्ष्य किसानों को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें सही मार्गदर्शन करना व सहायता देना है। उपायुक्त ने सभी किसानो से इस अभियान में सहभागी बनने और हरियाणा को पराली मुक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की ये योजनाएं न केवल पर्यावरण की रक्षा करेंगी, बल्कि किसानों के लिए लाभकारी भी सिद्ध होंगी। जिला प्रशासन, कृषि विभाग और स्थानीय अधिकारियों द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं से लाभ उठा सकें।

नेशनल एलिवेटेड हाईवे-44 पुल के नीचे पार्किंग संचालन का ठेका खुलेगा बोली के माध्यम से

पानीपत, 9 अक्टूबर (हरप्रीत छत्तवाल) जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, द्वारा नेशनल एलिवेटेड हाईवे - 44 पुल के नीचे वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के संचालन का ठेका आगामी एक वर्ष के लिए खुले निविदा (बोली) के माध्यम से दिया जाएगा। इसके लिए खुली बोली 24 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे जिला सचिवालय परिसर की प्रथम मंजिल स्थित मीटिंग हॉल में आयोजित की जाएगी। बोली में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति को 1,00,000/रुपए का बैंक ड्राफ्ट जिला विकास सोसाइटी, पानीपत के नाम से बनवाकर, 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है। पार्किंग से संबंधित सभी नियम व शर्तें उपायुक्त कार्यालय एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, पानीपत के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं। इच्छुक बोलीदाता समय रहते सभी नियमों का अवलोकन कर सकते हैं।

साइबर फ्रॉड की तत्काल सूचना देने के लिए डायल करें 1930 - डीसी

डीसी वीरेन्द्र कुमार दहिया ने दी जनहित में जानकारी

पानीपत 9 अक्तूबर (हरप्रीत छत्तवाल) डीसी डॉक्टर वीरेन्द्र कुमार दहिया ने जिलावासियों से अपील कि है कि सोशल मीडिया के दौर में बढ़ते साइबर क्राइम के मामलों को रोकने व धोखाधड़ी के मामले की सूचना तत्काल देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हेल्पलाइन नंबर 1930 जारी किया हुआ है जिस पर तत्काल सूचना दें, तथा आमजन साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जागरूक रहें। डीसी ने कहा कि पिछले कुछ सालों से लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते क्रेज के कारण अक्सर लोग सोशल मीडिया पर बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या फिर इनामी विज्ञापनों के झांसे में आ जाते हैं। ऐसे में पहले यह सुनिश्चित कर लें कि इस्तेमाल की जा रही वेबसाइट सुरक्षित है या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर संभव है तो कोशिश करें कि ऑनलाइन साइट्स से सामान मंगवाते समय कैश ऑन डिलीवरी का ऑप्शन चुने ताकि आपकी बैंक और कार्ड डिटेल साइबर अपराधियों के हाथ न लग सके। उन्होंने कहा कि यदि फिर भी किन्ही कारणों से आपके साथ किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो आप सबसे पहले हेल्पलाइन नंबर 1930 डायल करें और अपनी शिकायत को साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज करें। डीसी ने जिला के नागरिकों से अपील की है कि वे साइबर अपराधों से सावधान रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करें। डीसी ने बताया कि साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराध की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस स्टेशन जाकर पारंपरिक तरीके से एफआईआर करवाना व उसकी जांच होना एक लंबी प्रक्रिया है। ऐसे में तुरंत कार्रवाई के लिए हेल्पलाइन का विकल्प सबसे सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की जितनी जल्दी सूचना दी जाए, उतना ही सही है ताकि आगे की ट्रांजेक्शन को रोकने के लिए पीड़ित को त्वरित सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्ति नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल एचटीटीपी॰//डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटसाइबरक्राइमडॉटजीओवीडॉटइन पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

सरकार ने लगाया कोल्डरिफ कफ सिरप पर बच्चों के लिए पूर्ण रूप से बैन : सिविल सर्जन

करनाल, 9 अक्तूबर (रविन्द्र मलिक): सिविल सर्जन डॉ पूनम चौधरी की अध्यक्षता में वीरवार को सभी प्राइवेट व सरकारी शिशु रोग चिकित्सकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरकार द्वारा कफ सिरप व आईएलआई/एसएआरआई केसों बारे जारी की गई एडवाइजरी के बारे में जानकारी दी। बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने बताया कि सरकार के आदेशानुसार कोल्डरिफ कफ सिरप को बच्चों के लिए पूर्ण रूप से बैन किया गया है। इसलिए खांसी के सिरप का विवेकशील और सीमित प्रयोग किया जाये। उन्होंने सभी प्राइवेट व सरकारी डॉक्टरों को आईएलआई/एसएआरआई केसों की सूचना सिविल सर्जन कार्यालय में देने व उनको आईएचआईपी पोर्टल पर दर्ज करने बारे निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्राइवेट व सरकारी डॉक्टरों को आमजन को खांसी के सिरप को कम से कम प्रयोग करने व किसी प्रशिक्षित डॉक्टर की सलाह पर ही खांसी के सिरप का इस्तेमाल करने के लिए जागरूक करने निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पहल पर आमजन को राहत: जनता समाधान शिविर में 42 शिकायतें दर्ज

पानीपत, 9 अक्तूबर (हरप्रीत छत्तवाल) हरियाणा सरकार आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता पर लेकर उनके समाधान हेतु जनता समाधान शिविरों का आयोजन कर रही है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की दूरदर्शी सोच और जनसेवा सर्वोपरि दृष्टिकोण के तहत जिला और उपमंडल स्तर पर आयोजित इन शिविरों में प्रशासनिक अधिकारी मौके पर ही नागरिकों की शिकायतें सुनते हैं और त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिला सचिवालय सभागार में आयोजित जनता समाधान शिविर में कुल 42

शिकायतें दर्ज की गईं। शिविर में दर्ज अधिकांश शिकायतें फैमिली आईडी में आय कम कराने, विधवा एवं वृद्धावस्था पेंशन शुरू कराने, पुलिस से जुड़ी समस्याओं, राशन कार्ड चालू कराने और आधार कार्ड से संबंधित रहीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने तुरंत संबंधित विभागों को समाधान के निर्देश दिए और कुछ मामलों में मौके पर ही कार्रवाई शुरू कर दी गई। शिविर में कमलेश ने वर्षों से लंबित राशन कार्ड चालू करवाने की मांग रखी। अधिकारियों ने संबंधित विभाग को जांच के बाद तुरंत प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। नीलम, निवासी चुलकाना, ने पति की मृत्यु के बाद विधवा पेंशन की मांग की, जिस पर सामाजिक न्याय विभाग को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कुराना निवासी महा सिंह ने आधार कार्ड बनवाने हेतु आवेदन दिया, जिसे मौके पर ही अधिकारियों को सौंपा गया। सींक गांव के रमेश कुमार ने अपनी बेटी राखी के लापता होने की जानकारी देते हुए पुलिस से सहयोग की अपील की। पुलिस विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया।जनता समाधान शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से बचाना और एक ही स्थान पर कई विभागों से जुड़ी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। इन शिविरों में नागरिकों को न केवल अपनी शिकायतें दर्ज करवाने का मौका मिलता है, बल्कि कई मामलों में उसी समय समाधान भी मिल जाता है। वास्तविकता यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रारंभ की गई यह पहल न केवल प्रशासन को जनता के और करीब ला रही है, बल्कि भ्रष्टाचार पर लगाम और गवर्नेंस में पारदर्शिता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। जनता से सीधे संवाद और समाधान केंद्रित प्रशासनिक व्यवस्था से नागरिकों का सरकार और प्रशासन पर विश्वास बढ़ा है। शिविर में जिला परिषद सीईओ डॉ. किरण सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजेश शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक सतीश वत्स, डीएचओ शार्दुल शंकर, जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता करण बहल, डीपीओ परमिंदर कौर, सहायक रोजगार अधिकारी विनीता, कोच सुषमा, नोडल अधिकारी संजीव शर्मा, जोगिंदर समेत कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हर छात्र, हर सेमेस्टर एक व्यवसायिक विचार: कामी शिक्षा का असली उद्देश्य

सतीश कुमार

क्या आज की शिक्षा युवाओं को सिर्फ नौकरी की तलाश में धकेल रही है, या उन्हें स्वावलंबी बनाकर भविष्य के नेतृत्व की तैयारी कर रही है? यह सवाल आज इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहां लाखों डिग्रीधारी युवा बेरोज़गारी से जूझ रहे हैं, जबकि समस्याओं की कोई कमी नहीं है, और समाधान की संभावनाएँ अनगिनत हैं ।ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि हम शिक्षा की परिभाषा को पुन: परिभाषित करें। आज ज़रूरत है कामी शिक्षा (Applied Education) की - ऐसी शिक्षा जो केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर, छात्रों को व्यवहारिक जीवन के लिए तैयार करे। इसी क्रम में एक विचार अत्यंत क्रांतिकारी रूप से उभर रहा है हर छात्र, हर सेमेस्टर एक व्यवसायिक विचार। भारत की पारंपरिक शिक्षा प्रणाली लंबे समय से अंकों, परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्रांति और स्टार्टअप संस्कृति ने यह साबित कर दिया है कि डिग्री से अधिक महत्वपूर्ण है — समस्या सुलझाने की क्षमता, नवाचार और उद्यमिता ।वर्तमान प्रणाली में जहाँ एक ओर ज्ञान का भंडार है, वहीं दूसरी ओर कौशल की कमी, नवाचार की शून्यता और आत्मनिर्भरता की दूरी भी है। इसे भरने का एक सशक्त उपाय हो सकता है हर छात्र को, हर सेमेस्टर में, एक नया बिजनेस आइडिया विकसित करने का अवसर देना। जब छात्र हर सेमेस्टर एक नई समस्या पहचान कर उसका व्यवसायिक समाधान सोचते हैं, तो उनकी रचनात्मकता, तार्किक सोच और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। यह पहल छात्रों को 'नौकरी ढूंढने' के बजाय 'रोज़गार पैदा करने' की सोच की ओर ले जाती है।

व्यवहारिक शिक्षा का वास्तविक रूप - कक्षा में पढ़ाया गया सिद्धांत अब असल जिंदगी की समस्याओं से जुड़ने लगता है। कई छात्र इन विचारों को आगे बढ़ाकर स्टार्टअप के रूप में विकसित कर सकते हैं, जो न सिर्फ उनके लिए, बल्कि औरों के लिए भी रोज़गार के द्वार खोलते हैं। इस विचार को ज़मीनी हकीकत में बदलने के लिए शिक्षण संस्थानों को आगे आना होगा। पाठ्यक्रम में ऐसे बदलाव करने होंगे जिससे छात्रों को समस्या पहचानने की क्षमता दी जा सके,बाज़ार को समझने का

अवसर मिले,और अपनी प्रस्तुति से निवेशकों को प्रभावित करना आ सके ।इसके लिए कॉलेजों को इनक्यूबेशन सेंटर्स, मेंटरशिप प्रोग्राम और स्थानीय उद्योगों से भागीदारी बढ़ानी होगी। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि एक बिज़नेस आइडिया का जन्म किसी सामाजिक, तकनीकी या व्यावसायिक समस्या से होता है। उदाहरण के लिए-ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर ऊर्जा आधारित माइक्रो ग्रिड,छात्रों के लिए ऑनलाइन ट्यूटरिंग प्लेटफ़ॉर्म,
किसानों के लिए मार्केट-कनेक्टेड मोबाइल ऐप ।बाद में उसका संभावित समाधान, बाजार अध्ययन, बिज़नेस मॉडल और रिपोर्ट तैयार की जाती है। और अंत में, छात्र इसे अपने संस्थान या संभावित निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करते हैं ।यह मॉडल केवल सफल विचारों की बात नहीं करता — असफलता भी इसका अभिन्न अंग है। छात्र यदि किसी सेमेस्टर में कोई विचार लेकर आते हैं और वह व्यावसायिक रूप से सफल नहीं होता, तो भी वह उनके सीखने का हिस्सा बनता है ।इस प्रक्रिया में छात्र यह समझते हैं कि-असफलता अंतिम नहीं होती,हर प्रयोग एक सीख है,और नवाचार के रास्ते में जोखिम उठाना ज़रूरी है।

भारत में कई युवाओं ने ऐसे ही विचारों को व्यवसाय में बदला और इतिहास रच दियागाँव से निकला विचार — एक छात्र ने बकरी पालन के लिए मोबाइल ऐप बनाया, जो ग्रामीण किसानों को बाजार और पशु चिकित्सा से जोड़ता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा की ओर संकेत करती है - शिक्षा को रोजगार उन्मुख, नवाचार प्रेरित और छात्र-केंद्रित बनाना।

यदि हम वास्तव में हर छात्र, हर सेमेस्टर एक व्यवसायिक विचार की अवधारणा को शिक्षा प्रणाली में लागू कर पाते हैं, तो भारत को नौकरी खोजने वालों का देश नहीं, बल्कि नौकरी देने वालों का देश बनने से कोई नहीं रोक सकता।

गांव दनोदा में पराली न जलाने और प्राकृतिक खेती को लेकर कृषि विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान

नरवाना, 9 अक्तूबर (नरेन्द्र सिंहमार) : नरवाना उपमंडल के गांव दनोदा में कृषि विभाग द्वारा किसानों को पराली प्रबंधन और प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने हेतु एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिनैण खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुवीर नैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पराली जलाने की बजाय उसका सही तरीके से प्रबंधन करें ताकि भूमि की उपजाऊ शक्ति बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रह सके। रघुवीर नैन ने बताया कि पराली जलाने से भूमि की ऊपरी परत नष्ट हो जाती है जो सबसे अधिक उपजाऊ होती है। इससे न केवल पर्यावरण में प्रदूषण फैलता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है। उन्होंने किसानों को पराली से खाद बनाने और प्राकृतिक खेती को अपनाने की सलाह दी ।इस जागरूकता शिविर में कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा भी किसानों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। एसडीओ डॉ. सुनील दलाल ने प्राकृतिक खेती के लाभ बताते हुए कहा कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता घट रही है और अनेक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्राकृतिक खेती न केवल लागत कम करती है, बल्कि फसल की गुणवत्ता भी बढ़ाती है ।डॉ. सुरेंद्र माने ने पराली न जलाने के दुष्प्रभावों पर विस्तृत व्याख्यान दिया, वहीं डॉ. वीरेंद्र बोरा ने कपास की फसल में बढ़ते गुलाबी सुंडी के प्रकोप से निपटने के उपायों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कीट के कारण कपास की खेती में भारी गिरावट आई है। साथ ही किसानों को सलाह दी कि वे खेतों की मेढ़ों पर मेरी डाई जैसे पौधे न लगाएं क्योंकि ये कीट वहीं पनपते हैं। कार्यक्रम में सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक और भीम सिंह ने किसानों को कृषि विभाग की ऑनलाइन योजनाओं और तकनीकों के बारे में बताया ताकि किसान नवीनतम तकनीक और सरकारी सहायता का पूरा लाभ उठा सकें। इस जागरूकता शिविर ने किसानों को न केवल नई जानकारियां दीं, बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ खेती की दिशा में प्रेरित भी किया।

शांतिवन गोपाल गौशाला में समर्पण के साथ की जा रही है गायों की सेवा : राकेश गर्ग

बोले : गौसेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य, हर व्यक्ति को होना चाहिए समर्पित

तरावड़ी, 9 अक्तूबर (छाया शर्मा) : शांतिवन गोपाल गौशाला तरावड़ी के प्रधान राकेश गर्ग ने कहा कि गौसेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं,

बल्कि समाज सेवा और मानवता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आत्मा है, जिसकी सेवा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। वह तरावड़ी के राघव इंडस्ट्रीज में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर राघव इंडस्ट्रीज तरावड़ी के सी.एम.डी. मुकेश गर्ग भी मौजूद रहे। राकेश गर्ग ने कहा कि शांतिवन गोपाल गौशाला में हर दिन सैकड़ों गायों की सेवा, देखभाल और पोषण का कार्य अत्यंत श्रद्धा और समर्पण के साथ किया जाता है। गौशाला के सेवादार और कार्यकर्ता सुबह से शाम तक गायों के लिए चारा, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की देखभाल में जुटे रहते हैं। उन्होंने बताया कि गौशाला में आधुनिक चिकित्सा उपकरण, हरे चारे की व्यवस्था और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे गायें स्वस्थ और सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि सरकार भी गौसेवा को लेकर गंभीर है और प्रदेशभर की गौशालाओं को सहयोग राशि देकर गौमाता की सेवा के इस पवित्र अभियान में सहयोग कर रही है। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के हर वर्ग को गौसेवा के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि यह सेवा जीव मात्र के प्रति करुणा, संवेदना और समर्पण की भावना को जागृत करती है। राकेश गर्ग ने कहा कि गौमाता हमारे जीवन का आधार हैं, उनका आशीर्वाद हमारे हर कार्य में शुभता और समृद्धि लाता है। हमें केवल पूजा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वास्तविक सेवा के रूप में गौशालाओं को समर्थन देना चाहिए। उन्होंने कहा कि शांतिवन गोपाल गौशाला ने अब तक कई असहाय और बीमार गायों को नया जीवन दिया है, और यह सेवा निरंतर जारी रहेगी। इस अवसर पर राघव इंडस्ट्रीज तरावड़ी के सी.एम.डी. मुकेश गर्ग ने भी कहा कि गौसेवा सबसे बड़ा धर्म है। अगर हम अपनी संस्कृति और सभ्यता को सच्चे अर्थों में जीवित रखना चाहते हैं, तो हमें गायों की सेवा और संरक्षण के लिए आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि गाय केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि पर्यावरण, कृषि और स्वास्थ्य से जुड़ी जीवनदायिनी शक्ति है।

पवित्र रिश्ते में प्रेम और समर्पण का प्रतीक है करवाचौथ पर्व

सुहागिने बोली : वैवाहिक जीवन में विश्वास और सम्मान की नई रोशनी लाता है यह पर्व

तरावड़ी, 9 अक्तूबर (छाया शर्मा): करवाचौथ के पावन अवसर पर शहर की अग्रणी महिलाएं पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ व्रत रखकर पति की लंबी उम्र की कामना करेंगी। पर्व पर व्रत रखने से पहले महिलाओं ने कहा कि करवाचौथ न केवल एक व्रत है, बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते में प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। भाजपा नेत्री सोनम कबीरपंथी, डबल चाबी बासमती राईस की डायरेक्टर प्रेक्षा गोयल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि चांद की रोशनी में सजे इस पर्व से हर घर में प्रेम, शांति और समरसता का संदेश जाता है। करवाचौथ भारतीय संस्कृति की सुंदर परंपराओं में से एक है। सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी डा. कशिश सलूजा, जी.वी. राईस यूनिट से चारू बंसल एवं ज्योति बंसल ने कहा कि करवाचौथ व्रत स्त्री की शक्ति, त्याग और धैर्य का प्रतीक है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सच्चे रिश्ते केवल शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं और आस्था से बनते हैं। भारत विकास परिषद से जुड़ी भावना मिड्डा व अध्यापक सविता जांगड़ा ने कहा कि करवाचौथ हमारे संस्कारों की जड़ है। इस दिन का महत्व प्रेम, विश्वास और परिवार की एकता को बनाए रखने में सबसे बड़ा है। सभी ने कहा कि करवाचौथ हर भारतीय नारी के जीवन का सबसे पवित्र व्रत है, जो पति-पत्नी के अटूट बंधन को और भी मजबूत करता है। यह पर्व वैवाहिक जीवन में विश्वास और सम्मान की नई रोशनी लाता है।

छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत पर रायपुररानी के केमिस्टों ने जताया गहरा शोक

रायपुररानी, 9 अक्तूबर (देवेन्द्र सिंह) : मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप के सेवन से 20 बच्चों की दर्दनाक मौत की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हृदयविदारक हादसे पर रायपुररानी की केमिस्ट एसोसिएशन ने एक विशेष बैठक आयोजित कर गहरा शोक व्यक्त किया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान इशेन्द्र मोहन सिंगला ने की। सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर मृत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह दुखद घटना फार्मेसी क्षेत्र की जिम्मेदारियों को और अधिक गंभीर बना देती है। जानकारी देते प्रधान इशेन्द्र मोहन सिंगला ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अब किसी भी मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर की पर्ची के कोई दवा नहीं दी जाएगी। उन्होंने सभी केमिस्टों

से आग्रह किया कि मरीजों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए केवल योग्य फार्मासिस्ट की उपस्थिति में ही दवाओं का वितरण किया जाए। साथ ही फार्मेसी नियमों का सख्ती से पालन करने का संकल्प लिया गया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। बैठक में उप-प्रधान कमल अग्रवाल एवं राकेश सैनी, सचिव जितेन्द्र सैनी, कोषाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य चरणजीत चौधरी उर्फ हैप्पी, ललित शर्मा, राकेश ढींगरा, संरक्षक अनिल कुमार गुप्ता, जयपाल गुप्ता, राकेश सिंगला, सदस्य जय भगवान, संदीप सैनी, सौरव सैनी, कैलाश चौधरी प्यारेवाला, अंकुर बाजवा, हरनेक सिंह, अमन कुमार, अमन, परविंदर और आसिफ खेड़ी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सुहागिनों ने किया करवाचौथ पर्व सैलिब्रेट, गीत-संगीत और प्रतियोगिताओं में लिया आनंद

तरावड़ी, 9 अक्तूबर (छाया शर्मा) : अग्रवाल सभा तरावड़ी की महिला विंग की ओर से अग्रवाल धर्मशाला में करवाचौथ पर्व बड़ी ही धूमधाम और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी नजर आईं और पूरे वातावरण में उत्सव और उल्लास की छटा बिखरी रही। कार्यक्रम में महिलाओं ने गीत-संगीत, खेल और विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरा कार्यक्रम आनंदमय बन गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल सभा की महिला विंग की प्रधान रेनू सिंगला ने की। उनके नेतृत्व में करवाचौथ सैलीब्रेशन का आयोजन अत्यंत सफल रहा। मंच संचालन के दौरान आयोजकों ने बताया कि करवाचौथ केवल एक पर्व नहीं बल्कि पति-पत्नी के बीच अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को करवाचौथ की शुभकामनाएं दीं और चांद के दीदार की तैयारियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं के मनोरंजन के लिए रंगोली प्रतियोगिता, संगीत गेम्स, प्रश्नोत्तरी और डांस प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां करवाई गईं। इनमें महिलाओं ने पूरे जोश और उत्साह से भाग लिया। बुजुर्ग महिलाओं ने भी गीत-संगीत गाकर कार्यक्रम में विशेष रंग भरे और खूब तालियां बटोरीं। पूरी धर्मशाला को आकर्षक रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया था, जिससे वातावरण में उत्सव की सुंदर आभा झलक रही थी। प्रधान रेनू सिंगला ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि करवाचौथ का पर्व भारतीय नारी की श्रद्धा, प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। महिलाएं इस दिन न केवल अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं, बल्कि यह पर्व परिवार के प्रति समर्पण और एकता का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और महिलाओं में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं की एकता और सहभागिता ही किसी भी समाज की असली ताकत होती है। अग्रवाल सभा की महिला विंग हमेशा से सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट और सम्मान प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा उन्हें भविष्य में भी इसी जोश और उत्साह से समाजसेवा के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रूचि मित्तल, रेनू गुप्ता, सीमा गर्ग, संयोगिता गुप्ता, रिया और आशा सहित कई गणमान्य महिलाएं मौजूद रहीं। सभी ने मिलकर इस पारंपरिक पर्व को यादगार बनाया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने कहा कि अग्रवाल सभा द्वारा करवाचौथ पर्व का आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम है बल्कि महिलाओं के बीच आपसी भाईचारे और अपनत्व को बढ़ाने का भी अवसर है। ऐसे आयोजन हमें अपनी संस्कृति और परंपरा से जोड़े रखते हैं।

हरियाणा में उद्योग लगाने का सबसे अनुकूल माहौल... (पृष्ठ एक का शेष) सेवादार कंधारी साहब ने मनोहर लाल को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। वहीं एस.पी. सिंह ओबेराय और बिक्रमजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रभलीन सिंह और गुरुप्रसाद सिंह को भी संगत द्वारा सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वे इस स्वागत से अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की पांचवीं बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है और हरियाणा निर्माण एवं उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन रहा है। उन्होंने दुबई के उद्योगपतियों को हरियाणा में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि राज्य में उद्योगों के लिए सबसे अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। उद्योगपति गुरुप्रसाद सिंह ने कहा कि मनोहर लाल का व्यक्तित्व विराट और प्रेरणादायक है। वे सच्चे गुरु के सेवक हैं, जिनके कारण हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में सिख समाज का सम्मान बढ़ा है।

भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाबैन में किया मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

बाबैन, 9 अक्तूबर (राजेश कुमार): भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाबैन में आज रंगारंग सांस्कृतिक माहौल के बीच मेहंदी प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। बच्चों ने पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों की सुंदर झलक पेश की, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और भी आकर्षक बन गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता खन्ना ने प्रतियोगिता का निरीक्षण किया और प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का माध्यम हैं तथा कला के क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होती हैं। प्रिंसिपल सुनीता खन्ना ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कहा कि छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़-चढकर हिस्सा लेना चाहिए ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

नगर निगम ने 3 सम्पत्ति कर डिफाल्टरों की सम्पत्तियां की सील, 3 ने मौके पर जमा करवाए 4 लाख 69 हजार रुपये, 1 ने सीलिंग के बाद भरा टैक्स : डॉ. वैशाली शर्मा

कुर्की कार्रवाई से पूर्व 3 सम्पत्ति मालिकों ने जमा करवाएं 2 लाख 30 हजार रुपये

करनाल, 9 अक्तूबर (सुनील कुमार): सम्पत्ति कर डिफाल्टरों के विरूद्ध नगर निगम करनाल ने एक ओर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। गुरूवार को शहर की 8 वाणिज्यिक सम्पत्तियों पर कार्रवाई के लिए प्रवर्तन दल पहुंचा। इन सम्पत्तियों पर करीब 27 लाख 72 हजार रुपये का सम्पत्ति कर लंबे समय से बकाया चला आ रहा था, जिस कारण यह डिफाल्टर की श्रेणी में थे। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी। कार्रवाई की जानकारी देते उन्होंने बताया कि गुरूवार को 11 सम्पत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई की जानी थी। इनमें से 3 सम्पत्तियों को सील कर अटैच कर लिया गया। इनमें एक सम्पत्ति दयानंद कॉलोनी तथा 2 सेक्टर-3 एच.एस.आई. आई. डी.सी. की हैं। कार्रवाई आगे बढ़ी तो 3 ने मौके पर ही करीब 4 लाख 69 हजार रुपये सम्पत्ति कर भर दिया। इसके अतिरिक्त 2 सम्पत्ति मालिकों द्वारा अंडरटेंकिंग देकर सम्पत्ति कर जमा करवाने के लिए 2 से 7 दिनों की मोहलत मांगी गई। अगर दिए गए समय में यह टैक्स जमा नहीं करवाएंगे, तो उनकी सम्पत्ति की कुर्की कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 3 बकायादारों ने कुर्की की कार्रवाई शुरू होने से पूर्व ही 2 लाख 30 हजार रुपये सम्पत्ति कर अदा कर दिया, जिससे वह कार्रवाई से बच गए। इन सम्पत्तियों को किया कुर्क- कार्रवाई के दौरान 3 डिफाल्टर सम्पत्तियों पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। इनमें दयानंद कॉलोनी स्थित एलीगेंट डिजाईन सम्पत्ति कर 1 लाख 31 हजार रुपये, सेक्टर-3 एच.एस.आई.आई.डी.सी. में 254 नम्बर इंडस्ट्री सम्पत्ति कर 1 लाख 77 हजार रुपये तथा यहीं की ही 110 नम्बर इंडस्ट्री सम्पत्ति कर 2 लाख 44 हजार रुपये है, इन तीनों सम्पत्तियों को सील किया गया है। इन सम्पत्तियों को हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 130 के तहत अटैच किया गया है।

इन सम्पत्ति मालिकों ने मौके पर जमा करवाया प्रॉपर्टी टैक्स : अटैचमेंट कार्रवाई के दौरान 3 सम्पत्ति मालिकों ने मौके पर सम्पत्ति कर जमा करवाया है। इनमें अल्फा सिटी स्थित आई.एन.आर. प्रॉपर्टीज सम्पत्ति कर 2 लाख 31 हजार रुपये, सेक्टर-3 एच.एस.आई. आई.डी.सी. स्थित 167 नम्बर पारस फीड इंडस्ट्री ने 1 लाख 4 हजार रुपये तथा न्यू बहादुर चंद कॉलोनी स्थित 788 नम्बर प्रॉपर्टी मालिक ने 1 लाख 34 हजार रुपये मौके पर ही सम्पत्ति कर जमा करवाया है। इस बीच दयानंद कॉलोनी स्थित एलीगेंट डिजाईन के सम्पत्ति मालिक द्वारा सील होने के पश्चात करीब 1 लाख 31 हजार रुपये सम्पत्ति कर जमा करवा दिया गया।

नोटिस के बावजूद भी नहीं किया गौर : उन्होंने बताया कि सम्पत्ति कर एकत्र करने को लेकर उपरोक्त सभी सम्पत्ति मालिकों को 3-3 नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद इन्हें व्यक्तिगत तौर पर जाकर अटैचमेंट का नोटिस भी जारी किया गया था, परंतु सम्पत्ति मालिकों के द्वारा इसे गम्भीरता से नहीं लिया गया, जिसके चलते अटैचमेंट की कार्रवाई गई। कार्रवाई को अंजाम देने के लिए उप निगम आयुक्त अभय सिंह को ड्यूटि मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था, जबकि क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अंकुश पराशर, कर अधीक्षक गगनदीप सिंह व सुनील कुमार, प्रवर्तन दल में सहायक जितेन्द्र मलिक, लिपिक हर्ष कुमार, गौरव राणा, प्रदीप कुमार, अंकित बंसल व शैलेन्द्र पांडे तथा पुलिस फोर्स मौजूद रही।

18 कुर्की आदेश जल्द होंगे जारी : नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि सम्पत्ति कर बकायादारों के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। इसके लिए 18 ओर कुर्की आदेश जल्द जारी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक करीब 18 करोड़ 7 लाख रुपये सम्पत्ति कर जमा हो चुका है। उन्होंने कहा कि यदि अटैचमेंट की गई सम्पत्तियों के मालिकों द्वारा सम्पत्ति कर जमा नहीं करवाया जाता, तो उनकी सम्पत्तियों को नीलाम कर नगर निगम सम्पत्ति कर वसूल करेगा। उन्होंने यह भी चेताया की कुर्की की गई सम्पत्तियों से अगर कोई व्यक्ति किसी प्रकार की छेड़छाड़ करता है, तो उसके विरूद्ध कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बकायादारों को स्पष्ट किया कि वह जल्द से जल्द अपना बकाया सम्पत्ति कर जमा करवा दें और कुर्की की कार्रवाई से बच जाएं।

आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की नींव है स्वदेशी : प्रवीण लाठर

मन की बात एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यक्रम को लेकर जिलाध्यक्ष ने ली बैठक

करनाल, 9 अक्तूबर (संदीप रोहिला): आज भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में

मोदी जी के ड्रीम प्रोजेक्ट मन की बात कार्यक्रम एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यक्रम को लेकर एक बैठक हुई जिसमें भाजपा के करनाल जिला के सभी मंडल अध्यक्ष एवं ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को मन की बात कार्यक्रम एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी को लेकर विचार विमर्श करते हुए इन कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु दिशानिर्देश दिए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि जिला करनाल देश भर व हरियाणा में मन की बात कार्यक्रम में पहले की तरह नंबर एक पर आए। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमें और कुछ नहीं,सिर्फ बूथों पर फोकस करना है और हर बूथ पर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का काम करना है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि स्वदेशी केवल एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव है। यह प्राचीन काल से सनातन संस्कृति की हमारी जीवन पद्धति है। उन्होंने सभी को आह्वान किया कि इस त्योहारी सीजन में स्वदेशी को प्राथमिकता देने का संकल्प लें। सभी लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया,मेक फार द वर्ल्ड के मूलमंत्र को अपनाएं और इसे आत्मसात करें और स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए खूब प्रचार प्रसार करें।

प्रदेश सरकार चहुंमुखी विकास के पथ पर अग्रसर, सभी क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्य:जगमोहन आनंद

करनाल, 9 अक्तूबर (संदीप रोहिला): विधायक जगमोहन आनंद के विधायक बनने व सरकार के एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने के अवसर पर वीरवार को उनके सेक्टर-13 कैंप कार्यालय में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में चहुंमुखी विकास कर रही है। प्रदेश में विकास के मामले में किसी भी क्षेत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि विकास का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के सहयोग से प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका सीधा लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि यदि करनाल विधानसभा क्षेत्र में किसी व्यक्ति को कोई समस्या अथवा शिकायत हो, तो उनके कैंप कार्यालय सेक्टर-13 में स्वयं आकर उनसे मिल सकता है। समस्या अथवा शिकायत का समाधान किया जाएगा।

जन कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को लाभ : विधायक जगमोहन आनंद ने बताया कि सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सरकार द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं अधिक से अधिक लाभ उठाएं। विधायक ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में प्रदेश विकास और प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा।